RNI No. : TNHIN/2013/52520 ▪ वर्ष - 13 ▪ अंक - 346 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- चेन्नई » मंगलवार » 14-07-2026 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

4 राज्यपाल ने टीबी मुक्त राजस्थान का किया आह्वान

6 अमेरिका-ईरान टकराव और विश्व शांति की नई चुनौती

7 मां के नाम पेड़ लगाकर भावुक हुईं हुमा कुरैशी

फर्स्ट टेक

आईईडी धमाके में चार घायल, असम राइफल्स के एक जवान की मौत

कोहिमा। नगालैंड के चुमुकेदिमा जिले में सोमवार को एक संदिग्ध आईईडी धमाके में असम राइफल्स का एक जवान शहीद हो गया और चार घायल हो गए। एक रक्षा अधिकारी ने यह जानकारी दी। रक्षा मंत्रालय के जनसंपर्क अधिकारी (पीआरओ) कर्नल अमित शुक्ला ने बताया कि यह विस्फोट उस समय हुआ जब एक अभियान के तहत जा रहे असम राइफल्स के वाहन को निशाना बनाया गया। उन्होंने बताया कि सुरक्षा बलों ने इलाके में व्यापक तलाशी अभियान शुरू कर दिया है, जबकि घायल जवानों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। अधिकारी ने कहा कि मामले की गहन जांच की जा रही है। प्रशासन ने अभी तक हताहत हुए जवानों की पहचान उजागर नहीं की है और न ही इस हमले के लिए जिम्मेदार संगठन या लोगों की आधिकारिक पुष्टि की है।

तमिल गीतकार आर. वैरामुथु 60वें ज्ञानपीठ पुरस्कार से सम्मानित

नयी दिल्ली। प्रतिष्ठित तमिल गीतकार और वरिष्ठ लेखक आर. वैरामुथु को सोमवार को यहां 60वें ज्ञानपीठ पुरस्कार से नवाज़ा गया। वैरामुथु को कांग्रेस के वरिष्ठ नेता कर्ण सिंह ने यहां आयोजित एक कार्यक्रम में 2025 के इस प्रतिष्ठित पुरस्कार से सम्मानित किया। वह यह पुरस्कार पाने वाले तीसरे तमिल लेखक और पहले तमिल कवि बन गए हैं। संयोग से आज उनका 73वाँ जन्मदिन है। आयोजकों के मुताबिक, उन्हें पुरस्कार स्वरूप 11 लाख रुपये का चेक, एक प्रशस्ति पत्र और ज्ञान की देवी वाग्देवी (सरस्वती) की एक कांस्य प्रतिमा प्रदान की गई। उन्हें उपन्यास 'कल्लिकट्टू इतिहासम' के लिये 2003 में साहित्य अकादमी पुरस्कार भी मिला था। उन्हें 2003 में पद्मश्री और 2014 में पद्मभूषण पुरस्कार से भी सम्मानित किया गया था।

प्रधानमंत्री के दौरे के दौरान बम धमाकों की धमकी के बाद सुरक्षा एजेंसियां सतर्क

चंडीगढ़। एक खालिस्तान-समर्थक समूह ने कथित तौर पर एक ई-मेल भेजकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की शुक्रवार को जींद में होने वाली रैली को निशाना बनाने की धमकी दी है, जिसके बाद सुरक्षा एजेंसियां उच्च सतर्कता बरत रही हैं। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि ई-मेल में धमकी दी गई है कि प्रधानमंत्री के पंजाब और हरियाणा दौरे के दौरान 17 जुलाई को चंडीगढ़ और जालंधर में विद्यालयों, रेलवे स्टेशन और अन्य जगहों पर बम धमाके किए जाएंगे। ई-मेल में रेल राज्य मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू को भी निशाना बनाने की धमकी दी गई है।

14-07-2026 सूर्यास्त 6:39 बजे	15-07-2026 सूर्योदय 5:52 बजे
BSE 77,616.40 (+47.01)	NSE 24,211.00 (+04.10)
सोना 15,108 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	चांदी 227,000 रु. प्रति किलो

दिल्ली दंगा

आईबी अधिकारी हत्याकांड में ताहिर हुसैन दोषी करार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

> यह घटना फरवरी 2020 में नागरिकता संशोधन कानून के खिलाफ विरोध प्रदर्शनों के दौरान उत्तर-पूर्वी दिल्ली में भड़की सांप्रदायिक हिंसा के समय हुई थी। दंगे में 53 लोगों की मौत हो गई थी और कई अन्य घायल हो गए थे।

नयी दिल्ली। दिल्ली की एक अदालत ने सोमवार को आम आदमी पार्टी के पूर्व पार्षद ताहिर हुसैन और चार अन्य लोगों को 2020 में उत्तर-पूर्वी दिल्ली में हुए दंगे के दौरान खुफिया ब्यूरो (आईबी) के अधिकारी अंकित शर्मा की हुई सनसनीखेज हत्या का दोषी ठहराया। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश प्रवीण सिंह ताहिर हुसैन समेत कुल 11 आरोपियों के मामले की सुनवाई कर रहे थे और उन्होंने उनमें से पांच को दोषी ठहराया। अदालत ने ताहिर हुसैन को वैमनस्य फैलाने, दंगा करने, मारपीट, आपराधिक बल प्रयोग और हत्या के आरोपों में दोषी पाया। यह मामला अंकित कुमार के पिता रवींद्र कुमार की शिकायत पर दयालपुर थाने में दर्ज प्राथमिकी से संबंधित है। रवींद्र कुमार के अनुसार, आईबी में तैनात अंकित शर्मा 25 फरवरी, 2020 को कार्यालय से घर लौटे थे और उसके बाद बाहर निकले थे।

शिकायतकर्ता के मुताबिक, जब अंकित काफी देर तक वापस नहीं लौटे, तब परिवार वालों ने उन्हें खोजना शुरू किया। रवींद्र कुमार के अनुसार, तभी स्थानीय लोगों ने उन्हें बताया कि उनके बेटे की हत्या कर दी गई है और उसका शव चांद बाग पुलिया इलाके में एक मस्जिद के पास खजूरी खास नाले में फेंक दिया गया है। बाद में अंकित शर्मा का शव नाले से बरामद किया गया। अपनी शिकायत में रवींद्र कुमार ने आरोप लगाया कि उनके बेटे की हत्या तत्कालीन आप पार्षद ताहिर हुसैन और अन्य लोगों ने की थी। शिकायत में कहा गया है कि ये लोग कथित तौर पर हुसैन के दफ्तर में जमा हुए थे और हत्या के बाद अंकित के शव को ठिकाने लगा दिया था।

इस मामले में नाम आने के बाद ताहिर हुसैन को आम आदमी पार्टी ने निलंबित कर दिया था। दिल्ली की एक अदालत ने 24 मार्च 2023 को ताहिर हुसैन और 10 अन्य लोगों के खिलाफ आरोप तय किए। अन्य आरोपी हसीन उर्फ मुल्लाजी उर्फ सलमान, नाज़िम, कासिम, समीर खान, अनस, फ़िरोज़, जावेद, गुलफ़ाम, शोएब आलम उर्फ बॉबी और मुंतजिम उर्फ मूसा हैं। आरोपियों पर भारतीय दंड संहिता की उन धाराओं के तहत आरोप लगाए गए जो दंगा करने, घातक हथियारों के साथ दंगा करने, समूहों के बीच वैमनस्य को बढ़ावा देने, हत्या और आपराधिक साजिश से संबंधित हैं। ताहिर हुसैन पर लोगों को उकसाने और सार्वजनिक अशांति फैलाने वाले बयान देने के अतिरिक्त आरोप भी लगाए गए।

यह घटना फरवरी 2020 में नागरिकता संशोधन कानून के खिलाफ विरोध प्रदर्शनों के दौरान उत्तर-पूर्वी दिल्ली में भड़की सांप्रदायिक हिंसा के समय हुई थी। दंगे में 53 लोगों की मौत हो गई थी और कई अन्य घायल हो गए थे।

'विधायकों की खरीद-फरोख्त' के आरोप पर भाजपा ने उमर अब्दुल्ला को भेजा नोटिस

श्रीनगर। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की जम्मू कश्मीर इकाई ने सोमवार को मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला को कानूनी नोटिस भेजा। यह नोटिस उनके उस दावे को लेकर भेजा गया जिसमें उन्होंने कहा था कि भाजपा ने उनकी सरकार गिराने के लिए नेशनल कॉन्फ्रेंस के विधायकों को नकद और मंत्री पद का लालच देने की कोशिश की थी।

भाजपा ने इन आरोपों को ''झूठा, बेबुनियादी और मानहानिकारक'' बताते हुए लिखित रूप में इन्हें वापस लेने और सात दिनों के भीतर बिना शर्त सार्वजनिक रूप से माफी मांगने की मांग की है। साथ ही, पार्टी ने चेतावनी दी है कि अगर ये मांगें पूरी नहीं की गईं, तो कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने पिछले सप्ताह हजरतबल में नेशनल कॉन्फ्रेंस (नेकां) के कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए आरोप लगाया था कि भाजपा उनकी पार्टी में टूट करवाकर उनकी सरकार गिराने की कोशिश कर रही है। उन्होंने यह भी दावा किया था कि जम्मू क्षेत्र के नेशनल कॉन्फ्रेंस के एक विधायक ने उन्हें बताया कि भाजपा में शामिल होने के बदले उसे 20 से 30 करोड़ रुपये और मंत्री पद की पेशकश की गई थी।

मदद

भारत-तिब्बत सीमा पुलिस के जवान सोमवार, जम्मू और कश्मीर के अनंतनाग में जारी 'श्री अमरनाथ जी यात्रा 2026' के दौरान कठिन रास्तों पर श्रद्धालुओं और तीर्थयात्रियों को सुरक्षित आगे बढ़ने में मदद करते हुए।

राम मंदिर ट्रस्ट ने सीईओ के लिए आवेदन आमंत्रित किए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अयोध्या। श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने सोमवार को अयोध्या में राम मंदिर के पहले मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) के पद के लिए आवेदन आमंत्रित किए, आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 18 जुलाई निर्धारित की है।

'एक्स' पर एक पोस्ट में ट्रस्ट ने कहा कि योग्य उम्मीदवार श्री राम जन्मभूमि मंदिर के सीईओ पद के लिए आवेदन कर सकते हैं। इसमें कहा गया है कि आवेदन 18 जुलाई शाम चार बजे तक स्वीकार किए जाएंगे। यह नियुक्ति महत्वपूर्ण है क्योंकि यह मंदिर के चढ़ावे के कथित गबन की पृष्ठभूमि में की जा रही है। रविवार को राम मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्रा ने कहा था कि पहले सीईओ की जिम्मेदारियां और शक्तियां ट्रस्ट द्वारा ही तय की जाएंगी और ट्रस्ट या सीईओ के कामकाज में कोई सरकारी हस्तक्षेप नहीं होगा।

मिश्रा ने संवाददाताओं से कहा था, सीईओ की प्राथमिक जिम्मेदारी ट्रस्ट में भक्तों के विश्वास को बनाए रखना होगा। उन्होंने कहा था कि सीईओ मंदिर की वित्तीय व्यवस्था की भी देखरेख करेंगे, यह सुनिश्चित करेंगे कि अयोध्या आने वाले भक्तों को आवश्यक सुविधाएं मिलें और इसके प्रति जवाबदेह रहते हुए ट्रस्ट के सहायक के रूप में कार्य करें।

मिश्रा ने कहा था, ट्रस्ट तय करेगा कि सीईओ को कितना अधिकार सौंपा जाए। उन्होंने कहा था कि सीईओ कार्यालय के कामकाज के लिए आवश्यक कर्मचारियों को नियुक्त करने के लिए स्वतंत्र होंगे, हालांकि समग्र प्रशासन ट्रस्ट के नियंत्रण में रहेगा।

भोजशाला परिसर संबंधी फैसले के खिलाफ याचिकाओं पर सुनवाई करेगा न्यायालय

नयी दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय के उस आदेश को चुनौती देने वाली याचिकाओं को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध करने पर सहमति जताई जिसमें विवादित भोजशाला परिसर को देवी सरस्वती को समर्पित मंदिर बताया गया था। मुस्लिम अपीलकर्ताओं की ओर से पेश हुए वरिष्ठ वकील हुजेफा अहमदी और वकील निजाम पाशा ने प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति वी. मोहना की पीठ से आग्रह किया कि इन याचिकाओं पर तत्काल सुनवाई जरूरी है।

प्रधान न्यायाधीश ने अपीलकर्ताओं के वकीलों से याचिकाओं में मौजूद कमियों को दूर करने को कहा और उन्हें भरोसा दिलाया कि जल्द किसी पीठ के सामने सुनवाई के लिए इन्हें सूचीबद्ध किया जाएगा। मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय ने 15 मई को फैसला सुनाया था कि धार जिले में विवादित भोजशाला-कमाल मौला मस्जिद परिसर देवी सरस्वती को समर्पित एक मंदिर है।

अदालत ने इसके अलावा भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) के दशकों पुराने उस आदेश को भी रद्द कर दिया जिसमें मुस्लिम समुदाय को इस जगह पर शुक्रवार की नमाज पढ़ने की इजाजत दी गई थी। उच्च न्यायालय ने यह भी कहा था कि केंद्र और एएसआई भोजशाला परिसर के प्रशासन और प्रबंधन के बारे में फैसला ले सकते हैं।

पवन खेड़ा ने भाजपा पर मंदिरों को 'वसूली केंद्रों' में तब्दील करने का आरोप लगाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

> भक्तों के चढ़ावे की कथित चोरी के मामले में वे अब 'रंगे हाथों पकड़े' गये हैं। कांग्रेस नेता ने कहा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी चुप हैं। आरएसएस चुप है। अमित शाह नदारद हैं। दिन-दहाड़े हुई इस लूट की ज़िम्मेदारी कौन लेगा?

तिरुवनंतपुरम। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पवन खेड़ा ने सोमवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) पर मंदिरों को संघ के लिए 'वसूली केंद्र' बनाने का आरोप लगाया। अयोध्या राम मंदिर में श्रद्धालुओं के चढ़ावे की कथित चोरी का उल्लेख करते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि यह आस्था के नाम पर बने 'चोरी के कारोबारी मॉडल' को दर्शाता है। खेड़ा ने यहां कांग्रेस की केरल इकाई के मुख्यालय में प्रेसवार्ता में कहा कि कांग्रेस उन लाखों श्रद्धालुओं की ओर से यह मुद्दा उठा रही है, जिन्होंने राम मंदिर के निर्माण और देवता को चढ़ावे के तौर पर अपनी मेहनत की कमाई, गहने और कीमती सामान दान दिए थे। इस कथित चोरी को 'दिन-दहाड़े डकैती' बताते हुए उन्होंने कहा कि यह सिर्फ भक्तों के चढ़ावे की चोरी नहीं, बल्कि श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट में लोगों की आस्था, भरोसे और विश्वास की 'लूट' भी है। कांग्रेस नेता ने कहा कि शीर्ष अदालत के आदेश पर गठित ट्रस्ट को मंदिर की देखरेख, तीर्थयात्रियों की व्यवस्था और भक्तों के चढ़ावे की सुरक्षा की जिम्मेदारी सौंपी गई थी, लेकिन ट्रस्ट अपनी जिम्मेदारी निभाने में नाकाम रहा और उसने भक्तों की आस्था के साथ विश्वासघात किया। उन्होंने भाजपा और आरएसएस पर राम मंदिर के निर्माण का राजनीतिक श्रेय लेने का आरोप लगाते हुए कहा कि हकीकत यह है कि इसका निर्माण शीर्ष अदालत के फ़ैसले के बाद हुआ।

उन्होंने आरोप लगाया कि भक्तों के चढ़ावे की कथित चोरी के मामले में वे अब 'रंगे हाथों पकड़े' गये हैं। कांग्रेस नेता ने कहा, ''प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी चुप हैं। आरएसएस चुप है। अमित शाह नदारद हैं। दिन-दहाड़े हुई इस लूट की ज़िम्मेदारी कौन लेगा?'' उन्होंने आरोप लगाया, ''कोई व्यक्ति या वरिष्ठ लोगों का समूह है जिसे बचाया जा रहा है। हमें नहीं पता कि यह सुरक्षा दिल्ली से मिल रही है या नागपुर से।'' खेड़ा ने कहा कि भाजपा और आरएसएस को हिंदुओं की आस्था के साथ 'धोखा' देने का कोई अधिकार नहीं है। उन्होंने बदरीनाथ के मंदिरों और मध्यप्रदेश के बगलामुखी मंदिर से जुड़ी कथित अनियमितताओं की खबरों का ज़िक्र किया। उन्होंने आरोप लगाया कि अवसंरचना क्षेत्र की बड़ी कंपनी एलएंडटी के अयोध्या राम मंदिर को लगभग मुफ़्त में बनाने और एक पत्थर आपूर्तिकर्ता के बहुत कम कीमत पर पत्थर देने की पेशकश के बावजूद, ट्रस्ट ने इस प्रोजेक्ट पर लगभग 2,100 करोड़ रुपये खर्च किए और 500 रुपये प्रति वर्ग फुट की दर से पत्थर खरीदे। खेड़ा ने ट्रस्ट द्वारा 86 करोड़ रुपये में आसपास की ज़मीन खरीदने पर सवाल उठाए। उन्होंने आरोप लगाया कि बताया तो यह जा रहा है कि इस ज़मीन का इस्तेमाल मवेशियों का चारा उगाने के लिए किया जा रहा है, जबकि मंदिर से कोई गौशाला जुड़ी नहीं है।

मोदी सरकार और प्रधान ने जवाबदेही से मुंह मोड़ा, अब शिक्षा में क्रांति का समयः राहुल

नयी दिल्ली।कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने सोमवार को शिक्षा व्यवस्था को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधा और आरोप लगाया कि मोदी सरकार और शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने जवाबदेही से मुंह मोड़ लिया है।

उन्होंने 17 जुलाई को देहरादून में आयोजित होने वाले 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम से पहले यह भी कहा कि शिक्ष में क्रांति का वक्त आ गया है। राहुल गांधी पेपर लीक और परीक्षाओं में कथित धांधलियों के विषय पर 'छात्रों की गूंज' अभियान चला रहे हैं। इसके तहत पिछला कार्यक्रम राजस्थान के कोटा में आयोजित किया गया था।

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में दावा किया कि देश के छात्र आज भारत की शिक्षा व्यवस्था के लिए ''भ्रष्ट, अन्यायी, पक्षपाती और बेईमान'' जैसे शब्दों का इस्तेमाल कर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि शिक्षा व्यवस्था अब बेईमान वसूली तंत्र बन चुकी है और जो व्यवस्था बच्चों का भविष्य संवारने के लिए बनाई गई थी, वही उन्हें तथा उनके परिवारों को कर्ज, तनाव और निराशा की ओर धकेल रही है।

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

गड्ढे में शहर

घायल है जनता सारी ही,
किसको कोसे किस पर भड़कें।
बहरे से हैं जनप्रतिनिधि भी,
केवल चुनाव में ही कड़कें।
चालान बड़ा लेने को बस,
ट्रेफिक वालों के मन फड़कें।
चालक क्या देखे गड्ढों को,
है गड्ढों में सारी सड़कें।।

बैंकाक के पब में भीषण आग से 27 लोगों की मौत; 63 घायल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बैंकाक। थाईलैंड की राजधानी बैंकाक में एक पब में रविवार देर रात भीषण आग लगने से कम से कम 27 लोगों की मौत हो गई और 63 अन्य घायल हो गए। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। शहर प्रशासन के अनुसार, उत्तरी बैंकाक स्थित 'ना लाडप्राओ' बीयर हॉल में रविवार को मध्यरात्रि से पहले आग लग गई। दमकलकर्मियों ने लगभग आधे घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। सोशल मीडिया पर सामने आए वीडियो में पब से आग की ऊंची लपटें और घना काला धुआं निकलता दिखाई दे रहा है। लोग जान बचाने के लिए बाहर भागते नजर आए।

बैंकाक के गवर्नर चाडचार्ट सिट्टिपुंत ने कहा कि आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है। जांचकर्ता छत में इस्तेमाल सामग्री के साथ साथ यह भी जांचेंगे कि कहीं आपातकालीन निकास मार्ग अवरुद्ध तो नहीं थे, जिससे लोगों को बाहर निकलने में कठिनाई हुई हो। सोमवार सुबह घटनास्थल को घेर लिया गया और फोरेंसिक विशेषज्ञ आग लगने के कारणों का पता लगाने के लिए जले हुए मलबे की जांच में जुट गए। प्रधानमंत्री अनुतिन चर्नविराकुल ने घटनास्थल पर संवाददाताओं से कहा कि हादसे में 27

लोगों की मौत हुई है। उन्होंने बताया कि पब में प्रस्तुति दे रहे एक संगीतकार ने उन्हें बताया कि मंच के पास लगे एक सर्किट ब्रेकर से धुआं निकलता दिखाई दिया। इसके बाद बिजली चली गई, विस्फोट जैसी आवाज सुनाई दी और देखते ही देखते पूरा परिसर घने धुएं से भर गया।

अनुतिन ने बताया कि मृतकों में से कई लोगों के शव पब के पिछले हिस्से में मिले। गवर्नर ने बताया कि 63 घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जिनमें 22 की हालत गंभीर है। उन्होंने कहा कि मृतकों और घायलों की पहचान की जा रही है और कई लोगों के पास पहचान पत्र नहीं हैं या वह बेहोश हैं।

आग से पब के सामने की ओर लगी खिड़कियों के शीशे टूट गए और सड़क पर जले हुए टेलीविजन, स्पीकर तथा इलेक्ट्रिक गिटार सहित अन्य सामान बिखरा मिला। अंदर मेज-कुर्सियां बुरी तरह जल गईं। सोमवार सुबह कुछ बौद्ध भिक्षु मृतकों की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करने घटनास्थल पर पहुंचे। स्वास्थ्यकर्मियों ने आसपास मौजूद लोगों को धुएं और जहरीले अवशेषों से बचाव के लिए मास्क वितरित किए। प्रशासन ने लापता लोगों के बारे में जानकारी जुटाने और परिजनों की सहायता के लिए घटनास्थल पर एक पंजीकरण केंद्र भी स्थापित किया है। गायिका सुकन्या वोंगवोंगवाई ने बताया कि वह पास में प्रस्तुति दे रही थीं। आग लगने की सूचना मिलने पर वह घटनास्थल पर पहुंचीं क्योंकि उनके बैंड के कई सदस्य उस पब में प्रस्तुति दे रहे थे। उन्होंने बताया कि उनके एक साथी की मौत हो गई, तीन अस्पताल में भर्ती हैं, जबकि एक अन्य का अब तक पता नहीं चल सका है।

‘मातृछाया’ की दो दिवसीय शॉपिंग प्रदर्शनी पहचान’ 14 अगस्त स

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर का जैन महिला संगठन मातृछाया’ द्वारा आयोजित 2 दिवसीय पहचान-सीजन-7 शॉपिंग प्रदर्शनी का आयोजन 14 अगस्त से होटल त्रिशला रेजीडेंसी में किया जाएगा। यह प्रदर्शनी पूर्णतः निःशुल्क स्टॉल व्यवस्था के साथ आयोजित की जा रही है, जिसका उद्देश्य छोटे उद्यमियों, गृह उद्योगों एवं महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाना है। संयोजिका नीलम ललवानी ने बताया कि पहचान’ केवल एक प्रदर्शनी नहीं, बल्कि हजारों सपनों को उड़ान देने का एक सशक्त अभियान है।

मार्गदर्शिका त्रिशला कोठारी ने बताया कि इस प्रदर्शनी का उद्घाटन प्रायोजकों व अतिथियों द्वारा किया जाएगा। 15 अगस्त को सामूहिक रूप से स्वतंत्रता दिवस मनाया जाएगा। अध्यक्षा ललिता नागोरी व सचिव रेशमा बड़ोला ने बताया कि इस वर्ष संपूर्ण प्रदर्शनी में सामग्री का मूल्य पहले ही किफायती व तय किए गए हैं ताकि खरीददारों एवं प्रदर्शकों दोनों की पारदर्शिता बनी रहे।

सह-संयोजिका पुष्पा बाफना ने बताया कि इस प्रदर्शनी में वस्त्र, आभूषण, गृह सज्जा, उपहार सामग्री, फूड स्टॉल सहित अनेक आकर्षक स्टॉल लगाए जा रहे हैं। सह-संयोजिका मोनिका पारलेचा ने बताया कि आयोजन को लेकर समाज में जबरदस्त उत्साह है। आगामी आयोजन की तैयारियों को अंतिम रूप देने के लिए रविवार को आयोजित विशेष बैठक में लगभग 40 महिलाओं ने भाग लिया। कमलाबाई भवरँलाल श्रीश्रीमाल परिवार, महावीरचंद अगरचंद दांतेवाड़िया परिवार सहित अनेक परिवार इस प्रदर्शनी के लाभार्थी बने हैं।

एनसीसी को मजबूत करने के लिए राज्यों की अधिक भागीदारी का उपराष्ट्रपति का आह्वान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नयी दिल्ली। उपराष्ट्रपति सी. पी. राधाकृष्णन ने राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) को मजबूत करने और सैनिक स्कूलों के विस्तार के लिए राज्यों की अधिक भागीदारी का सोमवार को आह्वान किया।

रक्षा मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) और सैनिक स्कूलों के बारे में उन्हें यहां जानकारी दी। राष्ट्र निर्माण में एनसीसी के योगदान की सराहना करते हुए उपराष्ट्रपति ने ‘एक भारत श्रेष्ठ भारत’ शिविरों को राष्ट्रीय एकता को मजबूत करने की दिशा में एक उत्कृष्ट पहल बताया।

उन्होंने नशा मुक्त भारत अभियान और स्वच्छ भारत अभियान सहित एनसीसी की सामुदायिक सेवा पहल की भी सराहना की और एनसीसी पूर्व छात्र संघ की स्थापना का स्वागत किया। एनसीसी को मजबूत करने को साझा राष्ट्रीय जिम्मेदारी बताते हुए राधाकृष्णन ने बुनियादी ढांचे के अधिक विकास, भूमि और प्रशिक्षण सुविधाओं जैसे मुद्दों पर राज्य सरकारों के साथ बेहतर समन्वय की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने राज्यों के साथ समन्वय में हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया। राधाकृष्णन को सैनिक स्कूलों के संचालन और विस्तार के बारे में भी जानकारी दी गई, जिसमें मौजूदा मॉडल और सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) मॉडल के तहत स्थापित सैनिक स्कूल शामिल हैं। छात्रों और अभिभावकों में बढ़ती मांग को देखते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि प्रत्येक राज्य में तीन से पांच सैनिक स्कूल स्थापित करने का लक्ष्य रखा जा सकता है। उन्होंने मौजूदा सैनिक स्कूलों की क्षमता बढ़ाने की संभावना तलाशने का भी सुझाव दिया।

न्यायालय ने पार्श्वनाथ डेवलपर्स और उसके निदेशकों के बैंक खातों पर रोक लगायी, जमानती वारंट जारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नयी दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को पार्श्वनाथ डेवलपर्स और उसके निदेशकों के बैंक खातों पर रोक लगा दी और कंपनी के अधिकारियों के खिलाफ जमानती वारंट जारी किए। न्यायालय ने यह कदम वरिष्ठ नागरिकों की ओर से अपने घरों का कब्जा पाने के लिए 20 साल से किए जा रहे संघर्ष पर गौर करते हुए उठाया। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची और न्यायमूर्ति वी. मोहना की पीठ ने नियामकीय प्राधिकारणों के ‘नरम रुख’ पर गहरी चिंता जताई और हरियाणा सरकार के प्रशासनिक तंत्र और बिल्डर के बीच ‘मिलीभगत’ का संकेत दिया।

यह मामला रीता टिक्कू (जो कैंसर से उबरी हैं) और लोकेश टिक्कू की याचिका से जुड़ा है। उन्होंने गुरुग्राम के सेक्टर 53 में ‘पार्श्वनाथ एक्सोटिका’ परियोजना में अपने जीवन भर की बचत लगाई थी। याचिकाकर्ताओं को वर्ष 2006 में आवासीय इकाइयां (फ्लैट) आवंटित किए गए थे और 2007 की शुरुआत में फ्लैट खरीदार समझौते पर हस्ताक्षर किए गए थे। लगभग 1.78 करोड़ रुपये की पूरी कीमत चुकाने के बावजूद कब्जा कभी नहीं मिला, जबकि असल में 2013 में ही कब्जा मिल जाना था। दो दशक बाद भी परियोजना अधूरी पड़ी है। याचिकाकर्ताओं ने पहले 2021 में ‘हरियाणा रियल एस्टेट विनियामक प्राधिकरण’ से अपने पक्ष में आदेश हासिल किए थे, जिनमें मुआवजा देने का निर्देश दिया गया था।

जिनदत्तकुशल मंडल के अध्यक्ष बने ललित डाकलिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के सबसे प्राचीन मंडलों में से एक श्री जिनदत्तकुशलसूरी जैन सेवा एवं संगीत मंडल बसवनगुड़ी के आगामी कार्यकाल हेतु ललित डाकलिया को अध्यक्ष पद हेतु नियुक्त किया गया। मंडल की वार्षिक साधारण सभा में सर्वसम्मति से अध्यक्ष का चयन किया गया। निवर्तमान अध्यक्ष अरविन्द कोठारी ने सभी सदस्यों का स्वागत किय। महामंत्री ललित डाकलिया ने पिछले कार्यकाल में हुए कार्यक्रमों के बारे में जानकारी दी। कोषाध्यक्ष पृथ्वीराज श्रीश्रीमाल ने आय व्यय का ब्यौरा प्रस्तुत किया। सभा के दौरान बहादुर कांकरिया, धर्मेंद्र संकलेचा आदि सदस्यों ने अपने अनुभवों को साझा किए। नए अध्यक्ष के चयन हेतु महावीर पारख ने ललित डाकलिया का नाम प्रस्तावित किया और सनी रांका, त्रिलोकचंद गोलिया, विकास बच्छावत के साथ समस्त सदस्यों ने अपनी सहमति प्रदान की। सभी उपस्थित सदस्यों द्वारा अरविन्द कोठारी को मंडल का संरक्षक बनाया गया।

सभा के पश्चात नवनिर्वाचित अध्यक्ष और समस्त सदस्यों ने आराधना भवन में विराजित मलयप्रभ सागर जी का आशीर्वाद प्राप्त किया।

महिला के बेडरूम में पुलिस का जबरन घुसना निजता का उल्लंघन : अदालत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई। बंबई उच्च न्यायालय की नागपुर पीठ ने कहा कि पुलिस का उचित कानूनी प्रक्रिया का पालन किए बिना एक महिला के बेडरूम में जबरन घुसना और उसका मोबाइल फोन जब्त करना पीड़िता की निजता और गरिमा का उल्लंघन था।

पीठ ने महाराष्ट्र सरकार को नागपुर की रहने वाली पीड़िता को 10,000 रुपये का हर्जाना देने का आदेश दिया। न्यायमूर्ति उर्मिला जोशी फाल्के और न्यायमूर्ति निवेदिता मेहता की पीठ ने पिछले हफ्ते सुनाए गए फैसले में कहा कि निजता का अधिकार भारतीय संविधान के अनुच्छेद-21 के तहत गारंटीकृत जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता के अधिकार का एक अभिन्न एवं अटूट हिस्सा है, जिसका उल्लंघन नहीं किया जा सकता। फैसले की प्रति सोमवार को उपलब्ध कराई गई। पीठ ने राज्य सरकार को निर्देश दिया कि वह 26 वर्षीय याचिकाकर्ता को दो महीने के भीतर 10,000 रुपये का भुगतान करे। उसने स्पष्ट किया कि सरकार हर्जाने की राशि सीधे उस पुलिस अधिकारी से वसूल सकती है, जो महिला की निजता के उल्लंघन के लिए जिम्मेदार है।

थाझामोन मुद्दे पर भाजपा नेतृत्व से कोई मतभेद नहीं: के. एस. राधाकृष्णन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोच्चि। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता के.एस. राधाकृष्णन ने सोमवार को कहा कि शबरिमला मंदिर के ‘तंत्री’ (मुख्य पुजारी) पद पर थाझामोन परिवार के वंशानुगत अधिकार को खत्म करने की उनकी मांग को लेकर उनके और पार्टी के राज्य नेतृत्व के बीच कोई मतभेद नहीं है। उन्होंने कहा कि पार्टी का रुख मंदिर की परंपराओं की गरिमा की रक्षा करना है। अपनी टिप्पणियों को लेकर राज्य नेतृत्व के साथ उनके मतभेद पैदा होने के संबंध में मीडिया के सवालों का जवाब देते हुए राधाकृष्णन ने कहा कि सभी मंदिरों की धार्मिक पवित्रता और रीति-रिवाजों की रक्षा के मामले में भाजपा की नीति स्पष्ट और एक जैसी रही है।

उन्होंने कहा, ‘‘भाजपा का रुख किसी एक मंदिर तक सीमित नहीं है। पार्टी की नीति सभी मंदिरों में परंपराओं की गरिमा की रक्षा करना है। चूंकि मंदिर से जुड़े मामलों पर भाजपा की नीति मजबूत और स्पष्ट है इसलिए पार्टी के भीतर ऐसे मुद्दों पर बार-बार चर्चा करने की कोई जरूरत नहीं है।’’ शबरिमला में सोना गायब होने के मामले में जमानत पर रिहा शबरिमला के तंत्री कंडाररु राजीवरु से भाजपा नेताओं की मुलाकात के बारे में पूछे जाने पर राधाकृष्णन ने कहा कि ऐसी मुलाक़ातें निजी रिश्तों की वजह से होती हैं। उन्होंने कहा, ‘‘निजी रिश्ते हो सकते हैं। कोई भी व्यक्ति उस आधार पर किसी से भी मिल सकता है।’’

वंशानुगत परंपरा को खत्म करने की अपनी मांग को दोहराते हुए राधाकृष्णन ने आरोप लगाया कि मौजूदा तंत्री, कंडाररु राजीवरु, शबरिमला में सोना गायब होने की घटना से जुड़े दो मामलों में आरोपी थे। उन्होंने कहा कि तंत्री का पद स्वत: पिता से बेटे को नहीं मिलना चाहिए और सिर्फ योग्य और सक्षम लोगों को ही इस पद पर नियुक्त किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि ऐसे फैसले लेने का अधिकार त्रावणकोर देवस्वओम बोर्ड (टीडीबी) के पास है।

नाबालिग पोती से कार चलवाने का वीडियो वायरल, हैदराबाद के उपनिरीक्षक के खिलाफ मामला दर्ज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

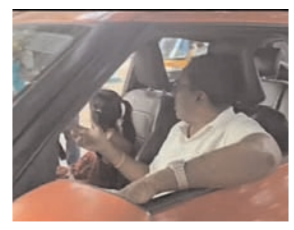

हैदराबाद। हैदराबाद पुलिस के एक उपनिरीक्षक के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हुआ है जिसमें वह कथित तौर पर अपनी नाबालिग पोती से कार चलवाते दिखाई दे रहे हैं। प्रसारित वीडियो में उपनिरीक्षक कार की अगली सीट पर बैठे दिखाई देते हैं, जबकि नाबालिग लड़की वाहन चला रही है। जब स्थानीय लोगों ने सुरक्षा जोखिम और क्षेत्रीय परिवहन प्राधिकरण के नियमों का हवाला देते हुए पुलिस अधिकारी से सवाल किया तो नाबालिग लड़की भीड़ से कहती सुनाई देती है, ‘‘मेरे दादाजी (पुलिस) सब इंस्पेक्टर हैं।’’ इसके बाद पुलिस अधिकारी स्थिति को उचित ठहराने का प्रयास करते हुए कहते हैं कि वाहन स्वचालित है और पूरी तरह उनके नियंत्रण में है।

प्रत्यक्षदर्शियों द्वारा सवाल उठाए जाने के बाद वीडियो में पुलिस अधिकारी स्वयं चालक की सीट पर बैठकर वाहन चलाते हुए दिखाई देते हैं। वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि यह घटना हाल ही में नरसिंगी थाना क्षेत्र में हुई थी और इस मामले में उपनिरीक्षक के खिलाफ मामला दर्ज कर वाहन जब्त कर लिया गया है। घटना को गंभीरता से लेते हुए तेलंगाना के पुलिस महानिदेशक सी वी आनंद ने ‘एक्स’ पर एक पोस्ट में कहा कि उन्होंने पुलिस आयुक्त को संबंधित पुलिस अधिकारी को निलंबित करने और उसके आचरण की विभागीय जांच शुरू करने के निर्देश दिए हैं। साइबराबाद यातायात पुलिस ने भी एक अलग पोस्ट में बताया कि पुजारी तिरुपति के खिलाफ नाबालिग को वाहन चलाने की अनुमति देने के आरोप में भारतीय न्याय संहिता की धारा 125 तथा मोटर वाहन अधिनियम की धारा 184 और 180 के तहत मामला दर्ज किया गया है।

दिल्ली हवाईअड्डे पर 6.37 किग्रा हाइड्रोपोनिक गांजा बरामद, तीन यात्री गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नयी दिल्ली। दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे पर सीमा शुल्क अधिकारियों ने तस्करी के अलग-अलग मामलों में हाइड्रोपोनिक गांजा बरामद करके तीन यात्रियों को गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी देते हुए बताया कि विमान के शौचालयों, सीटों के नीचे और सामान में छिपाकर रखा गया 6.37 किलोग्राम संदिग्ध हाइड्रोपोनिक गांजा बरामद किया गया। हाइड्रोपोनिक गांजा भांग की एक उच्च क्षमता वाली किस्म है, जिसे मिट्टी के बजाय पोषक तत्वों से भरपूर पानी में उगाया जाता है।

अधिकारियों के अनुसार, बैंकॉक और फुकेत से आने वाले यात्रियों से जुड़े इन तीनों मामलों में कुल 6.37 किलोग्राम संदिग्ध मादक पदार्थ बरामद किया गया। पहले मामले में सोमवार को बैंकॉक से आए एक भारतीय यात्री को अग्रिम यात्री सूचना प्रणाली (एपीआईएस) प्रोफाइलिंग के आधार पर ग्रीन चैनल पार करने के बाद रोका गया। एक बयान के अनुसार, यात्री के सामान में कुछ संदिग्ध नहीं मिला, लेकिन सीमा शुल्क अधिकारियों ने विमान की तलाशी ली और पिछले हिस्से के दोनों शौचालयों में छिपाकर रखे गए हाइड्रोपोनिक गांजे के चार सीलबंद पैकेट बरामद किए, जिनका वजन 3.47 किलोग्राम था। बयान में कहा गया कि पूछताछ के दौरान यात्री ने शौचालयों में पैकेट छिपाने की बात स्वीकार की।

कल्याण में चिकित्सक से मारपीट

शिवसेना पार्षद हात्रे, उनके तीन सहयोगी न्यायिक हिरासत में भेजे गए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

ठाणे। महाराष्ट्र के ठाणे जिले की एक अदालत ने सोमवार को शिवसेना के पार्षद रमेश म्हात्रे और उनके तीन सहयोगियों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया।

कुछ दिन पहले, कल्याण महानगरपालिका द्वारा संचालित अस्पताल में चिकित्सकों और चिकित्साकर्मियों पर कथित रूप से हमला करने के आरोप में उन्हें गिरफ्तार किया गया था। अदालत परिसर में भारी भीड़ होने के कारण कल्याण के स्थानीय मजिस्ट्रेट ने वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से सुनवाई की। आरोपियों के वकील ने तुरंत जमानत याचिका दायर की, जिस पर अदालत अगली तारीख पर सुनवाई करेगी। म्हात्रे और उनके सहयोगियों को 6 जुलाई की रात डोंबिवली स्थित एक अस्पताल में चिकित्सकों और नर्सों के साथ कथित तौर पर मारपीट करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। कल्याण महानगरपालिका द्वारा संचालित अस्पताल में सोमवार शाम हुई घटना का वीडियो वायरल होने के बाद लोगों के बीच आक्रोश फैल गया। आरोप है कि एक परिवार को नवजात शिशु को किसी अन्य अस्पताल में ले जाने की सलाह दिए जाने के बाद म्हात्रे और उनके सहयोगियों ने दो चिकित्सकों तथा अन्य चिकित्साकर्मियों के साथ मारपीट की। लोगों के बीच आक्रोश फैलने और इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) के दबाव के बाद, मंगलवार रात म्हात्रे और पांच अन्य लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया। इस बीच, कल्याण अदालत बार एसोसिएशन के सदस्यों ने सोमवार को स्थानीय पुलिस के विरोध में काली पट्टी बांधकर प्रदर्शन किया।

‘असमय रथ यात्रा’ मुद्दे पर इस्कॉन लोगों को गुमराह कर रहा : पुरी के गजपति महाराजा

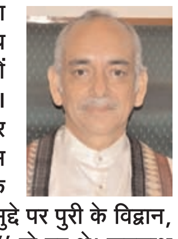

पुरी (ओडिशा)/भाषा। पुरी के गजपति महाराजा दिब्यसिंह देब ने इस्कॉन पर विदेशों में ‘असमय’ रथ यात्राओं के आयोजन को लेकर बयान जारी कर लोगों को ‘‘गुमराह करने के प्रयास’’ का आरोप लगाया। देब ने इस्कॉन की ओर से जारी एक प्रेस विज्ञप्ति पर प्रतिक्रिया देते हुए रविवार को यह आरोप लगाया। इस विज्ञप्ति में कथित तौर पर दावा किया गया था कि भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा आयोजित करने के मुद्दे पर पुरी के विद्वान, इस्कॉन के विद्वानों के साथ हुई बहस में ‘‘पराजित’’ हो गए थे। जगन्नाथ मंदिर प्रशासन का कहना है कि रथ यात्रा हिंदू पंचांग के अनुसार ’आषाढ़ शुक्ल द्वितीया तिथि’ से शुरू होने वाली नौ दिवसीय अवधि में ही आयोजित की जानी चाहिए। वहीं, इस्कॉन का कहना है कि वह पूरे वर्ष विभिन्न स्थानों पर रथ यात्रा आयोजित करना चाहता है और इस मुद्दे पर श्री जगन्नाथ मंदिर प्रशासन (एसजेटीए) के साथ चर्चा ‘‘हमेशा के लिए समाप्त’’ हो चुकी है। गजपति महाराजा ने कहा, ‘‘मुंबई के जुहू स्थित इस्कॉन शाखा की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति में पूरी तरह गलत और अप्रासंगिक जानकारी दी गई है। पुरी के विद्वानों और इस्कॉन के विद्वानों के बीच पुरी के श्री नाहर (महल) में चर्चा और बहस हुई थी। लेकिन अब इस्कॉन पूरी तरह मनगढ़ंत कहानी फैला रहा है कि पुरी के विद्वान बहस हार गए।’’

आमिर खान की तीसरी शादी को लेकर शिरसाट का तंज, कहा-

‘बन सकते हैं लव जिहाद के ब्रांड एंबेसडर’

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

छत्रपति संभाजीनगर। शिवसेना नेता संजय शिरसाट ने तीसरी शादी को लेकर आमिर खान पर निशाना साधते हुए सोमवार को कहा कि बॉलीवुड अभिनेता ‘‘लव जिहाद’’ के ब्रांड एंबेसडर हो सकते हैं।

शिरसाट महाराष्ट्र के दूसरे मंत्री हैं, जिन्होंने तीसरी शादी के मुद्दे पर आमिर खान पर निशाना साधा है। उनसे पहले भाजपा के उनके सहयोगी नितेश राणे ने बॉलीवुड अभिनेता की आलोचना की थी।

शिरसाट ने यह भी कहा कि भले ही खान एक बड़े स्टार हों, लेकिन तीन बार शादी करने की वजह से वह लोगों के दिलों पर राज नहीं कर सकते।

उन्होंने भाजपा नेता और राज्य मंत्री नितेश राणे की बात का भी समर्थन किया, जिन्होंने कहा था कि जब मशहूर हस्तियां अपनी निजी ज़िंदगी में ऐसे फ़ैसले लेती हैं, तो हिंदू समाज को इस पर सोचना चाहिए। राणे ने सवाल उठाया था कि क्या खान की हालिया शादी को ‘‘लव जिहाद’’ के उदाहरण के तौर पर देखा जाना चाहिए। शिरसाट ने संवाददाताओं से कहा, ‘‘नितेश राणे कुछ हद तक सही हैं। जब लोग एक कलाकार के तौर पर आपका (आमिर खान) अनुसरण करते हैं, तो उन्हें लगता है कि आप एक बड़े ‘स्टार’ हैं।’’ उन्होंने कहा, ‘‘अगर कोई ‘स्टार’ ऐसा काम करे और एक-दो बार नहीं, बल्कि तीन बार शादी करे, तो लोग उससे क्या सीखेंगे? वह ‘लव जिहाद’ का ब्रांड एंबेसडर तो बन सकता है, लेकिन आम लोगों के दिलों में जगह नहीं बना सकता।’’

खान ने पांच जुलाई को मुंबई के बांद्रा में पाली हिल स्थित अपने घर पर गौरी स्प्राट से एक निजी समारोह में शादी की। अभिनेता ने पहली शादी रीना दत्ता से की थी जो 1986 से 2002 तक चली। इसके बाद उन्होंने दूसरी शादी फिल्मकार किरण राव से की, जो 2005 से 2021 तक चली।

मध्यप्रदेश में मोटर चोरी के शक में दो युवकों को बांधकर पीटा फिर करंट लगाया, दो आरोपी गिरफ्तार

रायसेन (मध्यप्रदेश)/भाषा। मध्यप्रदेश के रायसेन जिले के एक गांव में सिंचाई के लिए इस्तेमाल होने वाले मोटर पंप की कथित चोरी के आरोप में दो युवकों को खंभे से बांधकर पीटने और फिर करंट लगाए जाने का मामला सामने आने के बाद पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। एक अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी। पुलिस के मुताबिक, यह घटना जिला मुख्यालय से छह किलोमीटर दूर करमोदिया गांव में चार जुलाई को हुई, जिसका एक वीडियो अब सोशल मीडिया पर आया है।

राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के सदस्य प्रियंक कानूनगो ने इस वीडियो को ’एक्स’ पर साझा करते हुए रायसेन पुलिस से उचित कार्रवाई करने को कहा जबकि विधानसभा में विपक्ष के नेता उमंग सिंघार ने आरोप लगाया कि मध्यप्रदेश में कानून नहीं बल्कि ’तालिबानी शासन’ चल रहा है।

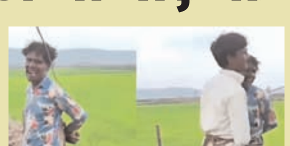

कानूनगो ने वीडियो साझा करते हुए लिखा, चोरी के आरोप में युवकों को करंट लगाने की तालिबानी सज़ा देने का यह वीडियो असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी के नेता मुबिन ख़ान ने अपने सोशल मीडिया पर पोस्ट किया है।

उन्होंने कहा, यह भारत है। यहां शरिया का या तालिबान का क़ानून नहीं चलेगा और इनको यह सबक सीखना पड़ेगा। अनुविभागीय पुलिस अधिकारी (एसडीओपी) प्रतिभा शुक्ला ने बताया कि चार जुलाई को खेतों पर से मोटर चोरी के आरोप में धनराज एवं हेमराज नामक युवकों को किसानों द्वारा रंगेहाथों पकड़ा गया था। उन्होंने बताया कि इसके बाद किसानों ने दोनों चोरों को एक खंभे से बांधकर उनकी पिटाई की और उन्हें करंट भी लगाया। उन्होंने बताया कि घटनास्थल पर मौजूद किसी युवक ने इसका वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर डाल दिया। शुक्ला ने बताया पुलिस ने शनिवार की शाम को आरोपी भंवर सिंह एवं जितेन्द्र सिंह ठाकुर को हिरासत में ले लिया। उन्होंने कहा दोनों के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है।

तमिलनाडु : टीएएसएमएसी शराब दुकान बंद कराने की मांग को लेकर प्रदर्शन, पुलिस से झड़प

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अरियालुर (तमिलनाडु)। तमिलनाडु के अरियालुर जिले में जयंकोंडम के निकट एक गांव में सरकारी स्कूल की वर्दी पहने छात्रों और स्थानीय लोगों ने राज्य सरकार की टीएएसएमएसी शराब दुकान को तत्काल बंद करने की मांग को लेकर प्रदर्शन किया। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी देते हुए बताया कि प्रदर्शनकारियों की पुलिस से झड़प भी हुई।

अधिकारियों के अनुसार, 11 जुलाई को कोडाली गांव में हुए प्रदर्शन के दौरान कुछ प्रदर्शनकारियों ने शराब की दुकान के बाहर लगाए गए बैरिकेड तोड़ दिए और दुकान पर पथराव किया, जिसके बाद स्थिति तनावपूर्ण हो गई।

पुलिस ने बताया कि ग्रामीणों और छात्रों ने अनैक्कराई-जयंकोंडम मार्ग पर तीन घंटे से अधिक समय तक चक्का जाम किया। उनका आरोप था कि रिहायशी इलाके और स्कूल जाने वाले रास्ते के पास शराब की दुकान होने से महिलाओं और बच्चों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

सूचना मिलने पर टी. पलूर पुलिस और टीएएसएमएसी के अधिकारी मौके पर पहुंचे और प्रदर्शनकारियों को शांत कराने का प्रयास किया। अधिकारियों ने दुकान को दो माह में अन्यत्र स्थानांतरित करने की बात कही, लेकिन प्रदर्शनकारी इस पर सहमत नहीं हुए और दुकान की

ओर बढ़ गए। जब पुलिस ने भीड़ को नियंत्रित करने और दुकान खुलवाने की कोशिश की तो प्रदर्शनकारियों और पुलिसकर्मियों के बीच धक्का-मुक्की हुई। बाद में अधिकारियों द्वारा शराब की दुकान को तत्काल बंद करने का ठोस आश्वासन दिए जाने के बाद प्रदर्शनकारी वहां से हट गए।

गौवध रोकने के मद्रास उच्च न्यायालय के आदेश पर उच्चतम न्यायालय की रोक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

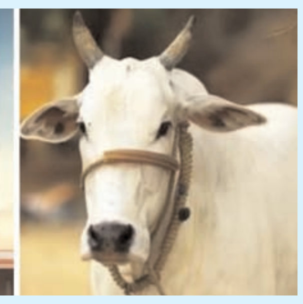

नयी दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को मद्रास उच्च न्यायालय के उस आदेश पर रोक लगा दी जिसमें तमिलनाडु सरकार को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया था कि राज्य में किसी गाय या बछड़े का वध न हो।

न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ ने तमिलनाडु सरकार की ओर से 27 मई के उच्च न्यायालय के आदेश को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई करते हुए यह आदेश दिया। शीर्ष अदालत ने मामले की सुनवाई के लिए सहमति जताते हुए प्रतिवादियों को नोटिस जारी किया।

तमिलनाडु सरकार ने मद्रास उच्च न्यायालय के 27 मई के आदेश को चुनौती दी थी। उच्च न्यायालय ने राज्य प्रशासन को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया था कि बकरीद की पूर्व संध्या 28 मई को या किसी अन्य दिन राज्य में किसी गाय या बछड़े का वध न होने दिया जाए।

उच्च न्यायालय ने अपने आदेश में कहा था, ''हम इस रिट याचिका को स्वीकार करते हैं और तमिलनाडु राज्य को निर्देश देते हैं कि वह सुनिश्चित करे कि बकरीद की पूर्व संध्या या किसी अन्य दिन किसी गाय या बछड़े का वध न हो।'' राज्य सरकार ने अपनी याचिका में कहा था कि उच्च न्यायालय का यह आदेश तमिलनाडु पशु संरक्षण अधिनियम, 1958 के प्रावधानों के विपरीत है। इस अधिनियम के तहत 10 वर्ष से अधिक उम्र वाली ऐसी गायों का वध करने की अनुमति है जो काम करने या प्रजनन के लिए अयोग्य हों। इसके लिए सक्षम प्राधिकारी की ओर से प्रमाण पत्र जारी किया जाना आवश्यक है।

न्यायालय ने धारा 354 के तहत लगे आरोप हटाने के खिलाफ दायर याचिका पर एचडी रेवन्ना से जवाब मांगा

नयी दिल्ली। उच्चतम न्यायालय सोमवार को कर्नाटक सरकार की उस याचिका पर सुनवाई के लिए राजी हो गया जिसमें जनता दल (सेक्युलर) नेता एवं विधायक एचडी रेवन्ना के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 354 के तहत महिला की मर्यादा भंग करने के आरोप को खारिज किये जाने के उच्च न्यायालय के फैसले को चुनौती दी गई है। यह मामला रेवन्ना की पूर्व घरेलू सहायिका ने दर्ज कराया था। न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला और न्यायमूर्ति के. विनोद चंद्रन की पीठ ने एच डी रेवन्ना को नोटिस भी जारी किया और उनके वकील से राज्य सरकार की याचिका के जवाब में हलफनामा दाखिल करने को कहा।

सुनवाई के दौरान पीठ ने कर्नाटक सरकार से भी सवाल किया कि जब उच्च न्यायालय ने भारतीय दंड संहिता की धारा 354 के तहत आरोप निरस्त किए थे, तब सरकार ने उस आदेश को चुनौती क्यों नहीं दी? साथ ही पीठ ने सरकार से कुछ अनुशासन बनाए रखने को भी कहा। पीठ ने इस बात का संज्ञान लिया कि एक घरेलू सहायिका ने एच डी रेवन्ना और प्रज्वल रेवन्ना (पिता-पुत्र की जोड़ी) पर कई तरह के आरोप लगाए हैं। एच डी रेवन्ना पूर्व प्रधानमंत्री एच डी देवेगौड़ा के बेटे और जेल में बंद पूर्व सांसद प्रज्वल रेवन्ना के पिता हैं। एच डी रेवन्ना केंद्रीय मंत्री एच डी कुमारस्वामी के छोटे भाई हैं। एच डी रेवन्ना पर यौन उत्पीड़न के आरोप तब सामने आए, जब उनके बेटे और हासन के पूर्व सांसद प्रज्वल रेवन्ना के खिलाफ बलात्कार और यौन शोषण के कई मामले दर्ज किए गए। एच डी रेवन्ना पर यौन उत्पीड़न का आरोप उस वक्त सामने आया जब उनके बेटे और हासन के पूर्व सांसद प्रज्वल रेवन्ना के खिलाफ दुष्कर्म और यौन शोषण के कई मामले दर्ज किए गए। प्रज्वल मामले में विभिन्न शिकायतकर्ताओं में शामिल एक पीड़िता ने एच डी रेवन्ना पर यौन उत्पीड़न के आरोप लगाए। प्रज्वल को उनके खिलाफ दर्ज चार मामलों में से एक में पहले ही दोषी ठहराया जा चुका है।

तमिलनाडु के कोटागिरी में काली मक्खियों के हमले से लोगों में दहशत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

उधगमंडलम। तमिलनाडु के पहाड़ी नीलगिरि जिले में सुदूर कोटागिरी शहर में काली मक्खियों ने लोगों में दहशत फैला दी है क्योंकि उनसे बीमारी फैलने की आशंका है।

कोटागिरी-मेट्टुपलायम घाट रोड पर - अरावेनु, कोट्टाकोम्बई और कुंजापनाई - में घरों, दीवारों एवं खाने-पीने की जगहों पर अचानक हुए काली मक्खियों के इस हमले ने लोगों को चौंका दिया है तथा वे समझ नहीं पा रहे हैं कि वे इनसे कैसे निपटें।

सूत्रों के मुताबिक, पिछले एक हफ्ते से इन इलाकों में लाखों काली मक्खियों का हमला हो रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि बहुत छोटे आकार की ये काली मक्खियां

घरों, खाने-पीने की चीजों और इमारतों की दीवारों पर नजर आ रही हैं। हालांकि, कोटागिरी में काली मक्खियों के इस प्रकोप को लेकर कोई आधिकारिक परामर्श जारी नहीं किया गया है। एक अधिकारी ने बताया कि इन काली मक्खियों को अक्सर 'बफेलो नैट्स' या 'डिम-डैम फ़्लाइज़' कहा जाता है, वैसे तो ये बीमारियां नहीं फैलाती हैं, लेकिन इनके काटने से दर्द होता है और खुजली एवं सूजन हो जाती है। ये मक्खियां अब आस-पास के इलाकों में बड़ी संख्या में फैल रही हैं।

पंचायत के पूर्व अध्यक्ष सुरेश जक्कनार ने बताया कि काली मक्खियों ने घरों और दुकानों पर धावा बोल दिया है, जिससे सामान्य जीवन मुश्किल हो गया है। उन्होंने कहा, ''हमने इस बारे में पंचायत अधिकारी को जानकारी दे दी है।'' अरावेनु इलाके के मोनीस नामक एक दुकानदार ने बताया कि शाम के समय घरों की दीवारें पूरी तरह से इन मक्खियों से ढंक जाती हैं और इनके शोर की वजह से अजीब स्थिति पैदा हो जाती है। उन्होंने कहा, ''ये खाने-पीने की चीजों पर बैठ रही हैं । यह बड़ा अरूचिकर है। इसी वजह से हालात असामान्य हो गए हैं।'' मक्खियों के बारे में लोगों की शिकायत के बाद, जैकनाराई ग्राम पंचायत के कार्यकारी अधिकारी मूर्ति उथरा के निर्देश पर सोमवार को निकाय कर्मचारियों ने कीटनाशकों का छिड़काव किया।

सूखा प्रभावित किसानों को 50,000 रुपये प्रति एकड़ मुआवजा दे कर्नाटक सरकार : भाजपा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बीदर। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने सोमवार को मांग की कि कर्नाटक सरकार राज्य के उत्तरी हिस्से में कम वर्षा तथा सूखे से प्रभावित किसानों को कम से कम 50,000 रुपये प्रति एकड़ का मुआवजा दे। भाजपा की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष बी. वाई. विजयेंद्र ने यहां संवाददाताओं से कहा कि मानसून में देरी के कारण लाखों हेक्टेयर भूमि पर बुवाई नहीं हो सकी है। उन्होंने कहा कि रायचूर, कलबुर्गी और यादगीर जैसे जिलों में सामान्य से केवल लगभग 12 प्रतिशत वर्षा हुई है, जिसके कारण किसान अरहर, सूरजमुखी और कपास जैसी फसलों की बुवाई नहीं कर सके।

विजयेंद्र ने कहा, ''मैं मुख्यमंत्री से आग्रह करता हूं कि विशेष रूप से उत्तर कर्नाटक और कल्याण कर्नाटक के संकटग्रस्त किसानों को कम से कम 50,000 रुपये प्रति एकड़ का मुआवजा दिया जाए। राज्य सरकार को इस मुद्दे को गंभीरता से लेते हुए किसानों की समस्याओं का समाधान करना चाहिए।'' उन्होंने दावा किया कि 30 लाख हेक्टेयर से अधिक भूमि पर बुवाई नहीं हो सकी है। उन्होंने कहा कि वर्षा की कमी के कारण किसान गंभीर संकट में हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार ने हाल में बसवकल्याण के दौरे के दौरान राहत उपायों की घोषणा करने के बजाय केवल 'फोटो खिंचवाई।'

बसवकल्याण स्थित लिंगायत समुदाय के पवित्र स्थल अनुभवा मंटपा परियोजना का उल्लेख करते हुए विजयेंद्र ने आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार ने क्षेत्र के लोगों की बार-बार की मांग के बावजूद पिछले तीन वर्षों में इस परियोजना की उपेक्षा की है। विजयेंद्र ने मुख्यमंत्री से परियोजना के लिए लंबित धनराशि तत्काल जारी करने और सभी लंबित विकास कार्य पूरे कराने की मांग की। जिला पंचायत और तालुक पंचायत चुनावों से पहले बीदर में भाजपा के भीतर कथित गुटबाजी से जुड़े सवाल पर उन्होंने कहा कि यदि जिला इकाई में कोई मतभेद है तो उसे बातचीत के जरिए सुलझा लिया जाएगा। उन्होंने कहा, ''मैंने आज कोर समिति की बैठक बुलाई है। हम साथ बैठकर चर्चा करेंगे और जो भी मुद्दे होंगे, उनका समाधान करेंगे।''

सरकारी सेवा में बेटियों के 'अवैध चयन' को लेकर कर्नाटक लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष साहूकार निलंबित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने सोमवार को कर्नाटक लोक सेवा आयोग (केपीएससी) के अध्यक्ष शिवशंकरप्पा एस. साहूकार को निलंबित कर दिया। उन पर आरोप है कि उन्होंने अपनी दो बेटियों का औद्योगिक विस्तार अधिकारी के पद पर अवैध तरीके से चयन कराने में मदद की।

गहलोत ने इस मामले की जांच के लिए संविधान के अनुच्छेद 317(1) के तहत इसे उच्चतम न्यायालय को भेजने की सिफारिश भी राष्ट्रपति से की है। राज्यपाल ने यह भी निर्देश दिया कि अगले आदेश तक आयोग के सबसे वरिष्ठ सदस्य केपीएससी के अध्यक्ष के दायित्वों का निर्वहन करेंगे।

उन्होंने कहा कि निष्पक्ष और स्वतंत्र जांच सुनिश्चित करने के लिए साहूकार का निलंबन आवश्यक है।

राज्यपाल के आदेश में कहा गया है, ''माननीय राज्यपाल ने भारत के राष्ट्रपति से संविधान के अनुच्छेद 317(1) के तहत कर्नाटक लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष शिवशंकरप्पा एस. साहूकार के खिलाफ लगाए गए आरोपों की आवश्यक जांच के लिए मामला भारत के उच्चतम न्यायालय को भेजने की सिफारिश की है।''

राज्यपाल सचिवालय ने बताया कि साहूकार के खिलाफ शिकायतें प्राप्त हुई थीं, जिनमें आरोप लगाया गया था कि उन्होंने अपनी दो बेटियों का औद्योगिक विस्तार अधिकारी के पद पर अवैध रूप से चयन कराने में भूमिका निभाई। आदेश में कहा गया कि केपीएससी की भर्ती प्रक्रिया में प्रत्यक्ष रूप से उन पर आश्रित बेटियों के शामिल होने के बावजूद साहूकार ने स्वयं को चयन प्रक्रिया से अलग नहीं किया और न ही हितों के टकराव की औपचारिक घोषणा की।

आदेश में यह भी आरोप लगाया गया है कि उनकी एक बेटी ने परिवार की वार्षिक आय 40 हजार रुपये बताकर आय और जाति प्रमाणपत्र हासिल किया तथा तथ्यों को छिपाते हुए अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) का आरक्षण और 'क्रीमी लेयर' से छूट का लाभ लिया, जबकि उसके पिता केपीएससी के अध्यक्ष थे।

बेंगलूरु में दुल्हन ने की आत्महत्या

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगुलुरु । कर्नाटक की राजधानी बेंगलूरु में एक नवविवाहिता ने अपने ससुराल में आत्महत्या कर ली। पुलिस के मुताबिक, बेंगलूरु में 25 साल की श्वेता नाम की महिला ने कथित तौर पर अपने घर में छत के पंखे से लटककर आत्महत्या कर ली। पुलिस के अनुसार, श्वेता ने हाथ से लिखा एक सुसाइड नोट छोड़ा है, जिसमें उसने अपनी मौत के लिए अपने पति और ननद को जिम्मेदार ठहराया है और उन पर लगातार परेशान करने का आरोप लगाया है।

उसने लिखा कि इस कथित उत्पीड़न की वजह से अब उसे जीने की कोई इच्छा नहीं रही। अपनी मां के नामएक भावुक संदेश में श्वेता ने पर लिखा, अगर मैं मर जाऊं, तो मां, उन्हें बख्शना मत।पुलिस ने बताया कि श्वेता ने करीब चार महीने पहले लव मैरिज की थी और वह एक प्राइवेट स्कूल में टीचर थी।

कामाक्षीपाल्या पुलिस स्टेशन की टीम ने घटनास्थल का दौरा किया, कथित सुसाइड नोट बरामद किया और मामला दर्ज किया। मामले की जांच चल रही है और नोट में लगाए गए आरोपों की पुष्टि की जा रही है। बताया जा रहा है कि शादी के बाद से ही कपल के बीच अक्सर झगड़े होते रहते थे और शुक्रवार, 10 जुलाई को भी उनके बीच बहस हुई थी।

इसके पहले बेंगलूरु के थानिसंद्रा इलाके में 36 वर्षीय एक ऑटो चालक ने जहर खाकर आत्महत्या कर ली थी। बताया जा रहा है कि वह कर्ज को चुकाने के लिए साहूकार द्वारा लिए जा रहे अधिक ब्याज से परेशान था। मृतक की पहचान यूसुफ के रूप में हुई है। परिवार की शिकायत के अनुसार, यूसुफ ने उमेश नाम के एक साहूकार से 1.75 लाख रुपए उधार लिए थे।

आरोप है कि उमेश 30 प्रतिशत मासिक ब्याज वसूल रहा था और कर्ज की रकम व ब्याज चुकाने के लिए यूसुफ पर लगातार दबाव बना रहा था। आरोप है कि उमेश ने यूसुफ को धमकाया और उसके परिवार की महिलाओं के बारे में अपमानजनक बातें कहीं। परिवार का आरोप है कि लगातार हो रही प्रताड़ना, बेइज्जत और धमकियों को बर्दाश्त न कर पाने की वजह से यूसुफ ने यह कठोर कदम उठाया।

कर्नाटक सरकार ने राज्य संचालित मंदिरों में चढ़ावे की सुरक्षा, पारदर्शिता के लिए एसओपी जारी किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक सरकार ने राज्य की ओर से संचालित मंदिरों में चढ़ावे की सुरक्षा, पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए एक मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) जारी की है, जिसमें परिसर में सीसीटीवी या वेब कैमरे लगाना अनिवार्य किया गया है और दान के लिए क्यूआर कोड आधारित डिजिटल भुगतान प्रणाली अपनाने पर जोर दिया गया है।

यह एसओपी ऐसे समय में जारी किया गया है, जब अयोध्या स्थित राम मंदिर में चढ़ावा चोरी का कथित मामला सामने आने के बाद मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने पिछले हफ्ते अधिकारियों को राज्यभर में हिंदू धार्मिक संस्थान और धर्मार्थ बंदोबस्ती (मुजराई) विभाग से जुड़े सभी बड़े मंदिरों में सीसीटीवी कैमरे लगाने का निर्देश दिया। सरकार की ओर से जारी एक अधिसूचना के मुताबिक, अधिकारियों के संज्ञान में आया है कि देश के अलग-अलग राज्यों में मंदिरों के दान-पात्रों से चोरी की कई घटनाएं सामने आई हैं और मीडिया में इनकी काफी चर्चा है।

अधिसूचना में कहा गया है, राज्य में धार्मिक बंदोबस्ती विभाग के अधिकार क्षेत्र में आने वाले मंदिरों में हुंडी (दान-पात्र) से चढ़ाए गए पैसों और कीमती सामान की गिनती और हिसाब-किताब रखने के दौरान उनके गलत इस्तेमाल और चोरी के मामले भी सामने आए हैं। इसमें कहा गया है कि ऐसे में संबंधित

अधिकारियों को निर्देश दिया गया है कि वे राज्य भर के मंदिरों की चल संपत्तियों की सुरक्षा के लिए एहतियाती उपाय लागू करें। अधिसूचना के अनुसार, मंदिरों में चढ़ावे की सुरक्षा, पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए उन्हें सहेजने के वास्ते परिसर के भीतर उपयुक्त जगहों की पहचान करना, लोगों को आसानी से दिखाई देने वाली जगहों पर हुंडी लगाना और उन्हें (हुंडी को) पर्याप्त सुरक्षा मुहैया कराना शामिल है। अधिसूचना में कहा गया है कि हुंडी की चारों तरफ से झलक दिखाने वाले सीसीटीवी/वेब कैमरे लगाना अनिवार्य है।

इसमें कहा गया है कि कैमरे में रिकॉर्ड किए गए फुटेज को सर्वर पर सुरक्षित रूप से सहेजा जाएगा और मुजराई विभाग की ओर से उपायुक्त और उपमंडल अधिकारियों के कार्यालयों में सीसीटीवी फुटेज की लगातार निगरानी की जाएगी। अधिसूचना में कहा गया है कि चूंकि मंदिरों में पहले से लगे सीसीटीवी कैमरे और डीवीआर चोरी, निष्क्रिय या खराब किए जा रहे हैं और कपूर जलाकर कैमरे के लेंस पर कार्बन जमाकर और दृश्यता बाधित करके चोरी की घटनाओं को अंजाम दिया जा रहा है, इसलिए परिसर में सीसीटीवी वेब कैमरे लगाए जाने चाहिए।

इसमें कहा गया है कि धार्मिक बंदोबस्ती विभाग के मुख्यालय में एक केंद्रीय सर्वर स्थापित किया जाना चाहिए, जिसमें फुटेज को केंद्रीय स्तर पर सहेजा जाएगा और उस पर लगातार नजर रखी जाएगी। अधिसूचना के मुताबिक, मंदिर परिसर में चोरी की घटनाओं पर लगाम लगाने के लिए चढ़ावे के वास्ते क्यूआर कोड आधारित डिजिटल भुगतान प्रणाली को बढ़ावा दिया जाएगा। इसमें कहा गया है कि क्यूआर कोड डिस्प्ले में संबंधित बैंक की आईएफएससी कोड सहित अन्य सभी जरूरी जानकारियां भी प्रदर्शित की जाएंगी।

मैं जल्द ही दिल्ली जाऊंगा: मंत्रिमंडल विस्तार पर मुख्यमंत्री शिवकुमार ने कहा

बेंगलूरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने सोमवार को कहा कि कांग्रेस आलाकमान से समय मिलने के बाद वह दिल्ली जाएंगे। साथ ही, उन्होंने संकेत दिया कि मंत्रिमंडल विस्तार को लेकर उनकी तरफ से कोई देरी नहीं हो रही है। शिवकुमार ने कहा कि विधानसभा का सत्र बुलाना उनकी प्राथमिकता है और पार्टी नेतृत्व से तारीख मिलने के बाद वह राष्ट्रीय राजधानी का दौरा करेंगे। बेंगलूरु में पत्रकारों से बात करते हुए शिवकुमार ने कहा, देखिए, मैं छह तारीख (6 अगस्त) को विधानसभा का सत्र आहूत कर रहा हूं, जो मेरी प्राथमिकता है।

उन्होंने कहा, मेरी तरफ से (मंत्रिमंडल विस्तार में) कोई देरी नहीं है। जब भी वे (पार्टी आलाकमान) मुझे समय देंगे, मैं चला जाऊंगा। वे मुझे अगले तीन या चार दिनों में कोई तारीख बता देंगे। जैसे ही वे तारीख बताएंगे, मैं जाकर वापस आ जाऊंगा।

राज्य में अभी मुख्यमंत्री समेत 14 मंत्री हैं, जबकि कर्नाटक में मंत्रियों की तय संख्या 34 है। फिलहाल, 20 पद खाली हैं। कांग्रेस सूत्रों के मुताबिक, मंत्री पद पाने के लिए जोर-शोर से लामबंदी चल रही है, खासकर वरिष्ठ विधायकों की ओर से। कावेरी जल विवाद से जुड़े सवालों का जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि मांड्या के विधायकों ने पानी छोड़े जाने की मांग को लेकर उनसे मुलाकात की थी और राज्य सरकार 15 जुलाई को होने वाली बैठक के बाद इस पर कोई फैसला लेगी।

उन्होंने कहा, हां, मांड्या के विधायक, श्रीरंगपट्टनम के विधायक और जिले के मंत्री मुझसे मिले। 15 तारीख को एक बैठक है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार मांड्या जिले के किसानों के हितों की रक्षा करेगी और पीने के पानी की उपलब्धता सुनिश्चित करेगी। उन्होंने कहा, हमें तमिलनाडु से जुड़े निर्देशों का भी पालन करना है। इसी के अनुसार, हम 15 तारीख को होने वाली बैठक में कर्नाटक का पक्ष रखेंगे और 15 तारीख की शाम तक कोई फैसला लेंगे। कर्नाटक लोक सेवा आयोग (केपीएससी) के अध्यक्ष को निलंबित किए जाने पर शिवकुमार ने कहा कि यह कार्रवाई राज्यपाल ने की है और सरकार ने आयोग के कामकाज में निरंतरता बनाए रखने के लिए कदम उठाए हैं। उन्होंने कहा, यह राज्यपाल का आदेश है। राज्यपाल ने निलंबन का आदेश दिया है। मैंने पहले ही निर्देश दे दिया है कि सबसे वरिष्ठ व्यक्ति को तुरंत प्रभार सौंप दिया जाए।

राज्यपाल ने टीबी मुक्त राजस्थान का किया आह्वान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने टीबी मुक्त राजस्थान के लिए पंचायतवार प्रभावी मॉनिटरिंग किए जाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मंशा के अनुरूप समाज के हर वर्ग को साथ लेकर, इस बीमारी के प्रति फैले डर और भेदभाव को दूर किया जाए। उन्होंने आंकड़ों में नहीं व्यवहार में प्रत्येक मरीज पर ध्यान देने पर जोर दिया तथा कहा कि टीबी को पूरी तरह से खत्म किया जाए। इसके लिए उन्होंने हर गांव में घरघर जाने और टीबी मरीजों को वास्तविक रूप में चिन्हित करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि गांवों में टीबी मुक्त करने के प्रयासों हेतु ग्राम सेवकों को जवाबदेह बनाया जाए।

बागड़े सोमवार को लोकभवन में टीबी उन्मूलन हेतु जनभागीदारी को और सुदृढ़ करने के लिए राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन की प्रगति की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि कागज में नहीं वस्तुस्थिति में टीबी रोगियों को रोग मुक्त करने के प्रयास होने चाहिए। उन्होंने टीबी रोगियों के समग्र इलाज और बाद में पोषण पर भी विशेष ध्यान देने का आह्वान किया।

उन्होंने प्रचलित कहावत खरगोश के शिकार के लिए बाघ के शिकार की तैयारी का उल्लेख करते हुए कहा कि टीबी मुक्त करने के लिए मन से प्रयास हों। उन्होंने जिला कलेक्टर स्तर पर टीबी मरीजों का पता लगाने और उनके प्रभावी निदान के लिए जागरूकता के अधिकाधिक कार्य किए जाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि मरीज गोद लेकर कार्य किए जाने के आंकड़ों की वास्तविकता का भी पता लगाया जाए। राज्यपाल ने इससे पहले टीबी रोगी परिवार को निक्षय मित्र कीट का वितरण किया।

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेंद्र सिंह खींवसर ने कहा कि सभी विभागों की सहभागिता से राजस्थान को टीबी मुक्त करने के लिए निरंतर प्रभावी प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि 2030 तक राजस्थान को पूरी तरह से टीबी मुक्त कर दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि राजस्थान में टीबी मुक्त अभियान के अंतर्गत 90 प्रतिशत लक्ष्य पूर्ण किए जा चुके हैं।

इसके अंतर्गत 11 हजार 143 अधिक जोखिम वाले गांवों का सर्वे कर 9 हजार 719 गांवों में विशेष शिविर लगाकर टीबी मुक्त राजस्थान के लिए कार्यवाही की गई है। खींवसर ने बताया कि देश में सर्वाधिक एक्सरे स्क्रीनिंग राजस्थान में की गई है। इसी से हमारी 95 प्रतिशत ग्राम पंचायते टीबी मुक्त हो गई है।

मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने कहा कि विश्वभर में टीबी के खिलाफ लड़ाई में भारत के प्रयास आज रॉल मॉडल है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार का यह प्रयास है कि हरेक टीबी मरीज को प्रभावी चिकित्सा मिले। उन्होंने टीबी मुक्त राजस्थान के लिए किए जा रहे प्रयासों के बारे में भी जानकारी दी। अतिरिक्त मुख्य सचिव कुंजी लाल मीणा ने जनजातीय क्षेत्रों में टीबी मुक्त राजस्थान के प्रयासों के बारे में जानकारी दी। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की प्रमुख सचिव श्रीमती गायत्री राठौड़ ने बताया कि विकसित भारत में स्वस्थ भारत पहली प्राथमिकता रखी गई है। भारत सरकार द्वारा टीबी मुक्त भारत के अंतर्गत पोषण सहायता राशि पांच सौ रुपये से बढ़ाकर एक हजार रुपए कर दी गई है।

सचिव पंचायती राज एवं राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन निदेशक जोगाराम ने कहा कि शहरी स्थानीय निकायों में टीबी मुक्त वार्ड अभियान चालू किए जाएंगे। शहरी इलाकों में टीबी की जांच के कैंप लगाने की पहल की गई है। उन्होंने बताया कि स्कूलों में टीबी के बारे में जागरूकता सत्र आयोजित किए जाने और उच्च शिक्षा के अंतर्गत भी इस दिशा में जागरूकता के प्रसार पर ध्यान दिया गया है।

उन्होंने जनजातीय, ग्रामीण विकास आदि सभी विभागों में टीबी मुक्त अभियान के अंतर्गत किए जाने वाले कार्यों के बारे में विस्तार से अवगत कराया। सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के आयुक्त राकेश कुमार शर्मा ने बताया कि जनसंपर्क विभाग द्वारा टीबी मुक्त भारत के प्रति जागरूकता के अंतर्गत प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक और सोशल मीडिया में निरन्तर प्रभावी वातावरण निर्माण किया गया है। उन्होंने कहा कि विभाग द्वारा सुजस पत्रिका में भी टीबी मुक्त भारत के लिए नियमित सामग्री प्रकाशित की जा रही है। इसके राज्यवार बहुत अच्छे परिणाम आ रहे हैं।

एनएसयूआई ने 'छात्रों की गूंज' अभियान के तहत जयपुर में मैराथन का आयोजन किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। नेशनल स्टूडेंट्स यूनियन ऑफ इंडिया(एनएसयूआई) ने प्रश्नपत्र लीक की कथित घटनाओं के विरोध और पारदर्शी भर्ती परीक्षाओं की मांग को लेकर 'छात्रों की गूंज' अभियान के तहत सोमवार को जयपुर में एक मैराथन का आयोजन किया। एनएसयूआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष विनोद जाखड़ के नेतृत्व में आयोजित 'रन अगेंस्ट पेपर लीक' नामक यह मैराथन राजस्थान विश्वविद्यालय के मुख्य द्वार से शुरू हुई। इसमें बड़ी संख्या में छात्र, युवा और एनएसयूआई कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। पांच किलोमीटर लंबी यह दौड़ अल्बर्ट हॉल होते हुए पुनः विश्वविद्यालय के मुख्य द्वार पर समाप्त हुई। इस दौरान प्रतिभागियों ने निष्पक्ष और पारदर्शी परीक्षा प्रणाली की मांग को लेकर नारे लगाए।

इस कार्यक्रम में राजस्थान विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली, विधायक मनीष यादव और शिखा मील बराला, कांग्रेस के महिला प्रकोष्ठ की प्रदेश अध्यक्ष सरिका चौधरी सहित कई अन्य नेताओं ने भी भाग लिया। प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए जाखड़ ने कहा कि प्रश्नपत्र लीक की घटनाओं ने लाखों युवाओं के भविष्य को संकट में डाल दिया है।

उन्होंने कहा, पेपर लीक जैसी घटनाओं ने करोड़ों युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ किया है। छात्र वर्षों तक मेहनत करते हैं, लेकिन भ्रष्ट व्यवस्था उनकी मेहनत पर पानी फेर देती है। जाखड़ ने कहा कि छात्रों के अधिकारों की रक्षा और पारदर्शी परीक्षा प्रणाली सुनिश्चित करने के लिए एनएसयूआई का संघर्ष आगे भी जारी रहेगा।

भोमियाजी के दर्शन कर लौट रहे श्रद्धालुओं की स्कॉर्पियो डंपर से टकराई, 5 युवकों की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बालोतरा। बालोतरा जिले में शनिवार देर रात हुए भीषण सड़क हादसे में पांच युवकों की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा बाड़मेर-जोधपुर नेशनल हाईवे पर पचपदरा थाना क्षेत्र के भाडियावास गांव के पास रात करीब 11:30 बजे हुआ, जहां तेज रफ्तार स्कॉर्पियो आगे चल रहे डंपर से जा टकराई। टक्कर इतनी भीषण थी कि स्कॉर्पियो के परखच्चे उड़ गए और वाहन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार हादसे के बाद स्कॉर्पियो में सवार लोग अंदर ही फंस गए और उनकी चीख-पुकार सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे। स्थानीय लोगों ने राहत कार्य शुरू कर घायलों को बाहर निकाला। सूचना मिलने पर पुलिस भी मौके पर पहुंची और सभी घायलों को तत्काल राजकीय नाहटा अस्पताल, बालोतरा पहुंचाया।

अस्पताल में चिकित्सकों ने रेवांताराम (26) पुत्र गेनाराम जाट, स्वरूपाराम (27) पुत्र मेहराराम जाट और भरत (25) पुत्र बन्नाराम जाट को मृत घोषित कर दिया। गंभीर रूप से घायल किशन (27) पुत्र शेराराम जाट, भावेश पुत्र कलाराम जाट, बाबू, मुकेश और हेमाराम को प्राथमिक उपचार के बाद जोधपुर रेफर किया गया। जहां इलाज के दौरान किशन और भावेश ने भी दम तोड़ दिया।

मृतकों की पहचान बालोतरा जिले के कानोड गांव निवासी रेवांताराम, स्वरूपाराम, भरत, किशन और भावेश के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि सभी युवक जोधपुर में भोमियाजी के दर्शन कर अपने गांव लौट रहे थे, तभी यह हादसा हो गया।

पुलिस ने दुर्घटना का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक जांच में तेज रफ्तार के कारण स्कॉर्पियो के आगे चल रहे डंपर से टकराने की बात सामने आई है। हादसे के बाद मृतकों के परिवारों में शोक की लहर है, जबकि गांव में भी मातम पसरा हुआ है।

आमजन की समस्याओं का गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करने के दिए निर्देश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। जिले के प्रभारी सचिव डॉ. रोहित गुप्ता ने सोमवार को बाड़मेर जिले की बायतू पंचायत समिति की ग्राम पंचायत सेवानियाला में आयोजित ग्रामीण सेवा शिविर का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने विभिन्न विभागों की ओर से संचालित जन कल्याणकारी योजनाओं एवं शिविर में उपलब्ध कराई जा रही सेवाओं की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को आमजन की समस्याओं का गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

प्रभारी सचिव डॉ. गुप्ता ने शिविर में विभिन्न विभागों की ओर से लगाए गए स्टॉलों का अवलोकन किया तथा ग्रामीणों से संवाद कर उनकी समस्याओं एवं आवश्यकताओं की जानकारी ली। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को प्राप्त प्रकरणों का संवेदनशीलता एवं प्राथमिकता के आधार पर त्वरित निराकरण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि ग्रामीण सेवा शिविरों का उद्देश्य आमजन को विभिन्न सरकारी योजनाओं एवं सेवाओं का लाभ एक ही स्थान पर उपलब्ध कराना है।

ऐसे में सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए पात्र व्यक्तियों को योजनाओं से लाभान्वित करना सुनिश्चित करें तथा प्रत्येक प्रकरण का निर्धारित समय सीमा में गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करें। शिविर के दौरान मृदा स्वास्थ्य कार्ड योजना के तहत किशनाराम पुत्र मानाराम एवं भूराराम पुत्र मूलाराम को मृदा स्वास्थ्य कार्ड वितरित किए गए। स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत फरसाराम पुत्र भगवानाराम को व्यक्तिगत शौचालय निर्माण के लिए स्वीकृति आदेश प्रदान किया गया। वहीं मंगल पशु बीमा योजना के तहत मंगलाराम, हरियो देवी पत्नी ताजाराम एवं रामू देवी पत्नी ठाकराराम को बीमा पॉलिसियों का वितरण किया गया।

भाजपा ने डीबीटी योजनाओं का इस्तेमाल वोट हासिल करने के लिए किया : अशोक गहलोत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने सोमवार को आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) योजनाओं का इस्तेमाल वोट हासिल करने के लिए करती है और सत्ता में आने के बाद भाजपा इन योजनाओं का लाभ बंद कर देती है। गहलोत ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, भाजपा का 'डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (डीबीटी) से डायरेक्ट वोट ट्रांसफर' का मॉडल पूरी तरह बेनकाब हो चुका है। पार्टी चुनाव से पहले आर्थिक सहायता देकर मतदाताओं को लुभाती है और चुनाव जीतने के बाद इन योजनाओं को बंद कर देती है।

उन्होंने महाराष्ट्र का उल्लेख करते हुए आरोप लगाया कि भाजपा ने 'लाडकी बहिन योजना' के नाम पर वोट मांगे और सत्ता में आने के बाद 92 लाख महिलाओं के नाम लाभार्थियों की सूची से हटा दिए। गहलोत ने यह भी दावा किया कि मध्यप्रदेश में 'लाड़ली बहना' योजना से महिलाओं को 'नो योर कस्टमर' (केवाईसी) औपचारिकताओं के नाम पर बाहर किया जा रहा है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता ने आरोप लगाया कि बिहार में चुनाव से पहले महिलाओं के खातों में 10-10 हजार रुपये भेजे गए, लेकिन चुनाव के बाद तकनीकी त्रुटियों का हवाला देते हुए उनसे राशि वापस करने के नोटिस जारी कर दिए गए।

पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, वोट के लिए सरकारी खजाने की इस तरह खुली लूट और चुनाव के बाद जनता के साथ ऐसा विश्वासघात केवल भाजपा ही कर सकती है। लोकतंत्र के नागरिक इस छल को साफ देख रहे हैं, लेकिन निर्वाचन आयोग और उच्चतम न्यायालय इस वोट के कारोबार पर मूकदर्शक बने हुए हैं।

राजस्थान उच्च न्यायालय को बम से उड़ाए जाने की धमकी मिली, पर झूठी साबित हुई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान उच्च न्यायालय की इमारत को सोमवार को बम से उड़ाने की धमकी मिलने के बाद पूरे परिसर की गहन तलाशी ली गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। उच्च न्यायालय प्रशासन को सोमवार सुबह एक धमकी भरा ई-मेल प्राप्त हुआ, जिसके बाद पुलिस को तत्काल सूचना दी गई। पुलिस के मुताबिक, ई-मेल भेजने वाले ने दावा किया कि परिसर में छह जिलेटिन बम लगाए गए हैं और इमारत को नुकसान पहुंचाया जाएगा। सूचना मिलते ही बम निरोधक दस्ता और श्वान दस्ता ने अदालत की कार्यवाही शुरू होने से पहले पूरे उच्च न्यायालय परिसर की सघन तलाशी ली। पुलिस के अनुसार, तलाशी के दौरान कोई भी संदिग्ध वस्तु नहीं मिली। इसके बाद उच्च न्यायालय परिसर को दोबारा खोल दिया गया। समय रहते सुरक्षा जांच पूरी होने के कारण अदालत की कार्यवाही पर कोई असर नहीं पड़ा। उल्लेखनीय है कि हाल के दिनों में राजस्थान उच्च न्यायालय को इस तरह की कई धमकियां मिल चुकी हैं।

बुजुर्गों के सपनों को लगे पंख :वरिष्ठ नागरिक तीर्थ यात्रा योजना का शंखनाद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। देवस्थान विभाग की सबसे महत्वाकांक्षी और लोकप्रिय 'वरिष्ठ नागरिक तीर्थ यात्रा योजना-2026' का सोमवार को भव्य आगाज हो गया। योजना के तहत श्रद्धालुओं को लेकर पहली स्पेशल ट्रेन जयपुर के दुर्गापुरा रेलवे स्टेशन से रामेश्वरम और मदुरै के लिए रवाना हुई। इस विशेष ट्रेन को देवस्थान मंत्री जोराराम कुमावत ने हरी झंडी दिखाकर और रिबन काटकर रवाना किया। यह ट्रेन 15 जुलाई को रामेश्वरम पहुंचेगी, जहां एक दिन का ठहराव होगा। अगले दिन सभी यात्रियों कोट्रेन से मदुरई लाया जाएगा, जहां सभी को मीनाक्षी मंदिर के दर्शन करवाए जाएंगे। उसके उपरांत ट्रेन पुनः रवाना होकर 20 जुलाई को जयपुर पहुंचेगी। ट्रेन की रवानगी के उपलक्ष्य में दुर्गापुरा रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर-2 पर एक विशेष और भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान पूरा स्टेशन परिसर भजनों और धार्मिक जयकारों से गूंज उठा। कैबिनेट मंत्री जोराराम कुमावत ने यात्रा पर जाने वाले वरिष्ठ नागरिकों से बेहद आत्मीयता के साथ मुलाकात की। उन्होंने बुजुर्गों का कुशलक्षेम जाना।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए देवस्थान मंत्री जोराराम कुमावत ने कहा-आप लोग बहुत ही सौभाग्यशाली हैं आपको रामनाथ स्वामी (रामेश्वरम) के दर्शन का बुलावा आया है। यह बुलावा केवल एक यात्रा नहीं है, यह ईश्वर की असीम कृपा और आपके पूर्व जन्मों के पुण्यों का फल है। मंत्री ने एक बहुत ही सरल और जमीन से जुड़ी बात कही।

उन्होंने कहा कि इस सौभाग्य के पीछे जो सबसे बड़ा माध्यम बने हैं, वे हैं हमारे प्रदेश के यशस्वी, संवेदनशील और दूरदर्शी मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा जी। मैं इस मंच से मुख्यमंत्री जी का कोटि-कोटि धन्यवाद करना चाहता हूँ, जिनकी बदौलत आज राजस्थान का आम नागरिक, हमारे बुजुर्ग और श्रद्धालु बिना किसी आर्थिक चिंता के, पूरे सम्मान के साथ इतनी बड़ी तीर्थ यात्रा पर जा रहे हैं। मुख्यमंत्री जी ने केवल सरकार नहीं चलाई है, बल्कि हर राजस्थानी के परिवार के बेटे का फर्ज निभाया है।

आप जब वहाँ जाएँ, तो केवल अपने और अपने परिवार के लिए ही नहीं, बल्कि हमारे पूरे राजस्थान की खुशहाली के लिए, हमारी फसलों के लिए, हमारी गौ-माता की रक्षा के लिए और हमारे देश की उन्नति के लिए भी प्रार्थना कीजिएगा। मंत्री कुमावत ने कहा कि मैं एक बार फिर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा जी का हृदय से आभार व्यक्त करता हूँ। आप सभी की यह यात्रा सुखद, सुरक्षित और आध्यात्मिक ऊर्जा से भरपूर हो।

इस पहली तीर्थ यात्रा ट्रेन में राजस्थान के चार अलग-अलग जिलों के कुल 970 वरिष्ठ नागरिक सफर कर रहे हैं। इनमें दुर्गापुरा रेलवे स्टेशन से जयपुर जिले के 161 श्रद्धालु, कोटपुतली-बहरोड़ के 177 श्रद्धालु रवाना हुए हैं। इसके अलावा सवाईमाधोपुर रेलवे स्टेशन से धौलपुर जिले के 213 श्रद्धालु व झालावाड़ जिले के 419 श्रद्धालु तीर्थ यात्रा के लिए सवार हुए हैं। देवस्थान मंत्री कुमावत ने बताया कि आगामी 20 जुलाई को अजमेर, 24 जुलाई को जोधपुर व 30 जुलाई को उदयपुर से रामेश्वरम-मदुरै के लिए वरिष्ठ नागरिक तीर्थ यात्रा-2026 के तहत ट्रेन जाएंगी।

देवस्थान मंत्री जोराराम कुमावत ने नेपाल के पशुपतिनाथ मंदिर के दर्शन के लिए वरिष्ठ नागरिक तीर्थ यात्रा-2026 के हवाई यात्रा का शैडयूल भी जारी किया। उन्होंने बताया कि 20 जुलाई से 22 सितंबर-2026 तक रोजाना नेपाल के काठमांडू के लिए हवाई यात्रा जाएगी। नई दिल्ली एयरपोर्ट से प्रति दिन 44 वरिष्ठजन हवाई जहाज के जरिए नेपाल जाएंगे। उन्होंने बताया कि 20 जुलाई से 22 सितंबर तक कुल 2860 वरिष्ठजन पशुपतिनाथ जी के दर्शन करेंगे। इसके बाद शेष हवाई यात्रियों को दिसंबर से दर्शनों के लिए नेपाल भेजा जाएगा।

बैटरी एनर्जी स्टोरेज सिस्टम से पीक आवर्स में महंगी बिजली खरीद पर घटेगी निर्भरता : मुख्य सचिव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राज्य सरकार के ऊर्जा क्षेत्र में आत्मनिर्भर एवं अग्रणी राजस्थान के संकल्प को साकार करने की दिशा में मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास की अध्यक्षता में सोमवार को शासन सचिवालय में तृतीय समीक्षा बैठक आयोजित हुई। बैठक में विद्युत वितरण निगमों डिस्कॉम्स की वित्तीय स्थिति को और सुदृढ़ बनाने, ऊर्जा अवसंरचना के विस्तार तथा अक्षय ऊर्जा आधारित योजनाओं की प्रगति की विस्तृत समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

मुख्य सचिव ने कहा कि राज्य में ऊर्जा क्षेत्र के विकास के साथ डिस्कॉम्स की वित्तीय मजबूती सुनिश्चित करना राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में है। उन्होंने वित्तीय अनुशासन, आधुनिक तकनीकों के उपयोग तथा अक्षय ऊर्जा परियोजनाओं के समयबद्ध क्रियान्वयन की आवश्यकता बताई।

बैठक में बैटरी एनर्जी स्टोरेज सिस्टम के पायलट प्रोजेक्ट्स की प्रगति की समीक्षा करते हुए मुख्य सचिव ने कहा कि पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना एवं अन्य सौर ऊर्जा परियोजनाओं से उत्पादित अतिरिक्त बिजली के प्रभावी भंडारण के लिए यह तकनीक अत्यंत महत्वपूर्ण है। इसके माध्यम से पीक आवर्स में महंगी बिजली खरीदने की आवश्यकता कम होगी तथा डिस्कॉम्स को प्रतिवर्ष उल्लेखनीय वित्तीय बचत होगी। इसका लाभ आम उपभोक्ताओं तक पहुंचेगा। उन्होंने परियोजनाओं को निर्धारित समय-सीमा में क्रियान्वित करने के निर्देश दिए। बैठक में बताया गया कि जयपुर, अजमेर एवं जोधपुर डिस्कॉम के विभिन्न सर्किलों में इन परियोजनाओं के लिए स्थान चिह्नित किए जा चुके हैं। डिस्कॉम्स के ऋण पुनर्गठन की प्रगति की समीक्षा करते हुए कहा कि आरईसी एवं पीएफसी से लिए गए उच्च ब्याज दर वाले ऋणों की री-प्राइसिंग से डिस्कॉम्स को प्रतिवर्ष उल्लेखनीय ब्याज बचत प्राप्त हो रही है। उन्होंने शेष उच्च ब्याज दर वाले ऋणों की भी शीघ्र री-प्राइसिंग सुनिश्चित करने के लिए संबंधित वित्तीय संस्थाओं के साथ प्रभावी समन्वय एवं वार्ता करने के निर्देश दिए।

वी. श्रीनिवास ने ग्रीन एनर्जी कॉरिडोर फेज-खख के अंतर्गत हनुमानगढ़ एवं उदयपुर में चल रहे निर्माण कार्यों की समीक्षा करते हुए परियोजनाओं को तय समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इन परियोजनाओं के पूर्ण होने से राज्य में अक्षय ऊर्जा के सुगम ट्रांसमिशन को बढ़ावा मिलेगा तथा राजस्थान का ट्रांसमिशन नेटवर्क और अधिक आधुनिक एवं सुदृढ़ बनेगा। पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के अधिकाधिक लाभार्थियों तक पहुंच सुनिश्चित करने के लिए प्रभावी सूचना, शिक्षा एवं संचार आईईसी कार्ययोजना तैयार कर व्यापक जन जागरूकता अभियान चलाने के निर्देश दिए।

राजस्थान में कमजोर होगा मानसून

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान में दक्षिण-पश्चिम मानसून का पहला चरण कमजोर पड़ गया है। मौसम विभाग के अनुसार, राज्य में अगले एक सप्ताह तक मानसून की गतिविधियां कमजोर रहने की संभावना है। विभाग ने बताया कि इस दौरान प्रदेश के अधिकतर हिस्सों में मौसम मुख्य रूप से शुष्क रहने का अनुमान है। पश्चिमी राजस्थान के जोधपुर और बीकानेर संभाग के ज्यादातर क्षेत्रों में पूरे सप्ताह बारिश की गतिविधियां कम रहने की संभावना है।

हालांकि, 14 और 15 जुलाई को कमजोर मौसम तंत्र के प्रभाव से बीकानेर, श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़, चूरू और आसपास के जिलों में कुछ स्थानों पर हल्की बारिश हो सकती है। पूर्वी राजस्थान में भी अगले पांच से छह दिनों तक मौसम मुख्य रूप से शुष्क रहने का अनुमान है। मौसम विभाग के अनुसार, 13 से 15 जुलाई के बीच शेखावाटी क्षेत्र के अलावा जयपुर और भरतपुर संभाग के कुछ इलाकों में हल्की बारिश होने की संभावना है। मौसम विभाग ने अगले दो से तीन दिनों के दौरान जोधपुर और बीकानेर संभाग के अधिकांश हिस्सों में 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से धूलभरी तेज हवाएं चलने की संभावना जताई है।

पिछले 24 घंटों के दौरान राज्य के कुछ हिस्सों में तेज हवाएं चलीं, जबकि ज्यादातर क्षेत्रों में मौसम शुष्क रहा। इस दौरान फलोदी में राज्य का सर्वाधिक अधिकतम तापमान 41 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि अजमेर में न्यूनतम तापमान 24.9 डिग्री सेल्सियस रहा।

राजनाथ, गडकरी व योगी ने 4,850 करोड़ की तीन परियोजनाओं का लोकार्पण/शिलान्यास किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

उन्नाव (उप्र)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को यहां 4,850 करोड़ रुपये से अधिक की लागत वाली तीन राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया।

राजनाथ सिंह, नितिन गडकरी और योगी आदित्यनाथ ने उन्नाव में राज्य के बेहतर सड़क संपर्क और तेज आवागमन को बढ़ावा देने के लिए 4,850 करोड़ रुपये से अधिक की लागत वाली तीन राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया। इस मौके पर उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक समेत कई प्रमुख जनप्रतिनिधि भी मौजूद थे। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, उन्नाव में जिन परियोजनाओं का लोकार्पण/शिलान्यास किया गया, उनमें 4,200 करोड़ रुपये की लागत से कुल 63 किलोमीटर लंबे कानपुरलखनऊ 6-लेन एक्सप्रेसवे (एनई-6) का निर्माण शामिल है। दूसरी, हरदोईलखनऊ सीमा से लखनऊ रिंग रोड तक चार -लेन निर्माण (एनएच-731, पैकेज-चार) है जो 541 करोड़ रुपये की लागत की करीब 32 किलोमीटर लंबी परियोजना है। तीसरी परियोजना जिसका शिलान्यास किया गया वह लखनऊ इंजीनियरिंग कॉलेज चौराहे पर चार-लेन फ्लाईओवर (एनएच-24ए)

जिसकी कुल लंबाई एक किमी होगी और इस पर 109 करोड़ रुपये की लागत आएगी। बयान में कहा गया है कि कानपुरलखनऊ एक्सप्रेसवे के संचालन से दोनों शहरों के बीच यात्रा समय लगभग तीन घंटे से घटकर मात्र 40 मिनट रह जाएगा। इससे यात्रियों के समय और ईंधन की उल्लेखनीय बचत होगी, प्रदूषण में कमी आएगी तथा पुराने राष्ट्रीय राजमार्गों पर यातायात का दबाव भी कम होगा। सड़क सुरक्षा एवं यातायात प्रबंधन को और अधिक सुदृढ़ बनाने के लिए एक्सप्रेसवे को अत्याधुनिक इंटेलिजेंट ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम (आईटीएमएस) से सुसज्जित किया गया है। यह एक्सप्रेसवे किसानों को कृषि उत्पादों को कम समय में मंडियों तक पहुंचाने, उद्योगों को कच्चे माल एवं तैयार उत्पादों के तेज परिवहन तथा आम नागरिकों को शिक्षा, स्वास्थ्य एवं अन्य आवश्यक सेवाओं तक बेहतर पहुंच उपलब्ध कराएगा।

साथ ही एक्सप्रेसवे के आसपास गोदाम, लॉजिस्टिक, औद्योगिक इकाइयों, पर्यटन, आवासीय परियोजनाओं एवं छोटे व्यवसायों के विकास को भी प्रोत्साहन मिलेगा, जिससे बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर सृजित होंगे। बयान के अनुसार, दूसरी परियोजना के अंतर्गत हरदोईलखनऊ सीमा से लखनऊ रिंग रोड तक लगभग 32 किमी लंबे राष्ट्रीय राजमार्ग का 4-लेन में चौड़ीकरण किया गया है। लगभग 541 करोड़ रुपये की लागत से विकसित यह परियोजना यात्रियों को अधिक सुरक्षित, तेज एवं सुविधाजनक यात्रा उपलब्ध कराएगी तथा क्षेत्रीय संपर्क को नई मजबूती देगी। विश्वप्रसिद्ध मलिहाबाद आम क्षेत्र के किसानों को अपने उत्पाद देश-विदेश के बाजारों तक कम समय में पहुंचाने की सुविधा मिलेगी, जिससे उनकी आय बढ़ाने में सहायता मिलेगी।

तीसरी शिलान्यास की जाने वाली परियोजना में सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय के अंतर्गत इंजीनियरिंग कॉलेज चौराहे (एनएच-24ए) पर लगभग एक किमी लंबे चार-लेन फ्लाईओवर का निर्माण 109 करोड़ रुपये की लागत से किया जाएगा।

छात्र आत्महत्या मामला: प्रोफेसर को अग्रिम जमानत देने से उच्चतम न्यायालय का इनकार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नयी दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने केरल के एक निजी डेंटल कॉलेज में प्रथम वर्ष के बीडीएस छात्र को कथित तौर पर आत्महत्या के लिए उकसाने के आरोपी प्रोफेसर को अग्रिम जमानत देने से इनकार कर दिया। न्यायालय ने सोमवार को कहा कि शिक्षक इस तरह के व्यवहार के बाद बच नहीं सकता।

छात्र नितिन राज 10 अप्रैल को कॉलेज परिसर में एक इमारत से गिरने के बाद मृत पाया गया था। इसे संदिग्ध आत्महत्या का मामला माना गया। अभियोजन पक्ष का आरोप है कि अनुसूचित जाति समुदाय से आने वाले छात्र को आरोपी एम. कोंडाना राम ने कक्षा में अपमानित किया था और धमकाया था। राम ने इन आरोपों से इनकार किया है। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ ने याचिकाकर्ता की ओर से पेश वकील से कहा, ''एक संदेश जाना चाहिए कि आप (शिक्षक) छात्रों के साथ इस तरह का व्यवहार नहीं कर सकते।'' शीर्ष अदालत ने यह आदेश राम की उस याचिका पर पारित किया, जिसमें उन्होंने केरल उच्च न्यायालय के जून 2026 के उस आदेश को चुनौती दी थी, जिसमें उन्हें अग्रिम जमानत देने से इनकार किया गया था।

उच्च न्यायालय के आदेश में हस्तक्षेप करने से इनकार करते हुए शीर्ष अदालत ने कहा कि किसी व्यक्ति को समझना चाहिए कि उसके कार्यों का छात्रों पर क्या असर पड़ेगा। पीठ ने कहा, यदि किसी छात्र को कक्षा में सहपाठियों की मौजूदगी में इस तरह अपमानित किया जाता है, तो ऐसे छात्रों पर इसका आखिरकार प्रभाव क्या होगा? याचिका खारिज करते हुए शीर्ष अदालत ने कहा, एक शिक्षक इस तरह के व्यवहार के बाद बच नहीं सकता।

भारतीय स्वास्थ्य प्रणाली पहले के मुकाबले अधिक सुलभ, सस्ती, आधुनिक और जन-केंद्रित होकर उभरी है : राजनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सोमवार को इस बात पर जोर दिया कि आज भारत की स्वास्थ्य प्रणाली पहले की तुलना में अधिक आत्मनिर्भर, आसानी से सुलभ, सस्ती, आधुनिक और जन-केंद्रित होकर उभरी है। लखनऊ से सांसद राजनाथ सिंह ने कहा, ''आज भारत की स्वास्थ्य प्रणाली पहले की तुलना में अधिक आत्मनिर्भर, सुलभ, सस्ती, आधुनिक और जन-केंद्रित होकर उभरी है। आज, भारत जीन थेरेपी, परमाणु चिकित्सा और अन्य आधुनिक प्रौद्योगिकियों के माध्यम से वैश्विक स्वास्थ्य चुनौतियों के लिए स्वदेशी समाधान विकसित कर रहा है।''

सिंह ने लखनऊ स्थित किंग जॉर्ज मेडिकल विश्वविद्यालय (केजीएमयू) के 22वें दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि आज भारत चिकित्सा अनुसंधान में नए मानक स्थापित कर रहा है। उन्होंने कहा कि केजीएमयू ने देश को अनेक ऐसे चिकित्सक दिए हैं, जिन्हें पद्म विभूषण, पद्म

भूषण, पद्म श्री और डॉ. बी. सी. रॉय पुरस्कार जैसे प्रतिष्ठित सम्मानों से अलंकृत किया गया है। इस संस्थान से जुड़े लोगों ने सेवा, समर्पण और संवेदनशीलता की अद्भुत मिसाल प्रस्तुत की है। सिंह ने कहा, ''हमारे वैज्ञानिकों ने हीमोफीलिया के इलाज के लिए एक स्वदेशी जीन थेरेपी का सफलतापूर्वक प्रदर्शन किया है। पुणे के एक संस्थान के वैज्ञानिकों ने स्तन कैंसर के इलाज के लिए एक अत्याधुनिक नैनो मेडिसिन विकसित की है।'' उन्होंने कहा कि तीन दशकों के बाद, 2024 में भारत में पेनिसिलिन-जी का उत्पादन फिर से शुरू हो गया है और 'प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव' योजना ने चिकित्सा उपकरणों के स्वदेशी विनिर्माण को नई गति दी है। रक्षा मंत्री ने बताया कि आज देश भर में लोगों को 19,000 से अधिक जन औषधि केंद्रों के माध्यम से बहुत सस्ती कीमत पर उच्च गुणवत्ता वाली दवाएं मिल रही हैं। जिस माहौल में चिकित्सा क्षेत्र के लोग काम करते हैं उसका जिक्र करते हुए राजनाथ सिंह ने कहा, ''चिकित्सा पेशा से जुड़े लोग अत्यधिक तनावपूर्ण माहौल में काम करते हैं, जो उनके स्वास्थ्य पर नकारात्मक प्रभाव डाल सकता है। हालांकि, अपने स्वास्थ्य की उपेक्षा न करें।'सर्वे भवन्तु सुखिनः' (सब सुखी हों) की कामना करने के बाद, हम 'सर्वे सन्तु निरामया' (सब स्वस्थ रहें) की कामना करते हैं।''

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री योगी के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं में पिछले नौ वर्षों में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। सिंह ने कहा कि वर्ष 2017 से पहले राज्य में केवल 17 मेडिकल कॉलेज थे, आज पूरे प्रदेश में 81 मेडिकल कॉलेज संचालित हो रहे हैं और दो 'अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान' (एम्स) भी कार्यरत हैं। उन्होंने कहा, इसका मतलब है कि उत्तर प्रदेश अब 'एक जिला-एक मेडिकल कॉलेज' के लक्ष्य को पार कर गया है।

चिकित्सा अनुसंधान के क्षेत्र में नए मानक स्थापित कर रहा है भारत : राजनाथ

लखनऊ। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सोमवार को कहा कि चिकित्सा अनुसंधान के क्षेत्र में भारत नए मानक स्थापित कर रहा है और साथ ही देश में जीन थेरेपी, परमाणु चिकित्सा तथा अन्य आधुनिक प्रौद्योगिकियों के माध्यम से वैश्विक स्वास्थ्य चुनौतियों के लिए स्वदेशी समाधान विकसित किए जा रहे हैं।

उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ स्थित किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी (केजीएमयू) के 22वें दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए सिंह ने कहा कि भारत की स्वास्थ्य प्रणाली पहले की तुलना में अधिक आत्मनिर्भर, सुलभ, किफायती, आधुनिक और जन-केंद्रित बनकर उभरी है। सिंह ने कहा, ''आज भारत जीन थेरेपी, परमाणु चिकित्सा और अन्य आधुनिक प्रौद्योगिकियों के माध्यम से वैश्विक स्वास्थ्य चुनौतियों के लिए स्वदेशी समाधान विकसित कर रहा है। चिकित्सा अनुसंधान के क्षेत्र में देश नए मानक स्थापित कर रहा है।'' उन्होंने कहा कि केजीएमयू ने देश को अनेक ऐसे चिकित्सक दिए हैं, जिन्हें पद्म विभूषण, पद्म भूषण, पद्मश्री और डॉ. बी. सी. रॉय पुरस्कार जैसे प्रतिष्ठित सम्मानों से सम्मानित किया गया है। इस संस्थान से जुड़े लोगों ने सेवा, समर्पण और संवेदनशीलता की अद्वितीय मिसाल पेश की है।

अपराधियों के लिए उत्तर प्रदेश में जगह नहीं, करें सख्त कार्रवाई : योगी आदित्यनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को 'जनता दर्शन' में प्रदेश भर से आए हर फरियादी से मुलाकात की, उनकी शिकायत सुनी और अधिकारियों को समाधान के निर्देश दिए। अवैध कब्जे से जुड़े मामले में मुख्यमंत्री ने कहा कि शिकायत मिलने पर ऐसे मामलों की सख्ती से जांच कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करें।

धमकी के मामले में मुख्यमंत्री ने कहा कि अपराधियों के लिए उप्र में कोई जगह नहीं है, पुलिस ऐसे लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करे। एक बयान के मुताबिक योगी के समक्ष अवैध कब्जे से जुड़े मामले आये। पीड़ितों ने आरोपियों पर धमकी देने का आरोप लगाया। मुख्यमंत्री ने फरियादियों के प्रार्थना पत्र लेकर शासन के अधिकारियों को प्रेषित किया।

उन्होंने कहा कि प्रदेश में अपराधियों के लिए कोई जगह नहीं है। अवैध कब्जा करने व धमकी देने वालों के खिलाफ कार्रवाई करें। साथ ही अपराध व कब्जे से जुड़े मामलों की विवेचना में तेजी कर पीड़ितों को ससमय न्याय और दोषियों को दंड दिलाया जाय। गाजियाबाद, मेरठ व नोएडा से जुड़े एक बिल्डर की शिकायत भी 'जनता दर्शन' के माध्यम से मुख्यमंत्री तक पहुंची। पीड़ितों ने बताया कि बिल्डर ने एक ही फ्लैट कई लोगों को रजिस्ट्री कर दिया है। इस पर मुख्यमंत्री ने इस प्रकरण को गंभीरता से लिया और कहा कि जांच में बिल्डर के दोषी मिलने पर उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई कर पीड़ितों को न्याय दिलाना सुनिश्चित किया जाय।

अवैध संबंधों में 'बाधा' बन रही पत्नी की हत्या के आरोप में पति और उसके दो रिश्तेदार गिरफ्तार

बदायूं। उत्तर प्रदेश के बदायूं जिले में अवैध संबंधों में 'बाधा' बन रही पत्नी की हत्या करने के आरोप में एक व्यक्ति और उसके दो रिश्तेदारों को गिरफ्तार किया गया है। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि मृतका सत्यवती यादव (26) की एक और दो जून की मध्यरात्रि को कथित तौर पर गला दबाकर हत्या कर दी गई थी और उसके पति जय सिंह यादव ने उसके लापता होने की शिकायत दर्ज कराई थी। क्षेत्राधिकारी (सीओ) अंशुमान श्रीवास्तव के मुताबिक, मुख्य आरोपी पत्नी को अपने कथित अवैध संबंधों में बाधा मानता था, इसलिए उसने उसे रास्ते से हटाने का फैसला किया। जांच के दौरान पति के चार अन्य रिश्तेदार भी शक के घेरे में आए। पुलिस ने बताया कि इनमें से जय सिंह यादव और दो रिश्तेदारों- रामभान यादव व चंदेले यादव उर्फ झाकड़ को गिरफ्तार कर लिया गया है, जबकि दो अन्य फरार आरोपियों सर्वेश और विजय यादव उर्फ छोटे की तलाश की जा रही है।

पुलिस के अनुसार, आरोपियों ने शव को कुछ दिनों तक घर में पानी के टैंक में छिपाकर रखा और बाद में उसे श्मशान घाट ले जाकर जला दिया। साक्ष्य मिटाने के लिए बाद में अवशेषों को सोत नदी में फेंक दिया गया। पुलिस ने बताया कि वैज्ञानिक साक्ष्यों और गहन पूछताछ की मदद से इस मामले का खुलासा किया गया। जांच के दौरान टूटी हुई चूड़ियां, पायल, बिछिया, सिंदूर, कपड़े, दुपट्टा, फावड़ा, तसला, बाल्टी, एक मोबाइल फोन और अपराध में इस्तेमाल की गई मोटरसाइकिल बरामद की गई है। क्षेत्राधिकारी श्रीवास्तव ने बताया कि इससे पहले बिसौली थाने में महिला की गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी। शुरुआत में नामजद दो आरोपियों- पति और बहनोई के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई थी। उन्होंने बताया कि मामले में सबूत मिटाने से जुड़ी धाराएं भी जोड़ी गई हैं। आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है, जबकि फरार दो आरोपियों को पकड़ने के प्रयास जारी हैं।

बिहार में कानून व्यवस्था बदहाल, सरकार अपराध रोकने में विफल : तेजस्वी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के कार्यकारी अध्यक्ष एवं बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने सोमवार को राज्य की कानून व्यवस्था पर गंभीर सवाल उठाते हुए आरोप लगाया कि बिहार में हत्या, बलात्कार, अपहरण, लूट और चोरी की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं, लेकिन सरकार अपनी विफलता स्वीकार करने को तैयार नहीं है। उन्होंने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा कि राज्य में छात्रों, युवाओं, व्यवसायियों, आम नागरिकों और महिलाओं की सरेआम हत्या की जा रही है। यादव ने आरोप लगाया कि पुलिस और अपराधियों का कथित गठजोड़ बिहारवासियों के लिए नासूर बन चुका है। उन्होंने दावा किया कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के नेताओं, पुलिस और माफियाओं की कथित सांठगांठ भ्रष्टाचार तथा शराब तस्करी को बढ़ावा दे रही है और सरकार का कानून व्यवस्था पर कोई ध्यान नहीं है।

राजद नेता ने कहा कि राजधानी पटना के एक व्यस्त इलाके से एक युवक के कथित अपहरण और बाद में उसकी हत्या की घटना ने पुलिस की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। इस बीच, तेजस्वी यादव की बहन रोहिणी आचार्य ने भी सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर दावा किया कि बंटी यादव का पटना जंक्शन और महावीर मंदिर के निकट स्थित अत्यधिक व्यस्त इलाके से कथित तौर पर अपहरण किया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि सात-आठ लोगों द्वारा सार्वजनिक स्थान से युवक को जबरन ले जाने की घटना यह दर्शाती है कि अपराधियों में पुलिस का भय नहीं रह गया है। रोहिणी ने कहा कि इतनी भीड़भाड़ वाले क्षेत्र में इस प्रकार की घटना राज्य की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर प्रश्नचिह्न खड़े करती है। हालांकि, इन आरोपों पर राज्य सरकार की ओर से तत्काल कोई प्रतिक्रिया उपलब्ध नहीं हो सकी है।

बिहार : कोचिंग संस्थान गोलीबारी मामले में खान सर को अग्रिम जमानत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना। पटना की एक अदालत ने कोचिंग संस्थान में गोलीबारी के मामले में खान सर के नाम से मशहूर शिक्षक फैजल खान और संस्थान के तीन कर्मचारियों को सोमवार को अग्रिम जमानत दे दी । खान सर के अधिवक्ता ने यह जानकारी दी। यह मामला जून की शुरुआत में हुई उस गोलीबारी की घटना से जुड़ा है, जब खान सर के कोचिंग संस्थान में कथित तौर पर कुछ असामाजिक तत्वों ने तोड़फोड़ की थी। इस दौरान उनके दो सुरक्षा गार्डों पर गोली चलाने का आरोप लगा था।

खान सर के अधिवक्ता अरविंद कुमार मौर ने कहा, कुल छह लोगों को जमानत मिली है। न्यायाधीश ने पहले खान सर की अग्रिम जमानत मंजूर की, इसके बाद उनके तीन स्टाफ सदस्यों को भी अग्रिम जमानत दी गई। उन्होंने बताया कि अदालत ने खान सर के उन दोनों सुरक्षा गार्डों को भी नियमित जमानत प्रदान की, जिन पर हवा में गोली चलाने का आरोप है। इस मामले में अदालत ने पिछले मंगलवार को फैसला सुरक्षित रख लिया था। फैसला शुक्रवार को सुनाया जाना था, लेकिन जिला न्यायाधीश की अनुपस्थिति के कारण आदेश नहीं सुनाया जा सका। बाद में इसे सोमवार तक स्थगित कर दिया गया।

उप्र : लोन दिलाने का झांसा देकर बैंक खातों पर कब्जा, साइबर ठग गिरोह के 13 सदस्य गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बहराइच (उप्र)। बहराइच जिले में लोगों को ऋण दिलाने का झांसा देकर उनके बैंक खातों और बैंकिंग साधनों पर नियंत्रण हासिल करने तथा साइबर ठगी से अर्जित धन के लेन-देन में उन खातों का इस्तेमाल करने वाले गिरोह के 13 सदस्यों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस अधीक्षक विश्वजीत श्रीवास्तव ने सोमवार को बताया कि जिले में पिछले चार दिनों के दौरान साइबर अपराध के चार मामले दर्ज किए गए हैं और अलग-अलग कार्रवाई कर कुल 13 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। सभी आरोपी बहराइच जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों के निवासी हैं।

एसपी के अनुसार, प्रारंभिक जांच में पता चला है कि आरोपी आम लोगों को आसान ऋण उपलब्ध कराने का लालच देकर उनका विश्वास हासिल करते थे।

इसके बाद वे उनसे एटीएम कार्ड, सिम कार्ड, चेकबुक और बैंक खातों से जुड़ी अन्य गोपनीय जानकारियां ले लेते थे। उन्होंने बताया कि इन बैंक खातों और बैंकिंग साधनों का इस्तेमाल साइबर अपराध से अर्जित रकम को स्थानांतरित करने, निकालने और अन्य संदिग्ध वित्तीय गतिविधियों में किया जाता था। श्रीवास्तव ने बताया कि दरगाह शरीफ क्षेत्र के निवासी उपेंद्र सिंह और मोतीपुर थाना क्षेत्र के सहाबुद्दीन की ओर से 12 जुलाई को दर्ज कराए गए दो मामलों में साइबर सेल की मदद से पुलिस ने उसी दिन आठ आरोपियों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान मोनू मौर्या, साहिल बेग, फहीम, सौरभ मिश्र, नूर अहमद, मोहम्मद आमिर, शकील अहमद और संतोष सिंह के रूप में हुई है। उन्होंने बताया कि इससे पहले 9 और 10 जुलाई को शिवराम शुक्ल तथा अनुपम पांडे की शिकायत पर कोतवाली देहात और कोतवाली नगर में दर्ज मामलों में पुलिस ने 11 जुलाई की शाम पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया था। इनकी पहचान आशीष कश्यप, निहाल शर्मा, रवि कुमार, शम्भू सोनी और अर्जुन सिंह के रूप में हुई है। पुलिस के मुताबिक, गिरफ्तार आरोपियों पर पीड़ितों को शिकायत करने से रोकने के लिए उन्हें झूठे मुकदमे में फंसाने व जान से मारने की धमकी देने के आरोप भी हैं।

उद्धव ने कॉजपा और सोनम वांगचुक के आंदोलन का समर्थन किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई। शवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने प्रतियोगी परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं के खिलाफ कॉकरोच जनता पार्टी (कॉजपा) और जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक के आंदोलन का समर्थन करते हुए सोमवार को कहा कि सभी राजनीतिक दलों को अपने दलगत हितों से अलग रहकर इस आंदोलन के साथ खड़ा होना चाहिए। मुंबई में एक संवाददाता सम्मेलन में ठाकरे ने कहा कि लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी को भी इस आंदोलन का समर्थन करना चाहिए। साथ ही उन्होंने वांगचुक से आमरण अनशन समाप्त करने की अपील करते हुए कहा कि उनका जीवन बेहद कीमती है।

नयी दिल्ली के जंतर-मंतर पर प्रतियोगी परीक्षाओं में कथित गड़बड़ियों के खिलाफ कॉजपा का धरना पिछले 24 दिनों से जारी है। संगठन की मांग है कि केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान इस्तीफा दें और

इस वर्ष मई में हुई नीट परीक्षा के प्रश्नपत्र लीक के बाद आत्महत्या करने वाले छात्रों के परिजनों को एक-एक करोड़ रुपये का मुआवजा दिया जाए। प्रश्नपत्र लीक होने के बाद नीट की पुनः परीक्षा पिछले महीने आयोजित की गई थी। कॉजपा का प्रदर्शन 20 जून से शुरू हुआ था, जबकि शिक्षाविद् और सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक 28 जून को आंदोलन में शामिल हुए और तभी से अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल पर हैं। डॉक्टरों के अनुसार, अनशन के कारण वांगचुक की तबीयत बिगड़ गई है। रविवार को चिकित्सकों ने बताया कि उनका रक्तचाप कम हो गया है और अनशन शुरू होने के बाद से उनका वजन 7.8 किलोग्राम घट चुका है।

कॉजपा ने संसद के मानसून सत्र के पहले दिन 20 जुलाई को संसद तक मार्च निकालने की घोषणा की है। ठाकरे ने कहा कि सभी राजनीतिक दलों को ''बिना किसी राजनीतिक झंडे के'' कॉजपा के आंदोलन का समर्थन करना चाहिए। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी को भी इस आंदोलन के समर्थन में आगे आना चाहिए।

कोयला घोटाला: अदालत ने पूर्व सांसद विजय दर्डा और अन्य के खिलाफ ईडी के मामले को खारिज किया

नयी दिल्ली। दिल्ली की एक अदालत ने महाराष्ट्र के बांदर कोल खदान आवंटन में कथित अनियमितताओं से जुड़े धनशोधन के मामलों में पूर्व सांसद विजय दर्डा, उनके बेटे देवेंद्र दर्डा और अन्य के खिलाफ दर्ज शिकायत सोमवार को खारिज कर दी। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) मामलों की विशेष अदालत ने 27 मार्च को पूर्व सांसद दर्डा और अन्य लोगों को बरी कर दिया था।

अदालत ने इस दलील को स्वीकार किया था कि कोयला खदान का आवंटन एक उच्चाधिकार प्राप्त समिति और प्रधानमंत्री कार्यालय के 'नीतिगत निर्णय' का हिस्सा था। कोयला खदान आवंटन में कथित अनियमितता को लेकर 27 मार्च 2014 को दर्ज और सबसे पुराने लंबित मामले का निस्तारण करते हुए विशेष न्यायाधीश सुनैना शर्मा ने मैसर्स एएमआर आयरन एंड स्टील प्राइवेट लिमिटेड, मनोज कुमार जायसवाल और अन्य लोगों को भी बरी कर दिया।

सुविचार

जो व्यक्ति समय का सम्मान करता है,समय भी उसका सम्मान करता है। आलस्य को त्यागें,कर्तव्य को अपनाएं, जीवन स्वयं बदल जाएगा।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ट्रंप को ईरानी पलटवार का डर?

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को जो ताजा धमकी दी है, उसमें उनकी ताकत कम, डर ज्यादा झलकता है। अगर ईरान उनकी हत्या को अंजाम देने में कामयाब हो जाता है तो क्या होगा? जब ट्रंप खुद को पहले ही से इस स्थिति के लिए तैयार बताते हैं तो ऐसी चर्चाओं को बल मिलना स्वाभाविक है कि 'अमेरिकी राष्ट्रपति अजेय नहीं हैं ... वे किसी दिन लपेटे में आ सकते हैं।' अब्राहम लिंकन और जॉन एफ केनेडी भी अमेरिका के राष्ट्रपति थे, जिनका सुरक्षा चक्र टूट गया था। डोनाल्ड ट्रंप पर पहले हमले की कोशिशें हो चुकी हैं। वे चुनाव प्रचार के दौरान एक जनसभा में बाल-बाल बचे थे। अब ईरान के नए सर्वोच्च नेता आयतुल्लाह सैयद मोज्तबा खामेनेई ने जिन शब्दों में अपने पिता की हत्या का बदला लेने की कसम खाई है, उससे साफ होता है कि यह लड़ाई अभी रुकने वाली नहीं है। ईरान के पास अमेरिका की तुलना में संसाधन कम हैं, लेकिन इस देश के संकल्प को पूरी तरह खारिज नहीं किया जा सकता है। ट्रंप ने जिस स्तर पर ईरान में तबाही मचाई, उससे उन पर पलटवार का खतरा मंडराता रहेगा। वे कब तक इससे सुरक्षित रहेंगे, यह अमेरिकी सुरक्षा एजेंसियों की सतर्कता पर निर्भर करेगा। ईरानी नेतृत्व के खिलाफ घातक कार्रवाई करना ट्रंप का बड़ा मकसद है। उनके आदेश के बाद पूर्व सर्वोच्च नेता आयतुल्लाह अली खामेनेई का खात्मा किया गया, जिससे दुनिया हैरान रह गई थी। अगर ईरानी पलटवार की आंच ट्रंप तक पहुंच जाती है तो महाशक्ति की साख को बट्टा लग जाएगा।

अगर उस स्थिति में अमेरिकी नेतृत्व इस निष्कर्ष पर पहुंचता है कि हमला ईरानी सरकार द्वारा कराया गया था तो व्हाइट हाउस की प्रतिक्रिया बहुत व्यापक हो सकती है। ट्रंप पहले ही कह चुके हैं कि उनकी अनुपस्थिति में उपराष्ट्रपति जेडी वेंस तत्काल प्रभाव से सेना के सर्वोच्च कमांडर बन जाएंगे और किसी भी जवाबी कार्रवाई का अधिकार उनके पास रहेगा। ईरान के सैन्य अड्डों, मिसाइल ठिकानों, कमांड एवं कंट्रोल नेटवर्क, नौसैनिक क्षमताओं और अन्य रणनीतिक परिसंपत्तियों पर बड़े पैमाने पर हमले हो सकते हैं। इससे ईरान का पूरा ढांचा तबाह हो सकता है। इस देश में भारी अफरा-तफरी फैल सकती है। आम जनता को भोजन, पानी, इलाज जैसी मूलभूत सुविधाएं हासिल करने में बहुत संघर्ष का सामना करना पड़ सकता है। ईरानी मुद्रा का पहले ही काफी अवमूल्यन हो गया है। जब खामेनेई के खिलाफ लोग सड़कों पर उतरे थे, तब उसकी सबसे बड़ी वजह अवमूल्यन ही था। अब ईरानी मुद्रा की सेहत के बारे में कोई बात नहीं कर रहा है। अमेरिका अपनी आर्थिक नीतियों को हथियार के तौर पर इस्तेमाल करता है। उसके राष्ट्रपति को निशाना बनाए जाने की स्थिति में वह ईरान पर कड़े आर्थिक प्रतिबंध थोप सकता है। हालांकि यह देश दशकों से प्रतिबंधों का सामना कर रहा है। इसके नागरिकों ने महंगाई, अभाव और पाबंदियों के साथ जीना सीख लिया है। बड़ा सवाल है- क्या ट्रंप ईरान को शांति और सुलह के रास्ते पर ले आएंगे? अभी दूर-दूर तक इसकी कोई संभावना नजर नहीं आ रही है। ट्रंप को महाशक्ति का राष्ट्रपति होने का गुरूर है। वहीं, ईरानी नेतृत्व के सामने अपना अस्तित्व बचाने की चुनौती है। यह देश अमेरिका और इज़राइल, जिनकी आर्थिक ताकत, तकनीक और सैन्य बल के सामने कहीं नहीं टिकता है, के संयुक्त हमलों का सामना करने के बावजूद अडिग है। अब उसे और तबाही का डर नहीं है, क्योंकि यह पहले ही बहुत हो गई है। दोनों देशों को टकराव का रास्ता छोड़ना चाहिए। इनके जंगी जुनून का असर करोड़ों लोगों पर पड़ रहा है। अपने अहंकार को एक तरफ रखकर शांति वार्ता करें। इससे ही समाधान निकलेगा।

ट्वीटर टॉक

किशनपोल बाज़ार में मौजूद हेरिटेज म्यूज़ियम और रवींद्र मंच का इंस्पेक्शन किया, और चल रहे रेस्टोरेशन, सुविधाओं और दूसरे डेवलपमेंट के कामों की प्रोग्रेस का रिव्यू किया।राजस्थान की रिच कल्चरल, आर्टिस्टिक और हिस्टोरिकल विरासत को बचाना हमारी सबसे बड़ी प्रायोरिटी में से एक है।

-दिया कुमारी

बालोतरा में हुए सड़क हादसे में लोगों की दुखद मौत बहुत दिल दहला देने वाली है। भगवान दिवंगत आत्माओं को अपने पवित्र चरणों में जगह दें और दुखी परिवारों को यह असहनीय दुख सहने की शक्ति दें। मैं हादसे में घायल सभी लोगों के जल्दी ठीक होने की प्रार्थना करता हूं।

-गजेन्द्रसिंह शेखावत

भ्रष्ट, अन्यायी, पक्षपाती, बेईमान - ये चार शब्द मेरे नहीं हैं, ये वो शब्द हैं जो आज देश के छात्र भारत के शिक्षा सिस्टम के लिए इस्तेमाल कर रहे हैं। और सच तो यह है - भारत का शिक्षा सिस्टम अब बेईमानी से वसूली करने का एक तरीका बन गया है।

-अशोक गहलोत

प्रेरक प्रसंग

धन और ज्ञान की तार्किकता

जब विवेकानंद जी कॉलेज में पढ़ रहे थे। उनके एक अंग्रेज प्रोफेसर थे, जो भारतीय छात्रों से काफी ईर्ष्या रखते थे। नरेंद्र नाम से पहचान रखने वाले इस छात्र की कुशाग्र बुद्धि के कारण वह उनसे और भी चिढ़ते थे। उसी प्रोफेसर ने एक बार कक्षा में नरेंद्र से बदला लेने के उद्देश्य से एक पेचीदा सवाल पूछा। उन्होंने कहा, 'नरेंद्र, कल्पना करो कि तुम्हें रास्ते पर चलते हुए दो बैग मिलते हैं। एक बैग में बहुत सारा धन है और दूसरे बैग में बहुत सारा ज्ञान है।

तुम दोनों में से कौन सा बैग उठाओगे?' नरेंद्र ने तुरंत उत्तर दिया, 'प्रोफेसर, मैं बिना सोचे पैसे वाला बैग उठाऊंगा।' प्रोफेसर जोर से हंसे और व्यंग्य करते हुए बोले, 'मुझे तुमसे यही उम्मीद थी। अगर तुम्हारी जगह मैं होता, तो मैं ज्ञान वाला बैग चुनता, क्योंकि ज्ञान पैसे से कहीं बढ़कर है।' नरेंद्र ने बहुत ही सहजता से मुस्कुराते हुए जवाब दिया, 'आप बिल्कुल सही कह रहे हैं सर! जिसके पास जिस चीज की कमी होती है, वह वही चीज उठाता है। मेरे पास ज्ञान है, इसलिए मैंने धन चुना।'

सामयिक

अमेरिका-ईरान टकराव और विश्व शांति की नई चुनौती

ललित गर्ग
मो. 9811051133

अमेरिका और ईरान के बीच लंबे तनाव के बाद बड़ी कठिनाई से बना संघर्ष विराम अपनी निर्धारित अवधि पूरी करने से पहले ही टूटने की कगार पर पहुंच गया है। ईरान द्वारा अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर किए गए ताजा हमलों और उसके जवाब में अमेरिका की भीषण बमबारी ने एक बार फिर पूरी दुनिया को युद्ध की आशंकाओं के बीच खड़ा कर दिया है। यह केवल दो देशों के बीच का सैन्य संघर्ष नहीं है, बल्कि वैश्विक शांति, आर्थिक स्थिरता और मानवीय मूल्यों के लिए गंभीर चुनौती है। जिस समय विश्व को महामारी, आर्थिक मंदी, जलवायु परिवर्तन और ऊर्जा संकट जैसी समस्याओं से मिलकर लड़ना चाहिए, उस समय महाशक्तियों का युद्धोन्माद पूरी मानवता को पीछे धकेलने का कार्य कर रहा है। होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर उत्पन्न विवाद ने इस संघर्ष को और अधिक विस्फोटक बना दिया है।

विश्व के लगभग 20 प्रतिशत कच्चे तेल की आपूर्ति इसी समुद्री मार्ग से होती है। यदि यह मार्ग बाधित होता है तो केवल तेल की कीमतें ही नहीं बढ़ेंगी, बल्कि पूरी वैश्विक अर्थव्यवस्था पर इसका व्यापक दुष्प्रभाव पड़ेगा। महंगाई बढ़ेगी, उत्पादन लागत में वृद्धि होगी, आपूर्ति शृंखलाएं टूटेंगी और विकासशील देशों की अर्थव्यवस्था सबसे अधिक प्रभावित होगी। युद्ध की आग कभी सीमाओं में नहीं रहती, उसकी तपिश अंततः पूरी दुनिया को झुलसाती है।

इस संघर्ष का सबसे दुखद पक्ष यह है कि इसमें निर्दोष नागरिकों, नाविकों और आम जनजीवन को सबसे अधिक कीमत चुकानी पड़ती है। हाल के घटनाक्रम में भारतीय नाविकों के प्रभावित होने और भारत के सहयोग से विकसित रणनीतिक महत्व वाले चाबहार बंदरगाह परियोजना को नुकसान पहुंचने से यह स्पष्ट हो गया है कि युद्ध किसी एक देश तक सीमित नहीं रहता। अंतरराष्ट्रीय व्यापार, ऊर्जा सुरक्षा और वैश्विक विश्वास- तीनों पर इसका प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। अमेरिका स्वयं को लोकतंत्र और विश्व व्यवस्था का संरक्षक बताता है, लेकिन उसकी विदेश नीति लंबे समय से प्रतिबंधों, सैन्य दबाव और शक्ति प्रदर्शन पर आधारित रही है। किसी भी राष्ट्र को झुकाने के लिए आर्थिक प्रतिबंध, सैन्य हमले और राजनीतिक दबाव स्थायी समाधान नहीं हो सकते। महाशक्ति होने का अर्थ केवल सैन्य सामर्थ्य नहीं, बल्कि संयम, दूरदृष्टि और विश्व समुदाय के प्रति नैतिक उत्तरदायित्व भी है। यदि शक्ति विवेक से संचालित न हो तो वही शक्ति विनाश का कारण बन जाती है।

दूसरी ओर ईरान को भी यह समझना होगा कि अंतरराष्ट्रीय समुद्री मार्गों को अपने रणनीतिक हितों के लिए बंधक बनाना न तो अंतरराष्ट्रीय कानून के अनुरूप है और न ही वैश्विक विश्वास के अनुकूल। किसी भी देश की सुरक्षा तब तक स्थायी नहीं हो सकती जब तक वह पड़ोसी देशों और विश्व समुदाय के साथ सहयोग, विश्वास और पारदर्शिता का वातावरण निर्मित न करे। भय और प्रतिशोध पर आधारित सुरक्षा व्यवस्था अंततः स्वयं को ही असुरक्षित बना देती है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की कार्यशैली ने इस पूरे संकट को और अधिक अनिश्चित बनाया है। एक ओर वे कठोर सैन्य कार्रवाई करते हैं, दूसरी ओर वार्ता और समझौते की बातें करते हैं। इस प्रकार के विरोधाभासी संदेश न केवल कूटनीतिक विश्वास को कमजोर करते हैं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय बाजारों में भी अस्थिरता पैदा करते हैं। महाशक्तियों के नेताओं के प्रत्येक वक्तव्य का प्रभाव केवल उनके देशों तक सीमित नहीं रहता, बल्कि विश्व की अर्थव्यवस्था, निवेश, ऊर्जा बाजार और करोड़ों लोगों के जीवन पर पड़ता है। इसलिए नेतृत्व में धैर्य, स्थिरता और विश्वसनीयता अत्यंत आवश्यक है।

इतिहास गवाह है कि युद्धों ने कभी स्थायी समाधान नहीं दिया। प्रथम और द्वितीय विश्वयुद्ध से लेकर इराक, अफगानिस्तान, लीबिया और सीरिया तक, हर युद्ध ने नई समस्याएं ही पैदा की हैं। लाखों लोगों की जान गई, करोड़ों लोग विस्थापित हुए, लेकिन अंततः समाधान फिर बातचीत की मेज पर ही खोजे गए। यदि अंत में संवाद ही करना है, तो शुरुआत भी संवाद से ही क्यों नहीं हो सकती? यही प्रश्न आज पूरी मानवता के सामने खड़ा है। भारत ने सदैव विश्व को शांति, सह-अस्तित्व और अहिंसा का मार्ग दिखाया है। गौतम बुद्ध, भगवान महावीर और महात्मा गांधी की भूमि ने यह सिखाया कि वास्तविक विजय शत्रु को पराजित करने में नहीं, बल्कि शत्रुता को समाप्त करने में है।

भारत की विदेश नीति भी 'वसुधैव कुटुम्बकम' और 'विश्वबंधुत्व' के आदर्शों पर आधारित रही है। भारत ने हमेशा संवाद, कूटनीति और शांतिपूर्ण समाधान का समर्थन किया है। यही कारण है कि भारत आज विश्वसनीय मध्यस्थ, संतुलित शक्ति और जिम्मेदार वैश्विक भागीदार के रूप में सम्मान प्राप्त कर रहा है।

वर्तमान संकट में भारत की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो सकती है। भारत के अमेरिका, ईरान और खाड़ी देशों के साथ संतुलित संबंध हैं। भारत यदि संयुक्त राष्ट्र और अन्य अंतरराष्ट्रीय मंचों के माध्यम से सक्रिय शांति पहल करे, तो तनाव कम करने में उसकी भूमिका प्रभावी सिद्ध हो सकती है। साथ ही भारत को अपनी ऊर्जा सुरक्षा, समुद्री व्यापार और विदेशों में कार्यरत भारतीय नागरिकों की सुरक्षा के लिए भी दूरदर्शी रणनीति अपनानी होगी। आज आवश्यकता किसी एक पक्ष की विजय की नहीं, बल्कि मानवता की विजय की है। हथियारों की होड़ से न तो समृद्धि आती है और न ही सम्मान। वास्तविक शक्ति मिसाइलों, बमों और युद्धपोतों में नहीं, बल्कि विश्वास, सहयोग और संवाद में निहित होती है। युद्ध किसी भी समस्या का समाधान नहीं है, वह केवल नई समस्याओं को जन्म देता है। अहिंसा कायरता नहीं, बल्कि आत्मबल, धैर्य और दूरदर्शिता का सर्वोच्च स्वरूप है।

विश्व समुदाय को अब यह स्पष्ट संदेश देना होगा कि किसी भी देश की मनमानी, सामरिक अहंकार और युद्धोन्माद को स्वीकार नहीं किया जा सकता। संयुक्त राष्ट्र सहित वैश्विक संस्थाओं को अधिक प्रभावी, निष्पक्ष और सक्रिय भूमिका निभानी होगी। यदि आज भी दुनिया ने युद्ध की राजनीति पर अंकुश नहीं लगाया, तो भविष्य की पीढ़ियां हमें क्षमा नहीं करेंगी। आज पूरी दुनिया की प्रार्थना यही है कि अमेरिका को शक्ति के साथ सद्बुद्धि मिले, ईरान को संयम और विवेक का मार्ग मिले तथा दोनों राष्ट्र हथियारों की भाषा छोड़कर संवाद की संस्कृति अपनाएं। शांति ही विकास का आधार है, संवाद ही स्थायी समाधान का मार्ग है और अहिंसा ही मानव सभ्यता का सबसे बड़ा अस्त्र है। यही समय की पुकार है, यही मानवता की अपेक्षा है और यही भविष्य की सबसे बड़ी आवश्यकता भी।

नजरिया

क्या न्यायपालिका पर घट रहा है जनविश्वास?

महेन्द्र तिवारी

लोकतंत्र की सफलता केवल संविधान की पुस्तकों में नहीं, बल्कि नागरिकों के विश्वास में निहित होती है। न्यायपालिका उस विश्वास की अंतिम संरक्षक है। इसलिए एक ओर नागरिकों का कर्तव्य है कि वे अदालतों की गरिमा और संवैधानिक मर्यादा का सम्मान करें, वहीं दूसरी ओर न्यायपालिका का दायित्व है कि वह समयबद्ध, सुलभ और प्रभावी न्याय देकर उस सम्मान को और अधिक मजबूत बनाए।

आज के समय में न्यायपालिका केवल संविधान की व्याख्या करने वाली संस्था नहीं है, बल्कि लोकतंत्र में नागरिकों के अंतिम विश्वास का केंद्र भी है। जब कार्यपालिका और विधायिका से किसी व्यक्ति को राहत नहीं मिलती, तब उसकी अंतिम उम्मीद न्यायालय से जुड़ती है। ऐसे में यदि सर्वोच्च न्यायालय के भीतर ही ऐसी घटना घटे जिसमें एक याचिकाकर्ता न्यायाधीशों को ज्यूडिशियल सर्वेंट कहकर संबोधित करे, स्वयं को सॉवरेन घोषित करे, न्यायालय को आदेश देने की भाषा बोले, कागज हवा में उछाल दे और मुख्य न्यायाधीश के प्रति अपमानजनक शब्दों का प्रयोग करे, तो यह केवल एक व्यक्ति का अनुचित व्यवहार नहीं रह जाता। यह घटना न्यायपालिका, समाज और लोकतंत्र के संबंधों पर गंभीर प्रश्न भी खड़े करती है। हाल में सर्वोच्च न्यायालय में स्वयं पैरवी कर रहे प्रबल प्रताप द्वारा ऐसा व्यवहार किए जाने के बाद अदालत की कार्यवाही बाधित हुई और सुरक्षा कर्मियों ने उन्हें बाहर ले जाकर स्थिति को सामान्य किया। यह घटना देशभर में चर्चा का विषय बन गई।

इस घटना को देखने के दो अलग-अलग दृष्टिकोण सामने आते हैं। पहला यह कि यह पूरी तरह से न्यायालय की अवमानना और लोकतांत्रिक मर्यादाओं का उल्लंघन है। दूसरा यह कि यह उस गहरे असंतोष की अभिव्यक्ति है जो वर्षों से लंबित मामलों और न्याय मिलने में होने वाली देरी के कारण समाज के एक वर्ग में पनप रहा है। दोनों दृष्टिकोणों को समझे बिना इस घटना का निष्पक्ष मूल्यांकन संभव नहीं है।

भारतीय न्याय व्यवस्था दुनिया की सबसे बड़ी न्यायिक व्यवस्थाओं में से एक है। देश की अदालतों में करोड़ों मुकदमे लंबित हैं। अनेक मामलों में न्याय पाने में वर्षों नहीं बल्कि दशकों का समय लग जाता है। कई बार मुकदमे की शुरुआत करने वाला व्यक्ति अंतिम निर्णय देखने के लिए जीवित भी नहीं रहता। ऐसे उदाहरण भी मिलते हैं जहां अगली पीढ़ी मुकदमा लड़ती रहती है। यह स्थिति स्वाभाविक रूप से लोगों में निराशा पैदा करती है। प्रसिद्ध कहावत है कि विलंबित न्याय, न्याय से वंचित करने के समान होता है। जब नागरिकों को लगता है कि उनकी समस्याओं का समाधान समय पर नहीं हो रहा, तब व्यवस्था के प्रति उनका विश्वास कमजोर होने लगता है। यही कमजोर होता विश्वास कभी-कभी आक्रोश का रूप भी ले लेता है।

लेकिन क्या यह आक्रोश अदालत के भीतर अनुशासन तोड़ने का अधिकार दे देता है? इसका उत्तर स्पष्ट रूप से नहीं है। लोकतंत्र में असहमति व्यक्त करने की पूरी स्वतंत्रता है। न्यायिक निर्णयों की आलोचना भी की जा सकती है। पुनर्विचार याचिका दायर की जा सकती है। संविधान ने इसके अनेक कानूनी रास्ते दिए हैं। किंतु न्यायालय के भीतर न्यायाधीशों को आदेश देना, अपमानजनक भाषा का प्रयोग करना या कार्यवाही बाधित करना किसी भी दृष्टि से स्वीकार्य नहीं कहा जा सकता। यदि हर व्यक्ति स्वयं को सर्वोच्च मानकर अदालत को निर्देश देने लगे, तो कानून का शासन समाप्त होकर अराजकता का शासन स्थापित हो जाएगा। न्यायपालिका की आलोचना और न्यायपालिका का अपमान, दोनों अलग बातें हैं। लोकतंत्र पहले की अनुमति देता है, दूसरे की नहीं।

यह भी ध्यान देने योग्य है कि आज का समाज पहले की तुलना में कहीं अधिक अधीर हो गया है। डिजिटल युग में लगभग हर सेवा कुछ ही मिनटों में उपलब्ध हो जाती है। मोबाइल पर भोजन मंगाया जा सकता है, बैंकिंग हो सकती है, टिकट बुक हो सकता है और जानकारी तुरंत मिल जाती है। इसी मानसिकता का प्रभाव न्याय के प्रति अपेक्षाओं पर भी पड़ा है। लोग चाहते हैं कि अदालतें भी तुरंत फैसला सुनाएं। लेकिन न्यायिक प्रक्रिया किसी तकनीकी सेवा की तरह नहीं चल सकती। प्रत्येक मामले में तथ्य, साक्ष्य, गवाह, कानून और दोनों पक्षों की दलीलों का विस्तार से परीक्षण आवश्यक होता है। यदि केवल तेजी के लिए न्यायिक प्रक्रिया को छोटा कर दिया जाए, तो निर्दोष भी दंडित हो सकते हैं और दोषी भी बच सकते हैं। इसलिए त्वरित न्याय आवश्यक है, लेकिन जल्दबाजी में दिया गया न्याय नहीं।

यही कारण है कि न्यायिक सुधार की चर्चा केवल मामलों के निपटारे की गति तक सीमित नहीं होनी चाहिए। न्यायालयों की संख्या बढ़ाना, न्यायाधीशों के रिक्त पद शीघ्र भरना, आधुनिक तकनीक का उपयोग बढ़ाना, डिजिटल सुनवाई की व्यवस्था मजबूत करना, अनावश्यक स्थगनों पर नियंत्रण और वैकल्पिक विवाद निवारण प्रणालियों को प्रोत्साहन देना भी उतना ही आवश्यक है। यदि इन क्षेत्रों में सुधार होगा, तो लंबित मामलों की संख्या कम होगी और जनता का विश्वास भी मजबूत होगा।

इस पूरे प्रकरण में एक और महत्वपूर्ण प्रश्न उभरता है कि क्या संस्थाओं का सम्मान केवल संवैधानिक पद के कारण बना रहता है या उसके पीछे कार्यक्षमता भी उतनी ही महत्वपूर्ण होती है। वस्तुतः दोनों बातें समान रूप से आवश्यक हैं। संविधान न्यायपालिका को स्वतंत्र और सम्मानित स्थान देता है। इस सम्मान की रक्षा प्रत्येक नागरिक का दायित्व है। साथ ही न्यायपालिका पर यह उत्तरदायित्व भी है कि वह समयबद्ध, पारदर्शी और प्रभावी न्याय प्रदान करे। जनता का विश्वास केवल संवैधानिक व्यवस्था से नहीं, बल्कि उसके अनुभवों से भी निर्मित होता है। इतिहास बताता है कि जब भी किसी संस्था और समाज के बीच संवाद कमजोर होता है, तब टकराव की संभावना बढ़ जाती है। इसलिए इस घटना को केवल अनुशासनहीनता मानकर भुला देना भी उचित नहीं होगा। यह समझना होगा कि आखिर ऐसे व्यवहार की पृष्ठभूमि क्या है। यदि कोई व्यक्ति वास्तव में मानसिक तनाव, निराशा या न्यायिक प्रक्रिया से उपजे असंतोष के कारण ऐसा करता है, तो यह भी चिंता का विषय है। यदि ऐसा केवल सस्ती लोकप्रियता या प्रचार पाने के लिए किया गया, तब भी यह समाज में बढ़ती सनसनी प्रियता का संकेत है। दोनों ही स्थितियों में समाधान केवल दंड नहीं, बल्कि संस्थागत आत्ममंथन भी है।

सोशल मीडिया ने भी इस प्रकार की घटनाओं को नया आयाम दिया है। पहले अदालतों में होने वाली घटनाएं सीमित दायरे में रहती थीं। अब कुछ ही मिनटों में उनका वीडियो और विवरण लाखों लोगों तक पहुंच जाता है। इससे कई बार तथ्य पीछे छूट जाते हैं और भावनाएं आगे निकल जाती हैं। लोग बिना पूरी जानकारी के पक्ष और विपक्ष में खड़े हो जाते हैं। न्यायपालिका जैसी गंभीर संस्था के संदर्भ में यह प्रवृत्ति और भी चिंताजनक है क्योंकि इससे जनविश्वास प्रभावित हो सकता है। यह भी याद रखना चाहिए कि न्यायपालिका की आलोचना लोकतंत्र का हिस्सा है। सर्वोच्च न्यायालय के अनेक निर्णयों पर समय-समय पर विद्वानों, वकीलों, पत्रकारों और नागरिकों ने असहमति जताई है। लेकिन यह असहमति हमेशा तर्क, कानून और संवैधानिक भाषा के माध्यम से व्यक्त की गई। यही लोकतांत्रिक संस्कृति है। व्यक्तिगत अपमान, अभद्रता और संस्थागत अवमानना लोकतांत्रिक विमर्श को कमजोर करते हैं।

दूसरी ओर न्यायपालिका को भी यह समझना होगा कि सम्मान केवल अपेक्षा करने से नहीं मिलता, बल्कि निरंतर अर्जित भी करना पड़ता है। जब लोगों को समय पर न्याय मिलता है, फैसले स्पष्ट और तार्किक होते हैं, प्रक्रियाएं पारदर्शी होती हैं और अदालतें आम नागरिक के लिए सुलभ बनती हैं, तब सम्मान स्वतः बढ़ता है। इसलिए न्यायिक सुधार केवल प्रशासनिक आवश्यकता नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक विश्वास की भी आवश्यकता है। सर्वोच्च न्यायालय में घटी यह घटना इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि यह केवल अदालत के भीतर की घटना नहीं है। यह समाज के भीतर बढ़ती अधीरता, संस्थाओं के प्रति बदलते दृष्टिकोण, सोशल मीडिया के प्रभाव और न्याय व्यवस्था के सामने मौजूद चुनौतियों का संयुक्त प्रतिबिंब है। इस घटना की निंदा करना आवश्यक है क्योंकि किसी भी लोकतांत्रिक संस्था की गरिमा से समझौता नहीं किया जा सकता। साथ ही इस घटना को एक चेतावनी के रूप में भी देखना चाहिए कि यदि न्यायिक व्यवस्था को अधिक सक्षम, तेज और नागरिक केंद्रित नहीं बनाया गया, तो जनता और संस्थाओं के बीच विश्वास का अंतर और बढ़ सकता है।

लोकतंत्र की सफलता केवल संविधान की पुस्तकों में नहीं, बल्कि नागरिकों के विश्वास में निहित होती है। न्यायपालिका उस विश्वास की अंतिम संरक्षक है। इसलिए एक ओर नागरिकों का कर्तव्य है कि वे अदालतों की गरिमा और संवैधानिक मर्यादा का सम्मान करें, वहीं दूसरी ओर न्यायपालिका का दायित्व है कि वह समयबद्ध, सुलभ और प्रभावी न्याय देकर उस सम्मान को और अधिक मजबूत बनाए। यही इस पूरे घटनाक्रम का सबसे बड़ा संदेश है।

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- दक्षिण भारत राष्ट्रमत

'गोल्डन बूट' की दौड़ में बने हुए हैं पांच खिलाड़ी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अटलांटा। मौजूदा विश्व कप में सर्वाधिक गोल करने वाले छह खिलाड़ियों में से पांच खिलाड़ी अब भी मैदान में बने हुए हैं जिससे 'गोल्डन बूट' हासिल करने की दौड़ रोचक बन गई है। अर्जेंटीना के सुपरस्टार लियोनेल मेस्सी और फ्रांस के स्टार स्ट्राइकर किलियन एमबाप्पे ने आठ-आठ गोल किए हैं और वह 'गोल्डन बूट' हासिल करने की दौड़ में सबसे आगे हैं। इन दोनों खिलाड़ियों के बीच विश्व कप करियर में सर्वाधिक गोल करने का रिकॉर्ड बनाने के लिए भी रोचक जंग चल रही है। मेस्सी ने अभी तक सभी विश्व कप में कुल मिलाकर 21 गोल किए हैं जबकि एमबाप्पे के नाम पर 20 गोल दर्ज हैं।

मौजूदा टूर्नामेंट में सर्वाधिक गोल करने वाले खिलाड़ियों की सूची में इन दोनों के बाद नॉर्वे के एर्लिंग हालैंड का नंबर आता है जिन्होंने सात गोल किए हैं लेकिन उनकी टीम टूर्नामेंट से बाहर हो गई है। इसके अलावा इंग्लैंड के जूड बेलिंगहम और हैरी केन भी दौड़ में हैं। इन दोनों ने छह-छह गोल किए हैं। फ्रांस के औस्मान डेम्बेले पांच गोल करके ज्यादा पीछे नहीं हैं। स्पेन के मिकेल ओयार्ज़ाबल ने चार गोल किए हैं। अगर स्पेन सेमीफाइनल में फ्रांस को हरा देता है तो वह चुनौती पेश कर सकते हैं।

बाढ

बांग्लादेश के कॉक्स बाजार जिले में बाढ़ के पानी के बीच घिरा और बेबस खड़ा एक मासूम बच्चा।

मैं टर्मिनेटर हूं, अभिषेक टर्मिनेटर चार है और वैभव टर्मिनेटर छह है: युवराज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लंदन। अपने जमाने के धाकड़ बल्लेबाज युवराज सिंह ने बेखौफ होकर खेलने वाले भारतीय बल्लेबाजों को अर्नोल्ड श्वार्ज़नेगर अभिनीत प्रतिष्ठित हॉलीवुड फिल्म 'टर्मिनेटर' के विभिन्न संस्करणों की तर्ज पर खुद को टर्मिनेटर, अभिषेक शर्मा को टर्मिनेटर चार और वैभव सूर्यवंशी को टर्मिनेटर छह बताया। अभिषेक के लिए मार्गदर्शक का काम करने वाले भारत के पूर्व ऑलराउंडर युवराज का मानना है कि 15 वर्षीय सूर्यवंशी आक्रामक बल्लेबाजी के विकास में अगला कदम है। उन्होंने कहा कि अगर उन्हें इस युवा खिलाड़ी के साथ काम करने का मौका मिलता है तो उन्हें खुशी होगी।

युवराज ने जियोहॉटस्टार से कहा, ''मैं खुद को टर्मिनेटर कहता हूं। अ/ब अभिषेक शर्मा के रूप में टर्मिनेटर चार आ गया है क्योंकि वह मुझसे चार गुणा बेहतर है। अब वैभव सूर्यवंशी के रूप में टर्मिनेटर छह आ गया है।'' अभिषेक और सूर्यवंशी के साथ विंबलडन का पुरुष एकल का फाइनल देखने वाले युवराज ने कहा, ''मैंने अपने समय में अपना काम किया, अभिषेक ने इसे और आगे बढ़ाया और अब वैभव नए मानक स्थापित कर रहा है। यह उसी सफर का तीसरा चरण है। खेल को इस तरह विकसित होते देखना बहुत अच्छा लगता है।''

उन्होंने कहा, ''जब मैं (यानिक) सिनर और (कार्लोस) अल्काराज़ को देखता हूं, तो मुझे टेनिस में हो रहे बदलाव नज़र आते हैं। अभिषेक और वैभव में भी मुझे यही विकास दिखाई देता है। मैंने अभिषेक के साथ काफी समय बिताया है और मैं वैभव के साथ भी समय बिताना चाहूंगा। उसका भविष्य उज्ज्वल है।'' सूर्यवंशी ने भी कहा कि युवराज के साथ बातचीत से उन्हें तकनीक से परे भी कई अमूल्य सबक मिले। उन्होंने कहा, ''युवी पाजी मेरे भी आदर्श हैं। उनसे पहली बार मिलना एक खास पल था। मुझे उनके साथ समय बिताने का मौका मिला और उन्होंने खेल के बारे में कई महत्वपूर्ण बातें बताई।'' सूर्यवंशी ने कहा, ''उन्होंने खेल के मानसिक पहलू, दबाव से निपटने के तरीके और आत्मविश्वास के महत्व के बारे में बात की। मुझे उम्मीद है कि इससे मुझे भविष्य में काफी मदद मिलेगी।''

अभिषेक ने सूर्यवंशी के बारे में कहा, ''मैं समझ सकता हूं कि वैभव इस समय कैसा महसूस कर रहा है क्योंकि युवराज पाजी मेरे भी आदर्श हैं। मुझे याद है जब मैं उनसे पहली बार मिला था, तब मुझे भी कुछ ऐसा ही महसूस हुआ था जैसा कि अभी वैभव महसूस कर रहा है।''

लीला चिटनिस : दिलीप कुमार से राज कपूर तक की ऑनस्क्रीन मां, कभी थीं सुपरस्टार

नई दिल्ली/एंजेन्सी

हिंदी सिनेमा के 1930 के दशक की सबसे चर्चित हस्तियों में लीला चिटनिस का नाम भी शामिल था। अपनी खूबसूरती, शानदार स्टाइल और दमदार अदाकारी से उन्होंने उस दौर में खूब शोहरत हासिल की। कभी पर्दे की ग्लैमरस नायिका रहीं लीला चिटनिस ने बाद में मां के किरदारों में ऐसी अमिट छाप छोड़ी कि वह हमेशा के लिए दर्शकों के दिलों और जहन में बस गईं। उनकी सादगी, ममता और भावनात्मक अभिनय ने हर किरदार को खास बना दिया। लीला चिटनिस का जन्म 9 सितंबर 1909 को कर्नाटक के धारवाड़ में एक मराठी भाषी परिवार में हुआ था। उनके पिता अंग्रेजी साहित्य के प्रोफेसर थे, इसलिए घर में पढ़ाई-लिखाई का माहौल था। उस दौर में जब महिलाओं की शिक्षा को ज्यादा महत्व नहीं दिया जाता था, लीला ने बीए की डिग्री हासिल की। उन्हें हिंदी सिनेमा की शुरुआती पढ़ी-लिखी अभिनेत्रियों में गिना जाता है। अभिनय की शुरुआत उन्होंने फिल्मों से नहीं बल्कि रंगमंच से की थी। वह मराठी के प्रगतिशील नाट्य समूह 'नाट्यमन्वंतर' से जुड़ीं और कई नाटकों में मुख्य भूमिकाएं निभाईं। अभिनय के प्रति उनका जुनून धीरे-धीरे उन्हें फिल्मों की दुनिया तक ले गया।

लीला की निजी जिंदगी भी काफी संघर्षों से भरी रही। कम उम्र में ही उनकी शादी डॉ. गजानन यशवंत चिटनिस से हो गई थी। वह चार बच्चों की मां बनीं लेकिन वैवाहिक जीवन ज्यादा समय तक नहीं चल पाया। पति से अलग होने के बाद बच्चों की जिम्मेदारी पूरी तरह लीला पर आ गई। परिवार चलाने के लिए उन्होंने स्कूल में अध्यापिका की नौकरी की और साथ ही रंगमंच से जुड़ी रहीं।

फिल्मों में उनका शुरुआती सफर आसान नहीं था। उन्होंने छोटे किरदारों और एक्स्ट्रा कलाकार के

रूप में काम करना शुरू किया। इसके बाद उन्हें स्टंट फिल्मों में भी मौके मिले। साल 1937 में आई फिल्म 'जेंटलमैन डाकू' ने उनके करियर को नई दिशा दी। इस फिल्म में उन्होंने पुरुषों के कपड़े पहनकर एक अलग तरह का किरदार निभाया था, जिसे काफी सराहा गया।इसके बाद लीला चिटनिस की प्रतिभा पर फिल्म इंडस्ट्री की नजर पड़ी। उन्हें बॉम्बे टॉकीज से जुड़ने का मौका मिला और साल 1939 में आई फिल्म 'कंगन' ने उन्हें बड़ा स्टार बना दिया। इस फिल्म में उन्होंने अशोक कुमार के साथ मुख्य भूमिका निभाई थी। फिल्म की सफलता के साथ ही अशोक कुमार और लीला चिटनिस की जोड़ी भी दर्शकों के बीच बेहद लोकप्रिय हो गई।'कंगन' के बाद लीला ने अशोक कुमार के साथ 'बंधन', 'आजाद' और 'झूला' जैसी कई सफल फिल्मों में काम किया। अशोक कुमार उनकी अभिनय क्षमता से इतने प्रभावित थे कि उन्होंने कहा था कि बिना बोले सिर्फ आंखों से भाव व्यक्त करना उन्होंने लीला चिटनिस से सीखा था।अपने करियर के सुनहरे दौर में लीला चिटनिस ने एक और इतिहास रचा। साल 1941 में वह लोकप्रिय साबुन ब्रांड लक्स के विज्ञापन में नजर आईं और ऐसा करने वाली पहली भारतीय फिल्म स्टार बनीं। उस समय इस तरह के विज्ञापन में केवल हॉलीवुड की बड़ी अभिनेत्रियां ही दिखाई देती थीं।

समय के साथ फिल्मों में नई अभिनेत्रियों का दौर आया और लीला ने अपने करियर की दिशा बदल ली। साल 1948 में आई फिल्म 'शहीद' में उन्होंने पहली बार मां का ऐसा किरदार निभाया, जिसने उनकी पहचान हमेशा के लिए बदल दी। इसके बाद वह हिंदी फिल्मों की सबसे यादगार मांओं में शामिल हो गईं।लीला चिटनिस ने दिलीप कुमार, राज कपूर और कई बड़े सितारों की मां की भूमिका निभाई।

'आवारा', 'गंगा जमुना' और 'गाइड' जैसी फिल्मों में उनके निभाए गए मां के किरदारों को खूब सराहा गया। उन्होंने पर्दे पर त्याग, ममता और संघर्ष से भरी मां की ऐसी छवि बनाई, जिसे बाद की कई अभिनेत्रियों ने आगे बढ़ाया। 1985 में आई फिल्म 'दिल तुझको दिया' उनकी आखिरी फिल्म रही। इसके बाद वह अमेरिका चली गईं और अपने बच्चों के साथ रहने लगीं। 14 जुलाई 2003 को 94 वर्ष की उम्र में उनका निधन हो गया।

मां के नाम पेड़ लगाकर भावुक हुईं हुमा कुरैशी

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेत्री हुमा कुरैशी ने अपनी मां के प्रति प्यार और सम्मान जाहिर करते हुए एक भावुक पोस्ट साझा किया है। अभिनेत्री ने बताया कि उनकी मां ने उन्हें समझाया कि ताकत हमेशा दिखावे में नहीं होती, बल्कि धैर्य, प्यार और बिना किसी उम्मीद के दूसरों का साथ देने में होती है। हुमा कुरैशी ने हाल ही में 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान से जुड़कर अपनी मां के नाम एक पौधा लगाया। इस खास पहल के जरिए उन्होंने अपनी मां के प्रति आभार और प्यार व्यक्त किया। अभिनेत्री ने सोशल मीडिया पर पौधा लगाते हुए अपनी तस्वीरें साझा कीं और बताया कि उनके लिए यह सिर्फ एक पौधा लगाना नहीं, बल्कि अपनी मां के योगदान को सम्मान देने का एक तरीका है। इंस्टाग्राम पर तस्वीरें शेयर करते हुए हुमा ने लिखा, ''मेरी जिंदगी में जिन सबसे मजबूत महिलाओं को मैंने जाना है, उनमें सबसे पहले मेरी मां आती हैं। उन्होंने मुझे सिखाया कि असली ताकत शांत होती है, धैर्य से भरी होती है और हमेशा देने वाली

होती है। यही वजह है कि 'एक पेड़ मां के नाम' मेरे दिल के बहुत करीब है।''

हुमा ने आगे लिखा, ''अपनी मां के नाम एक पेड़ लगाना सिर्फ एक पौधा लगाना नहीं है, यह वह कृतज्ञता है जो हर मौसम के साथ बढ़ती रहती है। जब 'धन्यवाद' जैसे शब्द भी खत्म हो जाते हैं, तब भी यह पेड़ आपकी भावनाओं को बनाए रखता है।''हुमा कुरैशी ने इस अभियान के पर्यावरण से जुड़े पहलुओं पर भी बात की। उन्होंने बताया कि इस मानसून उत्तर प्रदेश में बड़े स्तर पर पौधारोपण अभियान चलाया जा रहा है। इसके तहत 35 करोड़ पौधे लगाने का लक्ष्य रखा गया है। इसके अलावा पर्यावरण संरक्षण के लिए स्वच्छ नदियों, सोलर सिटी, इलेक्ट्रिक मोबिलिटी और किसानों को हरित प्रयासों के लिए प्रोत्साहित करने जैसी योजनाओं पर भी काम किया जा रहा है।उन्होंने लोगों से अपील करते हुए कहा कि हर व्यक्ति को अपनी मां के नाम एक पेड़ जरूर लगाना चाहिए और उसकी देखभाल करनी चाहिए। जिस तरह एक मां अपने बच्चे को प्यार और देखभाल से बड़ा करती है, उसी तरह एक पेड़ को भी प्यार और जिम्मेदारी के साथ बढ़ने का मौका देना चाहिए।

बता दें कि 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान की शुरुआत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से की थी। इस पहल के जरिए लोगों को अपनी मां के सम्मान में पौधा लगाने और प्रकृति को बचाने की दिशा में योगदान देने के लिए प्रेरित किया जाता है। इस अभियान ने देशभर में लोगों को पर्यावरण से जोड़ने का काम किया है। साल 2026 के तहत उत्तर प्रदेश में 35 करोड़ पौधे लगाने की योजना बनाई गई है। इसका उद्देश्य हरियाली बढ़ाने के साथ-साथ जल, वायु और पर्यावरण संरक्षण को मजबूत करना है।

मशहूर कॉमेडियन और टेलीविजन होस्ट भारती सिंह अपने पति हर्ष लिम्बाचिया और बच्चों के साथ सोमवार को मुंबई में सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन के एक विशेष शूट में शामिल होने पहुंचीं।

अभिनेत्री आकांशा रंजन कपूर और फिल्मकार शरण शर्मा परिणय सूत्र में बंधे

नयी दिल्ली। अभिनेत्री आकांशा रंजन कपूर और फिल्मकार शरण शर्मा विवाह के बंधन में बंध गए हैं। दोनों ने शनिवार को अपने करीबी मित्रों और परिवार के सदस्यों की मौजूदगी में शादी की। उन्होंने सोशल मीडिया मंच इंस्टाग्राम पर एक संयुक्त पोस्ट साझा कर इसकी जानकारी दी। पोस्ट में विवाह समारोह की कई तस्वीरें साझा की गई हैं। 'गिल्टी' और 'मोनिका, ओ माई डार्लिंग' जैसी फिल्मों में अभिनय कर चुकीं आकांशा ने शादी में डिजाइनर अर्पिता मेहता की सुनहरे कढ़ाई वाली लाल साड़ी पहनी। उन्होंने आकर्षक आभूषणों के साथ हल्का मेकअप किया और बालों को बांध रखा था। 'गुंजन सक्सेना: द कारगिल गर्ल' के निर्देशक शरण शर्मा ने डिजाइनर मनीष मल्होत्रा की ऑफ-व्हाइट फूलों की बारीक कढ़ाई वाली आइवरी रंग की बंदगला पोशाक पहनी। दोनों ने अपने पोस्ट के साथ लिखा, तू ना तो घर घर नहीं लगता, तू है तो डर नहीं लगता। आकांशा और शरण ने वर्ष 2022 में एक-दूसरे को डेट करना शुरू किया था और वर्ष 2024 में अपने रिश्ते को सार्वजनिक किया था। उनके विवाह-पूर्व समारोह और संगीत का आयोजन 10 जुलाई को मुंबई में हुआ था, जिसमें आलिया भट्ट, रणबीर कपूर और करण जौहर सहित फिल्म जगत की कई हस्तियां शामिल हुई थीं।

'पराक' टीज़र ने पूरे देश में मचाई हलचल

मुंबई/एजेन्सी

रोरिंग स्टार श्रीमुरली की बहुप्रतीक्षित एक्शन फिल्म पराक का आधिकारिक टीज़र 13 जुलाई को रिलीज होते ही पूरे देश में जबरदस्त उत्साह पैदा कर गया। बघीरा के बाद यह उनकी अगली बड़ी फिल्म है, और टीज़र ने सोशल मीडिया पर धूम मचा दी है। दर्शक फिल्म के भव्य स्तर, दमदार एक्शन और श्रीमुरली के शानदार बदलाव की जमकर सराहना कर रहे हैं। यह फिल्म पूरे भारत में रिलीज होने वाली है, जिससे श्रीमुरली का दमदार अंदाज हर दर्शक तक पहुंचेगा। दक्षिण भारतीय सिनेमा के प्रमुख सितारों में गिने जाने वाले श्रीमुरली ने अपनी पहचान मेहनत, निरंतरता और प्रभावशाली अभिनय से बनाई है। उनकी सुपरहिट फिल्म उग्रम ने कन्नड़ एक्शन सिनेमा को नई दिशा दी और उन्हें इंडस्ट्री के भरोसेमंद एक्शन हीरो के रूप में स्थापित किया। मुफ़्ती, भराटे और बघीरा जैसी फिल्मों के जरिए उन्होंने अपनी बहुमुखी प्रतिभा और समर्पण को बार-बार साबित किया है।

पराक के टीज़र में श्रीमुरली एक बिल्कुल नए और प्रभावशाली अवतार में नजर आ रहे हैं। दमदार फिटनेस, रफ लुक और गहरी स्क्रीन उपस्थिति के साथ वह पहले से कहीं अधिक सशक्त और आकर्षक दिख रहे हैं। उनका यह शारीरिक परिवर्तन और ऊर्जावान एक्शन दृश्य टीज़र की सबसे बड़ी खासियत बन गए हैं, जिसकी दर्शक खुलकर सराहना कर रहे हैं। निर्देशक हलेश कोगुंडी कहते हैं, बचपन से ही मुझे एक्शन फिल्मों का बहुत शौक रहा है। मैड मैक्स जैसी फिल्मों ने मुझे प्रेरित किया कि अगर मैं फिल्म निर्माता बनूं, तो एक्शन फिल्में ही बनाऊं। मेरे लिए एक्शन सिर्फ लड़ाई या दृश्य प्रदर्शन नहीं है, यह कहानी कहने का माध्यम भी है। मैं मानवीय भावनाओं, आंतरिक संघर्षों और अपने अनुभवों को दिखाना चाहता हूं। यह एक पात्र केंद्रित कहानी है, जहां हर एक्शन दृश्य पात्रों के निर्णय और उनकी भावनात्मक यात्रा से स्वाभाविक रूप से जुड़ा है।

यह फिल्म एक एक्शन सस्पेंस थ्रिलर है, जिसमें जबरदस्त एक्शन के साथ मजबूत किरदारों की कहानी भी देखने को मिलेगी। टीज़र फिल्म की दुनिया की एक झलक पेश करता है, जिसमें शानदार दृश्य, रोमांच से भरपूर एक्शन और दिलचस्प कहानी की झलक मिलती है। हर फ्रेम फिल्म के बड़े स्तर को दर्शाता है, वहीं चरण राज एमआर का प्रभावशाली बैकग्राउंड म्यूजिक टीज़र के असर को और बढ़ाता है। हलेश कोगुंडी के निर्देशन में बनी यह फिल्म ब्रांड स्टूडियोज के बैनर तले अखिलेश कोगुंडी, आशिक मदल और दीपक अश्वथ नारायण द्वारा निर्मित है। फिल्म का संगीत चरण राज एमआर ने दिया है, सिनेमैटोग्राफी संदीप वल्लुरी ने की है, जबकि कहानी हलेश कोगुंडी और टीम ब्रांड स्टूडियोज ने मिलकर लिखी है।

फिल्म के जबरदस्त एक्शन दृश्यों को प्रसिद्ध स्टंट निर्देशक डॉ. के. रविवर्मा ने तैयार किया है। फिल्म को लेकर उत्साह तब और बढ़ गया जब आनंद ऑडियो ने पराक के ऑडियो अधिकार हासिल किए। इसे हाल के समय में कन्नड़ फिल्मों के सबसे बड़े ऑडियो सौदों में से एक माना जा रहा है, जो फिल्म को लेकर बनी उम्मीदों को दर्शाता है। शानदार प्रस्तुति, दमदार एक्शन, प्रभावशाली दृश्य और श्रीमुरली के नए अवतार के साथ पराक का टीज़र डिजिटल प्लेटफॉर्म पर जबरदस्त प्रतिक्रिया हासिल कर चुका है। अब दर्शकों को फिल्म के संगीत, ट्रेलर और सिनेमाघरों में रिलीज का बेसब्री से इंतजार है।

'भोजपुरी बवाल' में दिखेगी स्टार्स की असली कहानी

मुंबई/एजेन्सी

भोजपुरी सिनेमा की दुनिया में पवन सिंह, दिनेश लाल यादव 'निरहुआ', आम्रपाली दुबे और काजल राघवानी जैसे नाम किसी पहचान के मोहताज नहीं हैं। इन कलाकारों ने अपनी फिल्मों और गानों के जरिए करोड़ों दर्शकों के दिलों में जगह बनाई है। अब ये सितारे रियलिटी शो 'भोजपुरी बवाल' में नजर आएंगे। इसमें बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव और राबड़ी देवी के बड़े बेटे तेज प्रताप यादव भी होंगे। 'भोजपुरी बवाल' में पवन सिंह, निरहुआ, आम्रपाली दुबे, काजल राघवानी और तेज प्रताप यादव पहली बार एक साथ नजर आएंगे। शो के जरिए कोशिश की गई है कि दर्शक इन सितारों को सिर्फ फिल्मों और गानों के जरिए नहीं, बल्कि एक आम इंसान के रूप में भी जान सकें। मेकर्स द्वारा जारी किए गए शो के प्रोमो में सभी कलाकार एक साथ डिनर टेबल पर बैठे नजर आते हैं। शुरुआत में वे इस बात पर चर्चा करते हैं कि शो को दर्शकों के सामने किस तरह पेश किया जाए। लेकिन

धीरे-धीरे बातचीत मजेदार बहस में बदल जाती है। हंसी-मजाक के बीच कलाकार एक-दूसरे से सवाल करते हैं, अपनी राय रखते हैं और एक-दूसरे से जुड़े किस्सों पर बात करते दिखाई देते हैं।

पवन सिंह ने शो को लेकर कहा, ''पिछले कई सालों में लोगों ने मेरे बारे में बहुत सी बातें सुनी हैं। इनमें कुछ बातें सही थीं, कुछ को बढ़ा-चढ़ाकर बताया गया और कुछ बातें पूरी तरह गलत थीं। यह शो दर्शकों को यह समझने का मौका देगा कि हम लोग असल जिंदगी में कैसे हैं।''उन्होंने कहा कि शो की शुरुआत में जो कुछ दर्शकों को देखने को मिला है, वह सिर्फ एक छोटी सी झलक है। आने वाले एपिसोड में कई ऐसे पल सामने आएंगे, जहां कलाकार खुलकर अपनी भावनाएं रखते नजर आएंगे।वहीं, तेज प्रताप यादव ने कहा, ''बिहार और भोजपुरी क्षेत्र की कहानियों में हमेशा एक अलग पहचान रही है। यहां के लोगों, संस्कृति और जीवन से जुड़ी कई ऐसी बातें हैं, जिन्हें बड़े मंच पर दिखाने की जरूरत है। 'भोजपुरी बवाल' इसी भावना को सामने लाता है। इस शो में ऐसे लोग साथ आए हैं, जिन्हें दर्शकों ने पहले कभी इस तरह बातचीत करते हुए नहीं देखा होगा।''

निरहुआ ने कहा, ''भोजपुरी बवाल की सबसे अच्छी बात यह है कि कोई भी परफेक्ट होने का दिखावा नहीं कर रहा। हम साथ हंसते हैं, बहस करते हैं, एक-दूसरे की टांग खींचते हैं और अपने मन की बात कहते हैं। यही बात इस शो को बाकी रियलिटी शो से अलग बनाती है।''आम्रपाली दुबे ने कहा, ''लोगों को अक्सर लगता है कि वे हमें जानते हैं क्योंकि वे सालों से हमारे काम को फॉलो कर रहे हैं। लेकिन कैमरे के पीछे बहुत कुछ ऐसा होता है जो सामने नहीं आता। भोजपुरी बवाल दर्शकों के साथ उस पहलू को साझा करने का एक मौका है।''

काजल राघवानी ने कहा, ''यह शो ड्रामा दिखाने के लिए नहीं, बल्कि कलाकारों के रिश्तों, बातचीत और उनके बीच की बॉन्डिंग को दिखाने के मकसद से बनाया गया है। जब कैमरे बंद होते हैं, तब कलाकारों की जिंदगी में भी कई दिलचस्प पल होते हैं, जिन्हें अब दर्शक देख पाएंगे।'''भोजपुरी बवाल' आम रियलिटी शो से थोड़ा अलग होगा। इसमें सिर्फ टास्क या प्रतियोगिता पर ध्यान नहीं दिया जाएगा, बल्कि भोजपुरी इंडस्ट्री के बड़े सितारों के सफर, उनकी मेहनत, दोस्ती, रिश्ते, और लोकप्रियता से जुड़ी चुनौतियों को दिखाया जाएगा।'भोजपुरी बवाल' का प्रीमियर 2 अगस्त से जियोहॉटस्टार और कलर्स पर किया जाएगा।

रोजगार क्षमता में वृद्धि हेतु समझौता ज्ञापन पर हुए हस्ताक्षर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। अमृता ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस ने रोजगार क्षमता को बढ़ाने के लिए नेपाल, श्रीलंका, मलेशिया और जीईडीयू ग्लोबल एजुकेशन संगठनों के साथ अंतर्राष्ट्रीय समझौता ज्ञापनों (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। इस समझौते के तहत विद्यार्थियों के लिए अंतरराष्ट्रीय प्रवेश, इंटर्नशिप, उद्योग में नियुक्ति और कई देशों में उच्च शिक्षा में प्रगति के माध्यम से वैश्विक अवसर पैदा करने पर जोर दिया जाएगा।

नेपाल में विद्यार्थियों के प्रवेश को सुगम बनाने और वहां से विद्यार्थियों की इंटर्नशिप और भर्ती को बढ़ावा देने के लिए प्रेसिडेंट एजुकेशन कंसल्टेंसी की अध्यक्ष सुश्री भावना नेउपाने और उपाध्यक्ष मनोज कुमार श्रेष्ठ फ्यूचर ड्रीम्स एकेडमी, मलेशिया के अध्यक्ष के. कलैअरसन और मुख्य कार्यकारी अधिकारी जयनानक सिंह रणनीतिक वैश्विक साझेदारी की सीओओ सुश्री सिमरनजीत कौर, जीईडीयू ग्लोबल एजुकेशन और सहभागी संस्थानों के प्रतिनिधि समझौता ज्ञापन समारोह में उपस्थित थे। इस अवसर पर चेन्नई के अमृता ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के अध्यक्ष आर. बूमिनथन ने कहा कि इन वैश्विक संस्थानों के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर कर के हम विद्यार्थियों को वैश्विक अनुभव, अंतरराष्ट्रीय उद्योग अनुभव और विश्व स्तरीय कैरियर के अवसर प्रदान करने के लिए संस्थान की प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं।

जीवन का यही सर्वोत्तम मंत्र है पाप नेवर और धर्म एवर: आचार्य कुलबोधिसूरीश्वर

- धर्म को निरंतर जीवन का हिस्सा बनाने का किया आव्हान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। स्थानीय वेपेरी श्वेताम्बर मूर्तिपूजक जैन संघ में विराजित आचार्य देवेश भुवनभानुसूरिश्वरजी के समुदाय के आचार्य वरबोधिसूरिश्वरजी के शिष्य आचार्यश्री विजय कुलबोधिसूरीश्वरजी ने सोमवार प्रातः आयोजित धर्मसभा में श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा कि पाप नेवर, धर्म एवर अर्थात् पाप कभी नहीं करना है और धर्म किए बिना कभी नहीं रहना है। उन्होंने कहा कि मानव समाज के कल्याण के लिए इससे श्रेष्ठ संदेश कोई नहीं हो सकता। विश्व के लगभग सभी धर्मों, ग्रंथों और पंथों में धर्माचरण तथा पाप से दूर रहने की प्रेरणा दी गई है।

आचार्यश्री ने कहा कि मनुष्य की सबसे बड़ी कमजोरी यह है कि आज किया गया पाप कल और भी सहज हो जाता है, जबकि आज किया गया धर्म कल कम होने लगता है। पाप में पुनरावृत्ति सरल होती जाती है, जबकि धर्म में निरंतरता बनाए रखना कठिन होता है। साधु जीवन की महत्ता बताते हुए उन्होंने कहा कि जैसे-जैसे साधु जीवन का पर्याय बढ़ता है, वैसे-वैसे अंतर्मन की प्रसन्नता भी बढ़ती जाती है। धर्म में निरंतरता बनाए रखने के लिए आचार्यश्री ने तीन महत्वपूर्ण सूत्र बताए। पहला, साधना सतत् होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि निरंतर की गई साधना आत्मा में स्थायी संस्कार छोड़ती है। जिस प्रकार पानी की निरंतर गिरती बूंदें कठोर पत्थर को भी चीर देती हैं, उसी प्रकार सतत् साधना आत्मबल को असीम शक्ति प्रदान करती है। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि यदि नवकार मंत्र का नियमित जप किया जाए तो विपरीत से विपरीत परिस्थितियों में भी वह स्वतः स्मरण हो जाता है। उन्होंने प्रेरणा दी कि जीवन में दान, जप, तप या आराधना का अवसर मिले तो उसे निरंतर अपनाना चाहिए।

दूसरे सूत्र के रूप में उन्होंने कहा कि साधना सख्त अर्थात पुरुषार्थपूर्ण और तपयुक्त होनी चाहिए। अनुकूल परिस्थितियों में की गई साधना सतत हो सकती है, लेकिन प्रतिकूल परिस्थितियों में भी जो साधना जारी रहे, वही सच्चे अर्थों में सख्त साधना है। उन्होंने हिमांशु श्रीजी महाराज के तप, जप और आराधना का उल्लेख करते हुए कहा कि वास्तविक साधना कभी आसान नहीं होती। तीसरे सूत्र में आचार्यश्री ने कहा कि साधना सरस अर्थात आनंदमय और भावपूर्ण होनी चाहिए। चाहे साधना छोटी हो या कठिन, उसमें आत्मिक आनंद और पूर्णता का भाव होना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि एक सामायिक भी करें तो पूर्ण एकाग्रता और अहोभाव के साथ करें। विज्ञान में एकाग्रता का महत्व है, किंतु धर्म में अहोभाव का मूल्य उससे भी अधिक है। जिनशासन में प्रभु के प्रति उच्च भाव ही साधना को सफल बनाता है।

चातुर्मास के संदर्भ में आचार्यश्री ने कहा कि इस वर्ष चातुर्मास के प्रवचन सतत्, सख्त और सरस होंगे तथा वे केवल वही बातें कहेंगे जो प्रभु को प्रिय हैं। उन्होंने चातुर्मास प्रवेश समारोह को शुभ शुरुआत बताते हुए कहा, वेल बिगन इज़ हाफ डन अर्थात अच्छी शुरुआत आधी सफलता के समान होती है। संघ सचिव आकाश जैन ने बताया कि आगामी 15 जुलाई को बेसता मास का महामांगलिक तथा भगवान महावीर च्यवन कल्याणक महोत्सव श्रद्धा, भक्ति और उल्लास के साथ आयोजित किया जाएगा।

दयासदन अग्रवाल विद्यालय में 11वां वार्षिक उत्सव सम्पन्न

चेन्नई/दक्षिण भारत। स्थानीय दयासदन अग्रवाल विद्यालय द्वारा तेनामपेट के ऐतिहासिक 'कामराजार अरंगम' में 11वाँ वार्षिक उत्सव मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों के सत्कार से हुआ। इस मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में कारपे डियम के संस्थापक और सीईओ एवं निदेशक पी. दिलीप कृष्ण तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में भारत स्काउट्स एंड गाइड्स, चेन्नई सीबीएसई जिला के उपाध्यक्ष के. हेमाकुमार को सम्मानित किया गया। प्रधानाचार्या लता बालू ने विद्यालय की वार्षिक प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की। उन्होंने साल भर की गौरवशाली शैक्षणिक व खेलकूद की उपलब्धियों को साझा किया। इस वर्ष के मुख्य विषय 'इनविजिबल थ्रेड्स' (अदृश्य धागे) के परिचय ने संस्थान की दूरदर्शिता, गहरी सोच और मानवीय संबंधों के मूल्यों को बेहद खूबसूरती से बयां किया गया। 'स्टाफ सर्विस अवार्ड्स' और 'टीचर्स एंडोमेंट अवार्ड्स' के माध्यम से समर्पित शिक्षकों और गैर-शिक्षण कर्मचारियों की सेवा व निष्ठा को सराहा गया। इसके साथ ही, 'स्टूडेंट्स एंडोमेंट अवार्ड्स' देकर उन होनहार और मेधावी छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया।

मुख्य अतिथि और विशिष्ट अतिथि ने अपने सारगर्भित व प्रेरक उद्बोधन से विद्यार्थियों को जीवन में निरंतर उत्कृष्टता की ओर बढ़ने का आशीर्वाद दिया। विद्यालय के अध्यक्ष गोपाल अग्रवाल और संवाददाता बीपी झुनझुनवाला ने अपने विचार व्यक्त किए। अंग्रेजी विभाग की प्रमुख सुंदरी बी. ने धन्यवाद दिया। सांस्कृतिक सचिव शिल्पा तुलस्यान ने आभार व्यक्त किया।

रजत ओलम्पियाड-26 की बैडमिंटन प्रतियोगिता सम्पन्न

चेन्नई/दक्षिण भारत। राजस्थानी एसोसिएशन तमिलनाडु ओलम्पियाड 2026 की बैडमिंटन प्रतियोगिता रविवार को स्मैस-बाऊंस, कोराटूर में सम्पन्न हुई जिसमें राजस्थानी समाज के 180 से भी ज्यादा खिलाड़ियों ने अपना कौशल दिखाया। उपाध्यक्ष विजय गोयल ने सभी खिलाड़ियों व मेहमानों का स्वागत किया। इस प्रतियोगिता के प्रायोजक एबीसी कन्स्ट्रक्सन था। बैडमिंटन प्रतियोगिता के साथ-साथ कार्यकारिणी सदस्यों के बीच 'मैत्री मैच' बाक्स क्रिकेट का भी आयोजन किया गया। संयोजक राधेश्याम मूँधड़ा ने खिलाड़ियों को खेल-भावना से खेलने का आग्रह किया। प्रतियोगिता के उद्घाटन समारोह में रजत के पूर्व अध्यक्ष मोहन बजाज, मानद मंत्री दिनेश कोठारी, अजय नाहर, निर्मल नाहटा, ईन्दर छाजेड़, ललित रांका, सुमेरचंद जैन, अभिषेक सुदा, नरेन्द्र बागड़ी, कोर्डिनेटर्स विमल मालानी, जय किशन मालानी व अन्य गणमान्य सदस्यों का विशेष सहयोग रहा। मंत्री दिनेश कोठारी ने धन्यवाद दिया। यह जानकारी ज्ञानचंद कोठारी ने दी।

'साधारणीकरण का गुण साहित्य को अमर बनाता है'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। दक्षिण भारत की सुप्रसिद्ध साहित्य संस्था 'शब्द' की मासिक रचनागोष्ठी में रविवार को मुख्य अतिथि प्रसिद्ध भाषाविज्ञानी डॉ विमलेश कान्ति वर्मा ने कहा कि श्रेष्ठ कविता परहितकारी होती है। वह कविता, कविता नहीं; जो विशिष्ट को साधारण न बना दे। आज की कविता में कवित्व शून्य हो गया है, इसलिए वह अपने कवि को भी याद नहीं रहती। यही कारण है कि लोग कविता सुनते नहीं हैं, जबकि कविता सुनने और सुनाने की कला है। नाट्यकला पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि मथुरा कलौनी के नाटक साधारणीकरण कराते हैं, इसलिए हमें अच्छे लगते हैं। साधारीकरण कराने के गुण से युक्त साहित्य ही जीवित रहता है। रचनागोष्ठी के शुरू में प्रसिद्ध नाटककार एवं रंग निर्देशक मथुरा कलौनी के हाल ही में छपे नाटक संग्रह मैं अनामिका तथा अन्य नाटक का लोकार्पण हुआ।

कलौनी के नाट्यकर्म पर बोलते हुए आलोचक एवं कवयित्री उषारानी राव ने कहा कि नाट्यसंग्रह में संकलित तीनों नाटक विषय, शिल्प और संवेदना की दृष्टि से एक-दूसरे से भिन्न होते हुए भी मानवीय मूल्यों की एक साझा भूमि पर खड़े मिलते हैं। आज जब रंगमंच त्वरित दृश्य प्रभावों की ओर उन्मुख है, मथुरा कलौनी के नाटक दर्शकों को केवल कथा नहीं सुनाते, बल्कि उन्हें आत्ममंथन के लिए विवश करते हैं। युवा कवि दीपक सोपोरी ने भी कलौनी की नाट्यकला पर अपने मूल्यवान विचार व्यक्त किए।

'शब्द' के अध्यक्ष श्रीनारायण समीर ने अपने स्वागत संबोधन में कहा कि कविता भाषा का गणित नहीं, भाषा का संगीत है। कविता शब्दों को उनके कोशीय अर्थ से मुक्त कर उन्हें नया जीवन देती है। कविता में तथ्य नहीं, अनुभव होता है। गद्य हमें बताता है कि आग लग गई। किन्तु कविता हमें उस आग की लपट, धुएँ की गंध और डर से काँपते हाथ महसूस कराती है। कविता में सबसे जरूरी होता है पंक्तियों के बीच का मौन, जहाँ पाठक अपने जीवनानुभव से अर्थ ग्रहण करता है। उन्होंने आगे कहा कि किसी रचनाकार की पुस्तक का लोकार्पण केवल कागज और स्याही का उत्सव नहीं होता। यह एक दौर के अनुभव, एक समाज के प्रश्न और एक मनुष्य के संघर्ष का सार्वजनिक साक्षात्कार होता है। ओजस्वी कवि हंसराज मुणोत की अध्यक्षता तथा दीपक सोपोरी के संयोजन में आयोजित रचनागोष्ठी का आगाज वरिष्ठ कवि आनंद मोहन झा ने अपने स्वरचित शारदा वंदन के सुमधुर गायन से किया। वरिष्ठ कवि अनिल विभाकर, सुधा दीक्षित, राजेन्द्र गुलेच्छा, विद्या कृष्णा, माधुरी सुबोध, ऋता शेखर, शेफाली सिन्हा, रंजिता भारती, गीता चौबे गूँज, अंजना चांडक, प्रीति राही, राही राज, नमिता सिन्हा, सुदेश वत्स आदि के काव्य पाठ श्रोताओं की सराहना पाने में सफल रहे। कार्यक्रम के अंत में 'जनकसुता उर्मिला' तथा 'मैं अनामिका' नाट्यांशों में जीवंत अभिनय के लिए शेफाली सिंह, नैना पंत और हर्षल द्विवेदी को स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया गया। विद्या कृष्णा के धन्यवाद ज्ञापन से रचनागोष्ठी सम्पन्न हुई।

पीपा क्षत्रिय दर्जी समाज ने आयोजित किया निशुल्क नेत्र जांच शिविर

चेन्नई/दक्षिण भारत। स्थानीय पीपा क्षत्रिय दर्जी समाज के तत्वावधान में पीपाजी मंदिर परिसर में चौथी बार निःशुल्क नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया जिसमें कुल 148 लोगों ने आंखों की जांच कराई। 98 सदस्यों को निःशुल्क चश्मे वितरित किए जाएंगे, जबकि 5 सदस्यों का मोतियाबिंद ऑपरेशन कराया जाएगा। इस शिविर का आयोजन चेन्नई मेट्रो संस्था एवं अग्रवाल हॉस्पिटल डॉक्टरों की टीम के सहयोग से किया गया।

इस सेवा कार्य के मुख्य आयोजक माणकचन्द, दिलीप कुमार,शिवांग और मयंक बड़गुजर परिवार थे। शिविर को सफल बनाने में नवयुवक मंडल के धनराज सोलंकी और नितेश चावड़ा का विशेष योगदान रहा। यह जानकारी सह सचिव नरेश मकवाना ने दी।

राज्यपाल ने विद्यार्थियों से केवल नौकरी खोजने वाले न बनकर उद्यमी बनने का आह्वान किया

वैष्णव कॉलेज में 59वाँ दीक्षांत समारोह सम्पन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। शहर के द्वारकादास गोवर्धनदास वैष्णव कॉलेज (स्वायत्त) ने शनिवार को अपना 59वाँ दीक्षांत समारोह आयोजित किया। इस समारोह में तमिलनाडु के राज्यपाल थिरु राजेन्द्र विश्वनाथ अर्लेकर ने मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। समारोह का औपचारिक शुभारंभ कॉलेज के सचिव अशोक कुमार मूंदड़ा ने किया। प्राचार्य कैप्टन डॉ. एस. संतोष बाबू ने सभी का स्वागत करते हुए कहा कि संस्थान अनुशासन, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, समग्र छात्र विकास, शैक्षणिक उत्कृष्टता तथा मूल्य-आधारित शिक्षण के प्रति निरंतर प्रतिबद्ध है। उन्होंने बताया कि पिछले शैक्षणिक वर्ष में महाविद्यालय ने अपनी शैक्षणिक, सह-पाठ्यक्रम, पाठ्येतर तथा विस्तार गतिविधियों को संयुक्त राष्ट्र के 17 सतत विकास लक्ष्यों के अनुरूप संचालित किया, जिससे सतत विकास एवं सामाजिक उत्तरदायित्व को बढ़ावा मिला। उन्होंने बताया कि वर्ष 2025 में कुल 3,224 विद्यार्थियों ने अपनी पढ़ाई सफलतापूर्वक पूर्ण की, जिनमें 12 विशेष आवश्यकता वाले विद्यार्थी भी शामिल थे। इनमें 574 विद्यार्थी स्नातकोत्तर तथा 2,650 विद्यार्थी स्नातक कार्यक्रमों से थे। स्नातकोत्तर कार्यक्रमों का उत्तीर्ण प्रतिशत 88.35% तथा स्नातक कार्यक्रमों का 69.53% रहा।वार्षिक प्रतिवेदन में राज्यपाल राजेन्द्र विश्वनाथ अर्लेकर ने स्नातक विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उन्हें ईमानदारी, उत्कृष्टता, सामाजिक उत्तरदायित्व एवं आजीवन सीखने की भावना बनाए रखने तथा राष्ट्र की प्रगति में सार्थक योगदान देने का संदेश दिया। उन्होंने संस्थान की गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की सराहना करते हुए विद्यार्थियों से अपने लक्ष्य पर केंद्रित रहने का आह्वान किया। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 का उल्लेख करते हुए कहा कि इसका मूल उद्देश्य औपनिवेशिक मानसिकता से मुक्त होकर श्रेष्ठ व्यक्तित्व का निर्माण करना तथा सुदृढ़ नैतिक चरित्र विकसित करना है, जिससे एक सशक्त राष्ट्र का निर्माण हो सके। उन्होंने विद्यार्थियों से केवल नौकरी खोजने वाले न बनकर उद्यमी, उत्तरदायी नागरिक एवं समाज की समस्याओं का समाधान करने वाले नेतृत्वकर्ता बनने का आह्वान किया। इसके उपरांत राज्यपाल ने स्नातक एवं स्नातकोत्तर दोनों कार्यक्रमों के विश्वविद्यालय रैंक धारक विद्यार्थियों को उपाधि प्रमाण-पत्र प्रदान किए। प्राचार्य ने परीक्षा नियंत्रक डॉ. प्रभा राजगोपालन की समयबद्ध एवं परीक्षा संचालन के लिए सराहना की। अर्थशास्त्र विभाग के अध्यक्ष एवं पीजी एवं शोध विभाग के प्रमुख प्रो. जेपी जयदीप ने स्नातकों को उपाधि प्राप्त करने हेतु मंच पर आमंत्रित किया। प्राचार्य ने दीक्षांत समिति के संयोजक डॉ. जे.सतीश व उनकी टीम की प्रशंसा की। अंत में विद्यार्थियों ने प्राचार्य के नेतृत्व में दीक्षांत शपथ ग्रहण की। इसके पश्चात सभी को औपचारिक रूप से उपाधियाँ प्रदान की गईं।

शुभ पुण्य कर्म आत्मा के उर्ध्व गमन में सहायक होते हैं : डॉ पदमचन्द

बेंगलूरु। शहर के शूले स्थित केवलमुनि जैनोदय ट्रस्ट में आयोजित प्रात:कालीन स्वाध्याय कक्षा में डॉ पदमचन्दजी ने कहा कि अशुभ पापोदय और शुभ पुण्योदय दोनों आश्रव कर्म बंध के कारण हैं।लेकिन शुभ पुण्य कर्म आत्मा के उर्ध्व गमन में सहायक होते हैं। अपने प्रवचन में जयधुरंधरमुनिजी ने कहा कि वस्तु के अभाव और संतोष में सूक्ष्म अंतर होता है। इस बात को अनेकांत ढंग से प्रस्तुत करते हुए कहा कि पदार्थ की उपलब्धता और संतोष की स्थिति श्रेयकंर है। प्रवचन में अलसूर चातुर्मास महासंघ के कार्याध्यक्ष सुनील कुमार गादिया, महामंत्री चंद्रप्रकाश मूथा, शूले संघ के अध्यक्ष उत्तमचंद कोठारी, महामंत्री सुनील कुमार मरलेचा सहित संबंधित संस्थाओं के पदाधिकारी उपस्थित थे। इसके अलावा शहर के विभिन्न उपनगरों से श्रद्धालु उपस्थित थे।

अच्छे रेस्पांस के साथ तेरापंथ महिला मंडल का श्री उत्सव सम्पन्न

प्रायोजकों व लक्की ड्रा विजेताओं का किया सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। तेरापंथ महिला मंडल गांधीनगर द्वारा आयोजित दो दिवसीय श्री उत्सव-एक क़दम स्वावलंबन की ओर' प्रदर्शनी के दूसरे दिन मंडल की अध्यक्ष लक्ष्मी बोहरा ने सभी का स्वागत किया। अभातेममं की सहमंत्री मधु कटारिया व सदस्य रुचिका पटावरी ने प्रदर्शनी का अवलोकन किया। इस मौके पर विभिन्न प्रायोजक परिवारों सहित विभिन्न सभा संस्थाओं के पदाधिकारियों का सम्मान किया गया। इस मौके पर अभातेममं द्वारा निर्देशित चार आयाम समृद्ध राष्ट्र योजना, आदर्श परिवार योजना, सक्षम नारी विकसित योजना, आचार्य तुलसी शिक्षा परियोजना की विस्तृत जानकारी परामर्शिका उर्मिला सुराणा तथा मंत्री विजेता रायसोनी ने दी।

दूसरे सत्र में मूलचन्द नाहर, सभा के अध्यक्ष प्रकाश बाबेल आदि की उपस्थिति में लक्की ड्रा के बम्पर प्राइज प्रथम वाशिंग मशीन की विजेता लीना छाजेड़, द्वितीय ड्रा रेफ्रीजिरेटर विजेता पीयूष नाहर तथा तृतीय ड्रा माइक्रोबेव विजेता सोनू मांडोत को पुरस्कार देकर अतिथियों व मंडल की अध्यक्ष लक्ष्मी बोहरा, संयोजिका,पदाधिकारियों ने सम्मानित किया। निर्णायक मधु कटारिया, पिंकी जैन तथा बिंदु रायसोनी ने प्रदर्शनी में सर्वश्रेष्ठ स्टॉल हेतु सपना जैन के डिवाइन डेकॉर, नेहा घोड़ावत के अन्वीय क्रिएशंस, अनिता चावत के मान क्रिएशंस, निशिता जैन के केक ए लिसियस एवं सुप्रिया बैद के मेरी रसोई स्टॉल अव्वल घोषित किए गए। इस मौके पर जीतो, राजाजीनगर, हनुमंतनगर महिला मंडल, दाधीच महिला समाज, ज्ञानशाला आदि संस्थाओं के प्रतिनिधि उपस्थित थे। महिला मंडल की कार्यसमिति सदस्य संतोष सोलंकी, सुनीता गांधी, कुसुम डांगी, दमयंती कटारिया, मीना आच्छा, गीता संचेती, इंदु खिंवेसरा, अनिता नाहर, जम्मू गादिया, सुनीता मालू, सुनीता जोगड़, ममता घोषल, मोनिका पटावरी, पूजा सेठिया, शोभा सेठिया ने सहयोग किया। बिंदु रायसोनी व रेखा भंसाली ने विभिन्न सत्रों का संचालन किया। संयोजिका सचिता मेहता ने धन्यवाद दिया।

दो दिवसीय मास्टर हेल्थ चेकअप एवं कैंसर स्क्लीनिंग शिविर में 110 लोगों की हुई जांच

चेन्नई/दक्षिण भारत। राजस्थान यूथ एसोसिएशन (आरवाईए) कॉस्मो फाउंडेशन के तत्वावधान में मेडिबैंक योजना के तहत शांतिदेवी जवारमल चंदन डे-केयर एंड डायग्नोस्टिक सेंटर तथा मनोहरराज कमला कांकरिया आरवाईए कॉस्मो कैंसर डिटेक्शन सेंटर में आयोजित दो दिवसीय निःशुल्क मास्टर हेल्थ चेकअप एवं कैंसर स्क्रीनिंग शिविर में एमसी दलाल ग्रुप की नीना किरण शाह के सौजन्य से आयोजित इस शिविर में 110 लोगों का निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण किया गया।

शिविर के दौरान कैंसर स्क्रीनिंग, एक्स-रे, अल्ट्रासाउंड, ईसीजी, नेत्र परीक्षण, दंत परीक्षण, व्यापक रक्त जांच सहित अनेक महत्वपूर्ण स्वास्थ्य परीक्षण किए गए। फाउंडेशन के मैनेजिंग ट्रस्टी विकास ललवानी ने बताया कि इस शिविर का प्रमुख उद्देश्य समाज के उन जरूरतमंद एवं वंचित वर्गों तक गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाना है।

सेलम गौ सम्मान आह्वान हेतु राष्ट्रव्यापी अभियान शुरू

चेन्नई। गौ माता को राष्ट्रमाता का दर्जा दिलाने हेतु चल रहे राष्ट्रव्यापी अभियान के तहत स्थानीय माधवन भवन में संतश्री चंद्रमा दासजी महाराज ने अपनी तमिलनाडु यात्रा के दौरान सेलम में हिंदू धर्मावलंबियों के लिए आयोजित जनजागरण सभा में संबोधित किया। उन्होंने गौ माता की सेवा, सुरक्षा एवं सम्मान के लिए अधिक से अधिक हस्ताक्षर कर एक ज्ञापन जिलाधिकारी, राज्य उच्चाधिकारियों और प्रधानमंत्री तक 27 जुलाई को सौंपने का लक्ष्य रखा गया है। महंत जी के साथ में राजस्थान से आए ओमप्रकाश कुमावत तथा सेलम प्रभारी दास ने अपने विचार व्यक्त किए।

इस अवसर पर सेलम गोपाल गौशाला के वर्तमान संरक्षक अशोक परसुरामपुरिया, राजस्थानी एसोशिएसन के मांगीलाल सीरवी, कैलाश सारड़ा तथा अन्य समाज के पदाधिकारीगण राजेश गरोदिया, प्रमोद गुप्ता, राकेश पटेल, आनंद लांबीवाला, नेमीचंद प्रजापति, कमल तयाल नितेश फुलफगर आदि उपस्थित थे।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.